

नमो भगवते

सर्वभूतहिताय

ॐ नमो भगवते

भगवत्पद

DH40

शी ३

शु ०

१ॐ नमः सर्वज्ञाय ॥ १ ॥ यस्मिन् ज्ञानः
यत्नामकया धिया ॥ २ ॥ विद्यया मृता यत्र
पुनिसंस्तुते ॥ ३ ॥ सैष सुमयः न वल्लभो न
दत्तसादवर्था च कश्चित् ॥ ४ ॥ श्रीरामायणं
रत्नाकरं तस्य न ददामि कदापि न ह्यन्यथा ॥

१ॐ नमः सर्वज्ञाय ॥ १ ॥ यस्मिन् ज्ञानः
यत्नामकया धिया ॥ २ ॥ विद्यया मृता यत्र
पुनिसंस्तुते ॥ ३ ॥ सैष सुमयः न वल्लभो न
दत्तसादवर्था च कश्चित् ॥ ४ ॥ श्रीरामायणं
रत्नाकरं तस्य न ददामि कदापि न ह्यन्यथा ॥

१ॐ नमः सर्वज्ञाय ॥ १ ॥ यस्मिन् ज्ञानः
यत्नामकया धिया ॥ २ ॥ विद्यया मृता यत्र
पुनिसंस्तुते ॥ ३ ॥ सैष सुमयः न वल्लभो न
दत्तसादवर्था च कश्चित् ॥ ४ ॥ श्रीरामायणं
रत्नाकरं तस्य न ददामि कदापि न ह्यन्यथा ॥

दयामि ॥ ५ ॥ नमः सर्वज्ञाय ॥ ६ ॥ गुणा ॥ ७ ॥ म
॥ १ ॥ समाकृत्या न कलातिर्मन्त्रिफे ॥
लिङ्गानुमासर्ग ॥ २ ॥ पाय ॥ ३ ॥ य
कं ह्ययं तद्वि ॥ ४ ॥ वि ॥ ५ ॥ कश्चित् ॥ ६ ॥
रुगा कश्चित् लिङ्गनामनूकानां कुमादक ॥

१ॐ

३५ वताया नाम ॥

१५ वताया नाम ॥

अ म
र को
र को
र को
र को

॥ ४ ॥ विमिर्ग्या विधितियदे सिधन दुव्या विनि ॥ निविह लिं गी ॥ ५ ॥ लीता धादिन पूर्वता क ॥ ६ ॥
कविदि वरिदमा लया ॥ ७ ॥ सवला काया दिवो ह्मिर्ग्या वीव विपिष्ट र्य ॥ ८ ॥ सवक्रिमुदभावास ॥ ९ ॥ सवसमसुनानयो ॥
उर्ध्वलाका दवलाका ॥ १० ॥ गायमादित्य सप्रय ॥ ११ ॥ अमना निर्जया दवा मुदभा विवुधा सना ॥ १२ ॥ सपर्व ॥ १३ ॥ समनस मि
दिवशा दिवोकम ॥ १४ ॥ ॥ आदित्या दिविषदा लवा अदि किन दना ॥ १५ ॥ आदित्या विरवा स्वप्ना अमना अमना न्धसः
॥ १६ ॥ ॥ वदिमरेखा ॥ १७ ॥ कुरुकुजा नीर्वीणा दानवा वय ॥ १८ ॥ कुरुकुजा देवतानि पुरि सिवा देवता मुर्ग्या ॥ १९ ॥ ॥ पियूषया ॥

अमरकोश ॥

अतिमिषावियस्य कास्य द्विषः ११ आदिपद्मादमस्याता विश्वदवादमस्याता ॥ ११ ॥ वसवश्चाङ्गसंख्याताः शुचिना किं न
 तीषट्तीतास्य च चतुर्विधोऽप्यवाप्तं निला ॥ १२ ॥ महावाजिकतामाना दंभते विंशतिकथा वासाध्यायकाद
 मस्याता नृकाः १३ ॥ आदिपविश्ववसवश्च शुचिना सास्य निला ॥ महावाजिकसाध्यायकाश्च
 गणपदवता ॥ १४ ॥ विद्याधवाः स्यादायकाश्च का गन्धर्वकिन्नराः ॥ पिशाचाः कुक्कुटः सिद्धाः रुताः मीढव्यानयः ॥
 १५ ॥ अस्रवाः दैत्यदत्तयादनुजः शिवाचिरानवाः ॥ पुष्कमिथादितिसूताः पूर्वदवाः सत्रद्विषः ॥ १६ ॥ सर्वज्ञः स

१ गणपदव्यानाम ॥ ३ गणपदव्यानाम ॥ ३ गणपदव्यानाम ॥ ३ गणपदव्यानाम ॥

दत्तयानाम १

२ दव्यानीयानाम

२ श्रीरुक्मिणीयानाम २

गणादृष्टाधर्म्याजलथागतः ११ समकुरुशरगवानमात्रजिज्ञाकजिज्जिनः ॥ ११ ॥ पठरिज्ञादमवलद्वयवादीविना
 यकः १२ मनीशुः शयनः गणपदमूर्तिः १३ कसुनिसुयः ॥ १४ ॥ सताकर्मिणः सर्वार्थसिद्धिः सोऽदनिधमः ॥ गणपदः
 श्रीकृष्णश्च मायादवीसुगन्धः ॥ १५ ॥ वृक्षास्तदुःखः यत्र स डीहितामरः ॥ हिमवतगता लोकाः १६ स्वयं
 रुद्रश्च वानरः ॥ १७ ॥ धाता क्रया निरुद्धिः ॥ विविंविः कमलासनः ॥ सुष्टापुजापतिर्विष्णुः विधाता विश्वमविधिः
 ॥ १८ ॥ विश्वकर्मा चतुर्वकुः १९ गुलाकः यमः ॥ विष्णुर्नायायः रुद्रावेकः ॥ विष्णुश्च यमः ॥ दासादवाहणीकः

३ गणपदव्यानाम ३

३ गणपदव्यानाम ३

३ दव्यानीयानाम

ल० कमवासाधव० स्वर० ॥ देवादिः पुनरीकाका (म) विद्याना वृद्धज० ॥ २३ ॥ पीताम्बवा (वृत्त०) माली विषक माजना दन० ॥
 उपकु० रुद्रावचक ध्रुवादि प्रकु० ॥ २४ ॥ पञ्चनाशान ध्रुवि पूर्वोदवन्ति विक्रम० ॥ देव कीन दन० सो वि० यी पतिः
 पुनूपाक्रम० ॥ २५ ॥ वनमाली वलि धी सी कं साजा ति न (ध्रुव) क० ॥ वि० रूद्र ० के० रुद्र जि द्विधु० श्री वल्लला ० ॥ २६ ॥ ३
 पुना ह पुनूपाय ह पुनूधान वकार्क ॥ जल मयी वि० यूपाम कृ० द० सचम दन० ॥ २७ ॥ भाव रुद्र धाव वीर्य ह रुद्र क
 (म) रुद्रादि वि० वि० दवा स्य जनक० सजवान कं रं कि० ॥ २८ ॥ वल रुद्र एलं व धावल दवा (वृत्त) क० ॥ प्रवनी वस (म)

१ नाशमलया नाम ॥ अमरको २ के० १ वसद वया नाम ॥ अमरको १६ ॥ ५२ ॥ १०८ को किताप

२ वल रुद्रया नाम २

४ काम व वया नाम ४

नाम० कामपाला रुद्राध० ॥ २९ ॥ नीलाम्बवा जोहि (ध्रुव) लाला (कम) माली रुली ॥ सै कर्ष० मी च पाति० का सिद्धी रुद्र नाव
 ल० ॥ ३० ॥ लाली लाल लमी च व वी पति वरुम० ॥ मयना मन्त्र (ध्रुव) मी च पाति० ययु म्ना मी च कतन० ॥ ३१ ॥ कर्ष० द
 यो कान रुद्र काम० प० रुद्र सच० सच० ॥ सचवा विर्मन सिज० कृ० सच पूजन मय० ॥ ३२ ॥ पुष्पा धन्वा प्रतिपति मी कृ०
 ध्रुव ज्ञान रुद्र० मन्त्रा रुद्र सच क० मय कृ० सच यध रुद्र यो ॥ ३३ ॥ सूर्य का वि० शिरुया निर्विष कनात्म जा पिव ॥ वैष्णव वि
 यक रुद्रा दनि वृद्ध उषा पति० ॥ ३४ ॥ लक्ष्मी पमा लया पमा कमला गी रुद्रि प्रिया ॥ रुद्रि दाला कामाता मा की या चितन

१ अनिवृद्धया नाम ॥

अमरको २ के० १ वसद वया नाम ॥

३५ म २
 को १० ज
 रा म २
 न को की
 ला म २

१ तन्त्रीयानाम

मंत्रा

वक्ता

गजा

खर्मा

मति

मोवा

याचमाथं ३१ ॥ मीरवालक्रीपकं यान्तरजन्मं थर्कसदमर्नं ॥ कोमादको गदां ख (आनन्दकं) कोरुतामसि ३२ ॥ गपुत्ता
 नमजुत्ताक्रीपेनकय १ ख (ग) २ ॥ नागकृकाविष्टवध १ सयर्तु १ यत्रगमन ॥ ३३ ॥ मीरुचीम १ यमुपति १ मि
 वेगुलीमरु १ वध १ ॥ ३४ ॥ वध १ सर्व १ गान १ मीकच १ उ (म) १ वध १ ॥ ३५ ॥ रुतं १ ख १ य १ मुनि १ वि (म) १ निवि (म)
 रुद १ म १ रु १ य १ कीर्ति १ वासा १ पिनाकी १ प्रमथा १ विष १ ॥ ३६ ॥ उ १ क १ प १ धी १ क १ मि १ ति १ क १ क १ पाल १ रु १ वा
 मद १ वाम १ रुद १ वा १ वि १ पा १ क १ लि १ ला १ च १ न ॥ ३७ ॥ रुमान १ व १ ता १ सर्व १ हा १ धृ १ ऊ १ टि १ नी १ ल १ ना १ हि १ त १ रु १ व १ सा १ च १ रु १ ना १ र १ र्ग १ रु १

४ गवउयानाम

माहादेवयानाम

२ जटा

२ धनु

३ मारुकायानाम

२ उमथगत

१ मलादवयानाम

मकं लिपुनाक १ ॥ ४१ ॥ गंगधर्मा १ ध १ क १ वि १ पू १ क १ रु १ ध १ ती १ रु १ ध १ ज १ ॥ व्यासक (मारवातोमा) छातू १ रु १ उ १ मा १ प १ ति १
 ॥ ४२ ॥ क १ प १ द १ स १ य १ ज १ ट १ य १ ट १ पि १ ना १ का १ ज १ ग १ व १ ध १ नू १ त १ प १ म १ था १ स १ प १ या १ वि १ प १ दा १ वा १ मी १ ला १ या १ रु १ मा १ न १ ॥ ४३ ॥ यी १ मी १ मा १ रु १
 वी १ च १ ती १ वा १ वा १ ही १ व १ ध १ वी १ क १ थ १ ॥ को १ मा १ वी १ च १ म १ म १ उ १ च १ का १ ल १ सी १ क १ प १ ती १ ति १ च १ ॥ ४४ ॥ वि १ र १ ति १ र्क १ ति १ वे १ ध १ र्ग १ म १ मि १ मा १ दि १
 क १ म १ र्ग १ ॥ म १ ति १ मा १ स १ धि १ मा १ पा १ फि १ ॥ उ १ का १ म १ स १ हि १ मा १ न १ था १ ॥ ४५ ॥ मि १ र्त्वि १ च १ व १ मि १ र्त्वि १ च १ य १ उ १ का १ मा १ द १ मा १ यि १ ना १ ॥ उ १ मा १ का
 ला १ य १ मी १ गो १ वी १ का १ ली १ रु १ म १ व १ ती १ व १ वा १ ॥ ४६ ॥ मि १ वा १ रु १ वा १ नी १ नू १ डा १ ती १ र्वा १ ती १ र्वा १ म १ रु १ ला १ ॥ अ १ प १ रु १ पा १ र्वा १ ती १ इ १ र्ग १ म १ रु १ ज १ री १ च

२ उधर्ययानाम

२ खरवयानाम

शुक्राश्विका ॥ ४१ ॥ विनायकाविघ्नजडमाहुत्रगताधिपा ॥ अथ कदम्बद्वयलम्बाद्वगजानना ॥ ४२ ॥
 कार्तिकेयामहासुतः ॥ मन्त्रजन्मापजाननः ॥ पार्वतीनन्दनः स्कन्दः संतानीवप्रिरुर्गुरुः ॥ ४३ ॥ वाकलयस्तोत्रकजित्
 विष्णुपतिविवारुनः ॥ पाश्चात्तुः ॥ मकिध्वः ॥ कृष्णः ॥ जोचयवः ॥ ४४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
 नः ॥ वृद्धशुभाः ॥ सुनासीवः ॥ पुत्रकृत् ॥ पुत्रद्वयः ॥ ४५ ॥ जिष्णुर्भुवर्षरः ॥ मकुः ॥ मत्तमन्वदि वस्यति ॥ सुशामा ॥ शक्ति
 द्वितीयासवा ॥ वृद्धावृषा ॥ ४६ ॥ वाक्पायति ॥ स्रवपतिर्वत्सायति ॥ मन्त्रीयति ॥ जम्बुद्वीपविद्वयः ॥ लम्बावन्मन्त्रि

१ उद्यतीयानामः

२ उद्यदामः

३ गतां

४ लावधि

५ उद्यानामः

६ उद्यानामः

सूदनः ॥ ४७ ॥ संजयनाइवन्सुवांवाल्मीक्यवाहनः ॥ आखिलः ॥ मरुताक्रांभुक्ताकस्युप्रिया ॥ ४८ ॥ पुल्ल
 मज्जाभवीशतीनग्रीत्वमवावती ॥ रुयडचेश्वरः ॥ सुतासातंविर्नन्दनं ॥ ४९ ॥ ॥ स्यात्सादावजयंभाजय
 कृष्णकृष्णसुतः ॥ जेवावताउमातः ॥ जेवावताउमातः ॥ ५० ॥ ॥ जादिनीवकुमसीत्याकुलिमंतिइवंपविः ॥ गताका
 टिः ॥ लवः ॥ मन्वादम्भाविबमतिर्दया ॥ ५१ ॥ ॥ धामयानंविमानास्तीनावदायाः ॥ सुवर्षयः ॥ स्यात्सुधर्मादवमरापीयू
 समष्टिर्मुखा ॥ ५२ ॥ ॥ मन्वाकिनीवियज्ज्जास्वर्गुदीसुवदीर्घिका ॥ मन्वः ॥ सुमन्वः ॥ सादीववसानः ॥ सुबालयः ॥ ५३ ॥

७ उद्यतीयानामः

८ उद्यतीयानामः

९ उद्यतीयानामः

१० उद्यतीयानामः

११ उद्यतीयानामः

१२ उद्यतीयानामः

१३ उद्यतीयानामः

१ सनत्कुमानयानाम

२ अश्विनीकुमानयानाम १५ वृद्धकयानाम १ जयजयानाम ३

यस्मिन् दवतयामयावः पाविजाकुक ॥ सनानः कल्पक श्रुतिवाह विद्यदनी ॥ ५० ॥ सनत्कुमानावधाय ॥ स्वः
वैद्यावश्विनीसतो नाम स्यावश्विनोदसावाश्विनयोयतावतो ॥ ५१ ॥ श्रियां वरुणसप्तमः ॥ सर्वव्या ॥ उर्वमीसखा ॥
॥ उर्वमीसनकालका विरुमना तिलारुमा ॥ ५२ ॥ प्रियंवदा कुतुहलामानका चतथा ॥ ५३ ॥ कौतुकक (खेवमा ॥
याग-श्वर्वास्त्रिदिवो कर्त्ता ॥ ५४ ॥ अग्निर्वैखानवावक्रिर्वीतिहाशधनं जय ॥ कृपीतया निर्कलना जातवदास्तनून
पात् ॥ ५५ ॥ वहिः ॥ शुष्मारुहवत्सा ॥ विष्क ॥ उषर्वध ॥ आश्रया ॥ हृदहानू ॥ रुमानू ॥ यावकानल ॥ ५६ ॥

२ गंधर्वयानाम

१ का

३ मिश्रायानाम ॥ २ अग्निदवतायानाम २ ३ मिश्रियानाम २ ४ मउयामियानाम २ ५ अर्मजायानाम ॥ ४

वादिता ॥ अवायुसखासिखावानाशुसुक्रति ॥ दिनध्यवनाकुरुशुदहनादववाहन ॥ ५७ ॥ सफार्चिदसना ॥ शुक्र
श्रिकुतानुर्वितावस ॥ शुवित्रपूरुमोर्वकुवाउवावउवानल ॥ ५८ ॥ वक्रुदयाहालकीलावर्चिदति ॥ शिखाः
श्रियां ॥ विष्मेलि ॥ श्रियिकन ॥ सकाय ॥ सव ॥ ससमो ॥ ५९ ॥ धर्मजाज ॥ पिरुयति ॥ समवर्त्तीयवतजा ॥ रु
ताकायमूनाजानामनायवायमः ॥ ६० ॥ कालादधुधव ॥ आह ॥ दवावेवधनाक ॥ निरुस ॥ कोदप ॥ कया
कयादासुपञ्चासव ॥ १० ॥ पाणिचवावाविचव ॥ कर्व ॥ निकषात्मज ॥ याशुधान ॥ पूष्यजन ॥ अनायाशुजाक

१ चाक्रसयानाम ॥

वज्रुलया नाम १

ॐ

२ इमवाय्यानाम २ उवांतया नाम ॥ १

षाडंशानयानाम् ।

सततं नात्र काश्चिन्मरुता विप्रता निर्भीषां निष्पानवज्रताजसुमयथा किमयारुचः ॥ १७ ॥ अतिवलरुमात्यथा कि
मोशामारुतिरुचः ॥ १८ ॥ शीवेगीद्यादिसन्धस्यादिष्वर्षीसत्त्वमामिय
रु ॥ १९ ॥ कुर्वन्मृगकमखायकनामुककं वचः ॥ २० ॥ मनुष्यधर्माधनपात्राजनाजधनाधिपः ॥ किन्नरः ॥ २१ ॥ कवचया
योत्रस्थानववारुनः ॥ २२ ॥ यकेकपि कैलविलः ॥ २३ ॥ पीदपृथ्वजनश्वराः ॥ २४ ॥ स्थायानं चैवार्थपूरुनलकूवचः ॥ २५ ॥
कलागिष्ठानमलकापूर्विमानं तु पूष्यकं ॥ २६ ॥ स्यात्किन्नरः किंपूष्यमुवज्रवदनामयूः ॥ २७ ॥ निधिर्नामवधिरः
स्थानं १ दंश १ विमानं १ २ कवचयानाम १ किन्नरयानाम १

क. व. न. या
काय.

62 11

१ स्वातिया नाम

४ दिनाया नाम

१ नवनिधिया नाम

दा० पममैवाद्यानि ध०॥ सहापमश्चपमयुगीक्षामकवकयो॥ ८४ ॥ मकन्दनचलीलाश्चपर्वश्चनिधयानव०॥
 योदिवोष्ठसुयामर्त्यं व्यासं पूष्यममर्त्यं॥ ८५ ॥ नरानुवीर्यं गगनमनर्त्यं सवत्रुर्त्यं॥ वियद्विष्णुपदं वातुर्त्यं
 काशविनायसी॥ ८६ ॥ विनायसीपिनाकापि यत्र पिश्या रुदय्यं॥ तावपि (था) मसाध्वं च मघवर्त्यं सदाविले॥ ८७ ॥
 २० ॥ दि० मुकुरु० का० आ० श्रुतिश्चता० पा० वा० वी० पती० च० द्वा० पर्व० द० क्रि० प० श्वि० मा०
 ॥ ८८ ॥ उत्तरादिगुदीवीम्यादिभ्यस्तुतिषु दि० व० त० ॥ २० ॥ द्याव० क्रि० पिरु० पति० न० अ० ता० व० न० (ता) म० न० ॥ ८९ ॥ क०

दिग्दिग्गया नाम

३ आकाशया नाम

३ दिग्गया नाम

दिग्गया गुरु

दिग्गया गायक

क३

३ साकिसीया नाम

वा३

धवः० गः पतयः० पूर्वदीर्घादिमां कमात्० ग० व० विः मुक्तामहीसूनु० स्वरुनरुनका विधु०॥ २० ॥ वृ० धा० वृ० रु० स्यति० श्रुति
 दिग्गामीमात्तु० ग० ग० ॥ न० वा० व० ० पु० वी० का० वामन० क० म० दा० अ० न०॥ २१ ॥ पू० ध० द० रु० सा० व० रो० म० सु० पु० नी० क० श्रुतिदिग्ग
 जा०॥ क० रि० धा० उ० म० क० पि० ला० पि० रु० ला० न० प० मा० क० मा० ॥ २२ ॥ ता० मु० पु० नी० रु० रु० द० नी० चा० रु० ना० वा० अ० ना० व० नी० ॥ क्री० वं० ॥ य० र्य० त्व
 पदिर्गदि० आ० म० ॥ वि० दि० क० मि० र्या०॥ २३ ॥ अ० रु० रु० वं० त्व० रु० ना० लं० च० क० वा० ल० रु० म० तु० लं०॥ अं० रुं० म० धा० वा० वि० वा० रु० क० न० स्यि० त्व
 वे० ला० रु० क०॥ २४ ॥ धा० ना० ध० ना० ज० लं० ध० व० रु० दि० त्वा० न० वा० वि० दा० म० रु० ॥ घ० न० जी० म० रु० म० दि० व० ज० ल० म० ग० धू० म० या० न० य०॥ २५ ॥

विदिग्गया नाम

असंगया नाम

१ सुपावया नाम

वा३

दिग्दर्शी

३ मन्त्रकथानाम् ॥ ४ अन्तकथानाम् ॥ ११ तन्त्रकथानाम् ॥ २ पर्वकथानाम् ॥ १२ नवग्रहकथानाम् ॥ ३ गुणकथानाम् ॥

कोदन्तिनीमघमालाप्रियमघरुवश्चक्रियं ॥ स्तनितंगर्जितंमघनिर्घोषवसितादिव ॥ २७ ॥ मीमांसकदाजादिन्ये
वावत् ॥ २८ ॥ कति सोदा मिनी विद्युच्चलाचपलाञ्जयि ॥ २९ ॥ स्तुर्जध्वजनिर्घोषमघशान्तिविच
मद ॥ ३० ॥ अयुधंमकधनस्तदवजरादिनं ॥ ३१ ॥ दृष्टिर्वर्षाद्विद्यारवगुहावगुहोसमो ॥ धानासंघातजा ॥ ३२
साव ॥ मीकयाम्कदा ॥ ३३ ॥ वर्षायंलसुकलकाभघञ्जिद्विदिनं ॥ अकदायवधापैसित्वकश्चि
पवाचसं ॥ १०० ॥ अपिधानतिवाधानपिधानाद्यदनानिव ॥ हिमोद्युधुमाचयुद्ध ॥ १०१ ॥

मन्त्रकथानाम् १

२ कथनकथानाम्

अन्तकथानाम् २

३ वृष्टिकथानाम् ॥ २ चन्द्रकथानाम् ॥ ३ उग्रमित्रकथानाम् ॥ ४ चक्रकथानाम् ॥ ५ कथाकथानाम् ॥

विधुःसंधांशुःशुशुभोषधी ॥ नानिमायति ॥ अकाजवाक ॥ १०२ ॥ विजयाजःमम
ध्यानकृष्णःकथाकव ॥ केलाउषा ॥ १०३ ॥ विन्मसुमदुर्लक्षिण ॥ १०४ ॥ कलंकांकोला ॥ १०५ ॥ सुखमापवमा ॥ १०६ ॥ पातयंदिमिका ॥ १०७ ॥

१ (अकथानाम्)

१ चापकथानाम्

२ (मोलाकथानाम्)

३ कलंकथानाम् ॥ ४

१ विकथानाम् १

१ न गति या नाम २

१ गीत या नाम

२ न गति या नाम

३३

दिग्दर्शन

उवाचः गीतः गीतः गीतः सफा न्यतिङ्का ॥ १०८ ॥ ध्रुवो जलानपादिः स्यादगस्त्यः कुरु स कुरु ॥ १०९ ॥ मेषा वनसि वस्य वला
 पा मृडा सधर्मिणी ॥ न कुरु मरुतं नाना नाना काय इवास्तुयी ॥ ११० ॥ दाना य (ध) शिनी त्यादि का वा अश्व मृ ग शिनी ॥
 बाधा विभाखा पृथु सिद्धि तिष्ठो सुविष्टया ॥ १११ ॥ समाध निष्ठा स्यः शष्ट पद राड पदा स्त्रियो ॥ मृ ग गीत मृ ग शिनी १०
 ला कस्मिन्न वा शराय ही ॥ ११२ ॥ स्वला कस्मिन्न वा द (म) ता न का निव स नियाः ॥ दुरु स्य तिः सजा वा र्था गी श्य ति र्ही ॥
 ष (म) गु नु ॥ ११३ ॥ जीव अजि न स वा च स्य ति शि र्ही ख लि उ ॥ गु का दे स्य गु नु ॥ का य उ स ना रा ग्ने व ॥ क विः ॥ ११४ ॥

न कुरु या नाम २

१ दुरु स्य ति या नाम

२ स्वला या नाम

१ गु क या नाम १

२ वा रु या नाम

१ अंश या नाम

१ वृ ध या नाम

१ नी च व या नाम १

४५ अंश या कुरु आ रो मा ला रिता ॥ म ही मृ ग ॥ बो दि (म) था वृ ध ॥ सो म्य ॥ स मो (म) वि भाने च यो ॥ ११५ ॥ त म सु या रुः
 स्वर्त नः स हि क या वि ध नु द ॥ स फ र्प या म वी च नि मृ खा शि र्ही ख लि न ॥ ११६ ॥ म वी च र्थ मि ला च व व मि श्र ता
 रु स क था ॥ वा स्मी क च रु गु (म) व स फ र्प न स प य ॥ ११७ ॥ ना गी ना म द या ल ग्नं क रु म ष वृ षा द य ॥ म ष वृ षो
 मि ध नै च क र्क ट सिं ह क न्य काः ॥ रु स वि च्छ ध नू र्म क ॥ क रु मी न ति षा द म ॥ ११८ ॥ मृ च ॥ सूर्या र्थ मा दि त्य षा द म र्मा दि
 वा क ॥ रा म्क वा रु क्क वा उ ध्र प ता क व वि रा क वा ॥ ११९ ॥ रा म्ब दि र स्व स फा च रु चि द (म) व स य ॥ वि क रु ॥

३ स क म पि या नाम २ न य या नाम २

दिग्दर्श

नार्कसारुमुमिदिनात्रयप्रपद्य ॥ १२० ॥ यमसिस्तुतिर्मिष्टश्चिरुतानुविवाचन ॥ विरावसुर्गदपतिस्त्रिषीपतिव
 हर्षति ॥ १२१ ॥ रातर्हससदसुमुक्तपनःसवितात्रवि ॥ कर्मसात्रीजगच्चक्रवर्तुमालीकपीतन ॥ १२२ ॥
 पुथाकनादिनमतिःखयाला लोकवांधव ॥ माथवःपिंगवाद्युश्वशुंसाःपाविपाश्विका ॥ १२३ ॥ सुवःसुगावः
 (स)नूचुःकाग्धपिर्गवृजगजशोपविषसुपविधिब्रूयसूर्यकमलुल ॥ १२४ ॥ दिवः(स)प्रमयूवीशुर्गलक्तिर्हः
 दि।धृष्टयः॥ रानूःकनामवीचिमुपूतथादीधितिस्त्रिया ॥ १२५ ॥ सूरःपरावृष्टविल्लिहाराश्ववियुतिदीफयः ॥

११

२ सावधीयानाम

१ निराजयानाम

१ नजयानाम

२ उंदाकयानाम

१ नजयानाम

२ वरकायानाम

१ रक्तिकयानाम

नाकंजाकया १

३ तिथिया
नाम

वाविः(स)विमूरुकीवपुका(स)याकआरुय ॥ १२६ ॥ कार्ककवासेमद्यासंकरसंनिषुतद्विर्गीमीतीक्रीखर्वतव
 लुग।रुष्टामनीविका ॥ १२७ ॥ ॐतिदिग्दर्शः ॥ ॐ ॥ कालादिष्टाप्यनहोपिसमयाप्यथयक्रतिः ॥ युतिघटःसुम
 त्वतदायास्तिथयादया ॥ १२८ ॥ यआदिनारुतिवारुकीवदिवसवासो ॥ पुरुषारुमूर्खकल्पसूखःपुरुषसीः
 अपि ॥ १२९ ॥ परातर्कदिनानुसार्चसंध्यापिरूपसु ॥ पाद्रापवाक्रमध्याक्रास्तिसेधमथसर्ववी ॥ १३० ॥
 निमानिभीथिनीनातिस्त्रियामाकदाकपा ॥ विरावनीरुमस्त्रिभोवजनीयामिनीरमी ॥ १३१ ॥ नमिथानामसीना

२ उंथयानाम

२ संध्याकानयानाम

क्रिनसयानाम

३ नाकसयानाम

३ उंसंध्यायानाम

१ गलचां ५१६ या

[illegible]

१ मृगावासीयानां २ प्रक्रियानाम् ३ उपडवयानाम् ४ पृष्वकधाय ५ ग्रहर्षादयानाम्

२ पशुनाम २ कृषक १ कलायानाम १ कलयानाम १ मरुतया १ वक्तिविदि १
१ कलायानाम १ कलयानाम १ मरुतया १ वक्तिविदि १
२ निपशुनामासधाय १

[illegible]

वाजकिजमि
रुजयानाम॥२॥

३ अरु ५ अयत २
काय २

धिनायानाम १ पायना ३ अयतनिशुवि ॥१४३॥
नदक्रिहव

१ विगनायानाम

92
ml

शमरत्न
कोश
कोष

१ प्रवक्ष्यामि

२ वाहिण्या नाम

कुचेलिकामधुर्वेमाधमाधवाजा। धांयक्षुक्रः शुचिस्त्वयं॥ १४४॥ आषाढं भावगुरुस्यात्र सा प्रावहिकश्चमः॥
सूत्ररस्यपोष्टपदराडराडपदः समाः॥ १४५॥ म्यादाश्विनः पापशुद्धिः पितृकृतकार्तिकः॥ वारुलाजीः
कार्तिकिकरुमन्त्रमिनिशक्तिर्या॥ १४६॥ वसन्तपूष्यसमयः सवतिशुभः उष्यकः॥ निदाद्युक्तायगमउष्टुष्ट्या १३
गमस्तयः॥ १४७॥ म्रियापाठः म्रियास्तुवर्षाज्ज्थान्नम्रिया॥ षष्ठ्यासप्तमः पूसिमागर्जादीनीयत्नेः कमा
॥ १४८॥ सैवस्त्यावस्त्यावाहायनाम्नीभवत्तमा॥ मासस्त्यादहावागैयेणावर्षेष्टदेवतः॥ १४९॥ देवयूः

यत्किं कया वर्ष मास

१ कल्पश्यामाय

गमरुमुद्वुमकस्योतुनोत्सर्गं॥मचकद्वेदुदिवानीयुगनामकसफति॥१५०॥सुन्दरुपलयःकस्यःकयःकद
ल्याकःकपि॥अमुप्यकःपमान्याप्याप्यार्पकिस्विषकसर्प॥१५१॥कलर्षदृजिनैनाघमहाइविनइकृत्॥स्या
द्वर्ममक्तियौपूर्व्ययसीसूक्तंदृष॥१५२॥मृत्पिनिःपमदारुषःपमोदाभादसम्पदा॥स्यादानन्दःथानन्दः
भामहातसुखानिच॥१५३॥सुःप्रयसंमिर्वरुडंकन्यातेमङ्गलंरुत्॥सावुकंरुविकंरुव्यंकंमलंक्रममक्तियौ॥१५४॥
मर्कचाथविषुडथपापंपृथसुखादिच॥मनल्लिकामनल्लिकापकाउमृघनसजो॥पमसुवाचकान्यमृन्मयः॥

२१ मलया नाम.

हसदा १०२८००
कलि ४३२०००

१०२८००० शुभाभागा १२६५००० का ८३४०००

कालवर्ग
धिवर्ग

१ प्रमलवचनभाषा

२ स्वरावधानाम् रागध्यानानाम्

३ विदुषयानाम्

१ काव्ययानाम्

वराविधिः ॥ १५५ ॥ देवदिष्टरागधर्यराग्यस्त्रीनियतिविधिः ॥ रुद्रार्कावर्तवीजनिदानादिकावर्तः ॥ १५६ ॥
कैवल्यशास्त्रापूर्वप्रधानपुरुतिस्त्रिधा ॥ विभागः काविकावद्यागुणः सत्त्वजस्रमः ॥ १५७ ॥ जनर्जननजन्मा
निजनिवृत्त्यहिवरुवः ॥ पाशीउचननाजन्मीजहुजन्मनीविद्यः ॥ १५८ ॥ जातिजोतः सामान्ययकिस्त्रुप ॥ १५९ ॥
गात्मिका ॥ विरुंउचनारुदयस्वार्नरुत्मानसंमनः ॥ १६० ॥ इति कावर्गः ॥ १६१ ॥ बुद्धिर्मनीषाधिषमा
धापुलासमुखीमतिः ॥ प्रकापसचिचिस्त्रिवित्यतिपत्तुरुफिचनना ॥ १६२ ॥ धीर्द्विषयवनीमधार्मिकन्यः ॥ १६३ ॥
२ विदुषयानाम् ३ उत्पत्तिरुडयानाम् ४ विदुषयानाम् ५ जालीजायसप्रयानाम् ६ बुद्धियानाम्

२ सनससंदरुयानाम् ३ निश्चययानाम् १ विवाचयानाम्

२ रुचकयानाम् ३ मूकियानाम्

र्ममानसं ॥ विरुतागामनस्कावधर्मासंख्याविवाचनः ॥ १६४ ॥ अध्यासवस्तुकेडरुविचिकित्सादुर्मसंयः ॥ संद
रुहापयोचोथसमो निर्नयनिथयो ॥ १६५ ॥ मिथ्याहृदिनास्तिकतावापादाडादुचिकर्तः ॥ सभो सिद्धानवादानो
जानिर्मिथ्यामतिरुमः ॥ १६६ ॥ सविदागुः पतिज्ञाननियमाश्रयसंयवा ॥ अजीकावायुपगमः पतिश्रवसमा
धयः ॥ १६७ ॥ माकधीज्ञानमन्यरुविज्ञानमित्यगामुया ॥ मूकिः कवल्यनिर्वातः ययानिः ॥ ययसादुर्मः ॥ १६८ ॥
माक्रायवर्गोथाज्ञानमविद्यादुमतिस्त्रिधा ॥ १६९ ॥ धीवर्गः ॥ १७० ॥ पूर्णमदागध्वसस्यर्गवविषयाजमी ॥ गववाधु
२ उतिज्ञयानाम् ३ अज्ञानयानाम् ४ अहंकारयानाम् ५ नानाज्ञानया ६ पंचः ७ बुद्धियानाम्

१ काश्यपार्थयानाम् २ वचनयानाम् ३ साक्यवार्थयानाम्

सर्ग

हविर्तेनीतयेतास्यात् (श्रुती) म्भतामिताचसा ॥ नीलेववसुवानाग्निनीलीषाहीनिबोधो ॥ १५० ॥ वाक्कीदुगावती
 राषागीर्वाम्भतीसत्रस्वती ॥ व्याह्वयउकिर्लपिर्नसाचिर्नवचर्नवच ॥ १५१ ॥ अपर्जुभायददस्यान्मृगदसु
 वाचक ॥ तिष्ठसुवचनयावार्कक्रियावाकावकाचिना ॥ १५२ ॥ अतिःशुबदद्यान्नायसुयीधर्मसुगदिधिः ॥ १५३ ॥ भिक्काकस्यावाकवर्तनिवृकाशुदकातिषः ॥ भिक्कादिशुभयः
 याम्भामयशुषीः इतिवदसुयसुयी ॥ १५४ ॥ भिक्काकस्यावाकवर्तनिवृकाशुदकातिषः ॥ भिक्कादिशुभयः
 मीकाजपुतवोसमी ॥ १५५ ॥ इतिहासः पूजाकुरुमदाहायासुयः स्ववा ॥ आवीक्रिदीदुनीतिरुर्कविद्याः

१५

१ अंकावयानाम् २ वदयानाम् ३ भासुवचनयानाम् ४ स्वयंयानाम् ५ पदभासुवचनयानाम्

३ नाजाकथायानाम्

१ अर्थसिद्धयानाम् ३ समस्यायानाम्

१ प्रवालयानाम्

५ सननगु
 यानाम्

थमासुया ॥ १५६ ॥ आख्यायिकापल्लवार्थः पूजादीयंचलकृती ॥ सग्रेष्वपतिसर्गश्चर्व ॥ ममवचनवाचिच ॥ १५७ ॥
 वंभानुवचर्नवतिपूजादीयंचलकृती ॥ पर्वधकल्पनाकथापवक्रिकापदसिका ॥ स्मृतिरुधर्मसंहितासमाह
 तिरुसंशुद्धः ॥ १५८ ॥ समस्यादुसमासार्थः किंवदन्तिजनश्रुतिः ॥ वारोपकृतिरुत्तराकउदकस्यादथाकथ्यः ॥ १५९ ॥
 आख्याकज्जुहिधानंनचनामधेयंचनामव ॥ कृतिवाकावसाकानं संहतिर्वहतिः कृता ॥ १६० ॥ विवादाववरा
 यः स्यादपन्नामसुवाचुर्वी ॥ उपात्यात उदाहृतः सपनंमपयः पूमान् ॥ १६१ ॥ पन्नानूयागपृच्छपतिवाक्का

१ स्वाप्रवयानाम् २ नामकायागतिवचनयानाम् ३ रुचकवयानाम् ४ अयानंनचनयानाम् ५ अंकावयानाम्

हर्ग

१ कटाखयानाम् २ कौटुयानाम् १ मिथ्याखयानाम् २ वाचंवाचकाखयानाम् १ अतिवचनयानाम्
३ रुय (आकर्वयानाम्)

रुयममममिथ्याक्रिया (गारुखयानाम्) मिथ्याक्रियासमर्पणं ॥ १२२ ॥ अरिमापपुष्पादसुमहस्यादनुवागजः ॥ यमः
कीर्तिः समस्तवस्तुवस्तुनूतिस्तुतिः ॥ १२३ ॥ आमुक्तिर्दिक्षिन्नुक्तमृष्यैष्टुष्टुधोषसाः ॥ काकक्रियाविकावाः
यः (आकलोपादिनिर्घनः) ॥ १२४ ॥ अवर्धकपनिर्वादापविद्यादापवादवत् ॥ उपका (आशुगुप्ताचक्रानिन्दाव ११
गर्ह (ह) ॥ १२५ ॥ पापुष्यममिवाहस्यागुत्सर्नत्वपकावगी ॥ यस्तनिन्दे मयात्मकसुखं स्यात्पवित्रवरी ॥ १२६ ॥
तनुत्वाक्रावत्तयस्यादाका (आमे) धर्तुपति ॥ स्यादाताषटमात्राप ॥ पुत्तापानार्थकवच ॥ १२७ ॥ अनूलापामरु

१ भवनिन्दायाहाखयानाम् १ हासिखयानाम् २ वाचविद्याखयानाम् १ अनर्थमहिम्नः २ कजगदखयानाम्

२ धावखयानाम् १ रक्षायखयानाम् १ तमखयानाम् २ १ वाकखयानाम् १ रिदखयानाम् १ जमंगव १ वचन २
२ दखयानाम्

लोषाविलापपविदवर्नं विपलायाविद्या (आकिं) सीलापाताषटीमिथः ॥ १२८ ॥ सपुलापसवचनमपलापसु
निद्रव ॥ सन्दमवाचविकीस्याहा (रुंदासु) प्रिष्टरुय ॥ १२९ ॥ पतीवागकन्याती स्यात्कन्यालेगुरात्मिका ॥ अरु
र्थमध्वर्त्तनीत्वं संगर्तहृदयंगम ॥ १३० ॥ निष्टर्पपचूर्णअम्यत्वं शीर्णसुर्तपिय ॥ सत्यधर्तकलक्षिष्टपचयर्त्त
पचाह ॥ १३१ ॥ लफवर्धुपदगुर्तनिवर्त्तत्वदिनादिर्त्त ॥ अम्लरुर्त्तमनिष्टीवमवर्द्धस्यादनर्थक ॥ १३२ ॥
अनक्रवमवाच्यस्याहृत्तुमपार्थक्य ॥ अथक्षिष्टमविष्टर्त्तवितर्त्तत्वर्त्तवच ॥ १३३ ॥ सत्यं तथा मर्त्तम

१ पिश्चाहाखयानाम् ३ विरुवर्त्तयशयानाम् १ सामाजिकखयानाम् १ रुमखयानाम् १ सौख्यकखयानाम्

१ मध्यानाम

१ सत्यानाम

२ कानामध्यानाम

३ वीक्षयागध्यानाम

सर्ग

मगसुनिष्ठिप्रवृत्तिः॥ मध्यानिनादतिनदधनिध्वानववः॥ २०४ ॥ स्माननिर्घोषनिर्झादनादनिस्वाननि
 स्वना॥ ज्ञानवाचावर्मावविनावाक्यमर्म॥ २०५ ॥ स्वनिर्गवस्तुपुर्णमरुषसनीरुसिजिर्ण॥ निष्का(म
 निकटः॥ कातः॥ कतः॥ कतनमित्यपि॥ २०६ ॥ वीक्षयाः॥ कतिर्णपादः॥ प्रकातः॥ प्रकाशदयः॥ कोलाहलः॥ कलक १८
 लक्ष्मिप्रदीपवातिर्णवर्ण॥ २०७ ॥ श्रेष्ठिप्रवृत्तिध्वाननीर्णगानमिममम॥ निष्पादपरुगोध्वानपञ्चमध्वमधे
 वना॥ २०८ ॥ पञ्चमध्वमीसफतलीकं॥ श्रुतिनाः॥ स्ववाः॥ पञ्चमयूजाकुवर्णमवस्तुपरातापिशः॥ २०९ ॥

१ कलकध्यानाम

२ निष्पादपरुगोध्वानध्यानाम

३ मरुषसनीरुध्यानाम

कल्याणस्व
सायास्व॥ ५

१ वीक्षनजायप्रस्वर्णनायानाम

१ काकिचयास

१ कववायास

१ स्रुयास

१ किमियास

१ यकलन

ज्जाविकर्णुगन्धार्वाकाः॥ कततिमध्वमं॥ धेवनं॥ कविर्णवाजिनिष्पादं॥ दहनगजः॥ २१० ॥ पूषसाधव(लकालपि
 कः॥ कतिपयमं॥ नामाकः॥ मूत्रकालजिह्वादकाथपञ्चकी॥ २११ ॥ काकलीकुलमूत्रध्वनोऽसध्वनासूटः॥ क
 लामदस्तुगन्धार्वाकाः॥ एवेमुयमिषु॥ २१२ ॥ समवितलनयत्वकालावीगाउवन्नकी॥ विषयशीसारुगन्धीति
 सफलिः॥ पविवाहिनी॥ २१३ ॥ तटवीगादिकं॥ वायमानं॥ मूत्रजादिकं॥ वंशोदिकं॥ कुशुविर्णकोस्यतालादिकं॥ घनी
 ॥ २१४ ॥ चतुर्विधमिदं॥ वायं॥ वादिगातायनामकी॥ मूत्रमूत्रजातं॥ दादं॥ कालिं॥ गार्धकासुयः॥ २१५ ॥ स्यायगः॥ प

दि२

१ वीक्षयानाम

१ गन्धीवस्व

१ मरुषसनीक

१ विंनयानाम

१ पञ्चपादकायध्यानाम

५ मरुष
कोप
नक
सेलो
मार्ग
०५

वर्ग १ पद्मयानाम १ रुद्रयानाम १ नाथखिंयानाम १ कंकुबाय १ वीरयानाम

[illegible]

१ नाना वा यमानासः

१ आखं क्रयानाम् २ आखं क्रयानाम्

१. बाणीयानाम्

१ वाङ्मयानाम्

१ नागायनाम.

१ राजकन्यायाम्

[illegible]

२ सविष्टिं सवर्णया नाम.

१ श्रुतकथा नाम

३ आजायानाकह॥

२ क्रमनक्यानाम.

सर्ग

१ कनकवसन ३

२ नववसनयानाम १ नवनाटकवसनयानाम

३ जडवसन ३

स्यकनकाप्रोदंतीमंरुयानकी। वीरुत्सादुतमाकाश्चनवनाययसास्यता ॥ २२० ॥ गृह्णन्वीरकनकादुतहातया
 नकाः। वीरुत्साप्रोदंतीमंरुयानकी। गृह्णन्वीरकनकादुतहातया ॥ २२१ ॥ उत्साहवर्द्धनावीर्यकावर्धकनकादुतहातया ॥ रुपादयानू
 कंपास्यादनकाः। गृह्णन्वीरकनकादुतहातया ॥ २२२ ॥ सासाहस्यंवीरुत्साविहृतंलिखितंहर्यं ॥ विस्मयादुतमाश्चर्यंविहृतमं
 पथरुचवै ॥ २२३ ॥ दावर्धनीषतीतीर्षावर्धनीमंरुयानकी। रुच्यंकरुपतिरुच्यंप्रोदंतीमंरुयानकी ॥ २२४ ॥ चतु
 र्दशदशमंतीतीर्षावर्धनीमंरुयानकी ॥ विकाशमानसाहवाववाधक ॥ २२५ ॥ गवर्धनीमानसाहवाववाधक ॥ २२६ ॥

20

१ कनकवसन १ गृह्णन्वीरकनकादुतहातया १ उत्साहवर्द्धनावीर्यकावर्धकनकादुतहातया १ रुपादयानूकंपास्यादनकाः १ सासाहस्यंवीरुत्साविहृतंलिखितंहर्यं १ विस्मयादुतमाश्चर्यंविहृतमं १ पथरुचवै १ दावर्धनीषतीतीर्षावर्धनीमंरुयानकी १ रुच्यंकरुपतिरुच्यंप्रोदंतीमंरुयानकी १ चतुर्दशदशमंतीतीर्षावर्धनीमंरुयानकी १ विकाशमानसाहवाववाधक १ गवर्धनीमानसाहवाववाधक १

१ जडकावयानाम २ नकाशानाम १ आदवमयानाम २ कनकायानाम १ रुतायाद्यानाम

नश्चिरुसमन्वति ॥ अनादवमयानाम १ आदवमयानाम २ कनकायानाम १ रुतायाद्यानाम २
 दोकंजीमुयावीजलजासापशयान्यत ॥ २२७ ॥ कानिस्तितिका लिख्यतुपवर्धविषयस्य ॥ अकानिबीर्षा
 स्यादुदावायापागुलमपि ॥ २२८ ॥ वेवविवाधाविद्वधामन्युमाकोरुमुक्तिया ॥ पश्चात्तापानुतापश्चविप
 तीमावर्धनपि ॥ २२९ ॥ कायकाधामर्षनापप्रतिधावृक्षोक्ति ॥ गुर्वोरुवविकसीलमून्मादधिरुविश
 म ॥ २३० ॥ प्रमानाप्रियताहर्दप्रमत्तहाथकाहर्द ॥ अकानिस्तितिका लिख्यतुपवर्धविषयस्य ॥ २३१ ॥

१ अयनाम २ संतापयानां ३ दाषयानाम १ स्रुयानाम २ काटयानाम ३ विनाधयानाम १ मनावांरुयानाम

१ नातारुष्यानाम मनसकल्यानाम् १

का मा तिला यस्तु यममननलालसा दया ॥ उपाधिर्नाधर्म विना पुंस्याधिर्मो न सीवथा ॥ २४० ॥ त्याद्विनास्मति बाध
नमस्तुल्यलिकमम ॥ उन्नादोध्यवसाय ॥ स्यात्तु सवीर्यमक्तिमकिताक ॥ २४१ ॥ कपटान्दीया जदका पधय ॥ प्रककव
कस्तुतिर्निरुति ॥ अर्थपुमादानवधानता ॥ २४२ ॥ कोरुदल कोरुकेचक्रुकेचक्रुदल ॥ श्रीती विलास विष्वाक विशु २१
माललिग रुथा ॥ रुला लीलसमी हावा ॥ क्रिया ॥ ४ ॥ अत्रावजा ॥ उवकं लिपयी हासा ॥ की जलीलावनमच ॥ २४४ ॥
वाजा पद ॥ ललीवकी जखलावक दर्न ॥ यमो निदा य ॥ स्वद ॥ स्यात्पुलथानष्टवहता ॥ २४५ ॥ अवरुहाका वशुफिः ॥

शुक्र संख्या
॥ ॥

१ अविनाशनाम

३ कषट्यानामः

१ चन्द्रिकाशया

३ कोटकयानामः ख्यातयानामः ३

अध्याय १ शिवायामास

२ असनाकाजजया

१ किञ्चुयानाम

१ विवरुयानाम्

१ विमिश्रं पिनाश्रया.

[illegible]

१ विरुद्धियानाम् ३ कलशशयानाम्

१ प्रशु कया

२. ज्ञाना यानाम

पातामया प्रावृजया २

नाम १

रामिदग

१ मलयानाम

विदुषानाम २

१ यावयानाम

निर्वधनंलाकं न च्युत्तं वयागुषिषां ठाकं वठो रुविस्वसव (धुसुषि व विषु) २ ॥ सन्धकाशमिषी धाकं रमिषी
 किमिदं नमः १ धाकं नमः २ चरमसं की (धवतमसं नमः) ३ ॥ विष्णु कं नमः सीनागा ४ काउवया रुदी धव १ (मषानः
 नावासु किमु सूर्य वाजाथ (मानसः) ४ ॥ तिलिस्म १ म्या दजन वमयु वारु सः सुको ॥ अलनार्थ जलया लः ससावा २२
 जिल उडुको ॥ ५ ॥ मानुधानामा उलादि विर्मका मक कं वरु १ सपे पदा कुरु ज (गा रुज) (गदि रुज) नमः ॥ ७ ॥
 आमी विषा विषध वधकी वा उ १ सजी सुप १ कुरुली गूठ पा चरु १ शवा १ का का दव १ रुधी ॥ ७ ॥ दवी कवा दी घ पछा

२ नागयानाम

३ नागवाजायानाम

२ विषयानाम

२ विषयानाम

१ सपयानाम

धतगा २ विषयानाम ३

१ नागरुसायानाम

ददुका विलमय १ उवन १ यत्र (गा गा जी जि मग १ यवना नमः) ६ ॥ विष्णु रुयी विषाद्या दि सु गयी उरुसा दया १ ॥
 समो कं वरु निमो को कं उ सुग वल विषी १ ॥ पं सि जी वरु का काल १ काल रु १ रु ला रु ल १ सो वा धि क १ मो लि
 कया वरु पू १ पदी पन १ १० ॥ दानदा वरु नारु य विष रु दार्मी नव १ विष वधा जी गु लिका व्याल गका दि रु डि
 क १ ११ ॥ म्यात्रा वरु सुन वका नित्रया इर्ग कि मिषी ॥ रु रु दा रु पना वी विमरु बो वव बो ववा १ १२ ॥ संधा क १ का
 ल रु ग (के ला याः सत्वा रु ना वका १ प्रता वेत वती सि भू १ म्या दल की मु निरु ति १ १३ ॥ विष्टि वा श १ का प्रता रु या र ना

१ समायरु क वेयानाम

१ नागाजातिनवक

२ नवकयानाम

१ वेतवती नदीयानाम

रुमि

३ समुद्रया नाम

१ वज्रकदम्बनाम

गीवदना॥पीजावाधावथाइखममानस्यपुस्तुकिर्ज॥ १४ ॥स्यत्कष्टंरुक्मारीवैजिषवीरुयगामिय॥समडा
षिवरुपाव॥पावावाव॥सवित्यति॥ १५ ॥उदवानुदधि॥सिधु॥सवस्वान्तागयार्तुव॥वत्ताकवाजलनिधि॥
योद॥पतिवर्षीपति॥ १६ ॥तस्यपुष्टदात्रीआदालवलोदरुधय॥लवलोदरु॥सजागर्दिदधि॥गुधजलामं॥ २३
या॥ १७ ॥आपमुखमिवावीनीमलिलंकमर्जुल॥यय॥कीलालममर्तजीवनैशुवनैवनी॥ १८ ॥कर्वधम
दकीपाथ॥पूकर्वसर्वतामख॥अकारुकायपातीयनीचकीवाम्बसम्ब॥ १९ ॥मघपूर्यघनवसेजिष्वआण

३ सफसागवनाम

१ लेखयानाम

१ आभकलेखया

३ रूपाधिनायानाम

२ संवहाटककया

१ गजंगयानाम

२ कुलकाजयानां

१ लेखयागदयानाम

समय॥रुगसुवज्जुर्मिर्वाभियावीचिवाथमिषू॥ २० ॥मरुत्सालकज्ञालोसादावर्त्तुसामुम॥एषकिविउच
सगा॥पूमांसाविस्तुष॥मिय॥ २१ ॥वजासिपटरुदा॥स्यर्जुमायजलनिर्गमा॥कुलेवाधयतीवंपुतीवंपुनट
ति॥ २२ ॥पावावावपवावीवीतीवपाहुतदकर्व॥दीपाभियामकवीयैयदकर्वविहकट॥ २३ ॥नाया
हितंगत्युलिनेसेकटमिकदामय॥निषद्वलकुर्जवाल॥पंकीमादकदमो॥ २४ ॥जलाकासायवीवाहा॥
कूपकालुविदावका॥नावीकिसिर्जोतार्याभियामकवसिहवि॥ २५ ॥उडपंडुप्रव॥कालसातामूसवहीस्वत॥

वयाह२

वंग

१ हिसवयानाम

दथयानाम

१ रतवया

३ हिसवयानाम

कीका ३

२ दग्धयात्रा नाम

दग्धयात्रा नाम १

वर्ग २

१ दग्धयात्रा नाम

रुमि

आनन्दसुखं पदं स्याद्विहीनं ॥ २७ ॥ सांयानिकं ध्यातव्यं हि कर्तुं ध्यातुं नाविकं ॥ नियामका ध्यातवा
 दाहकृयका गुणवृत्तक ॥ २८ ॥ नोकादुःखं कपीसी स्यादविर्गुं कनिषातकं ॥ अजिह्वं कौशिकं दण्डं मकपादं कुम्भ
 वनं ॥ २९ ॥ यानपादं दुषाता चित्तवत्सामुद्रियं विषु ॥ सामुद्रिका मनुष्या जिज्ञासा दोषोऽसमुद्रिका ॥ ३० ॥
 श्रीवर्द्धना वनावाद्धं नीतनो कनिषु विषु ॥ विषागमधामुपसन्ना हृकलुखानश्चुआविल ॥ ३१ ॥ निर्मगं किञ्चि
 गम्भीरं मूलान्नं विषयं य ॥ अगमधमलस्यर्गं केवलं दामध्यावयो ॥ ३२ ॥ आनायः पूर्णं सिजालं स्याच्च न सूर्यः

२४
ली

१ नागा उया

१ थथा कया

२ नावया नाम

१ थथामरुया नाम

२ संवया नाम

३ गमउतजाय
रुपप्रया नाम

१ जानया नाम

या ३

१ जानया नाम

१ जानया नाम

१ जानया नाम

पवित्रं कीर्णं मत्स्याधानी कवही स्यात्तु वडिर्न मत्स्यवधनं ॥ ३२ ॥ पृथ्वीमा मध्या मत्स्यामी नावमा विष्वा तु जहा विमलं लक्ष्म क
 लीवाथ गउक ॥ ३३ ॥ मरुमुदं द्रुपाठी नडलू पीमिमु कसमौ ॥ नलसीतथि सिधिम ॥ पाही कुसकुली
 दया ॥ ३४ ॥ शजलु मत्स्यसंका गपाता धनमता मषा ॥ बाहिना मरुव ॥ लावाडी व ॥ मरुलक्ष्मि मि ॥ ३५ ॥ किमि
 जिलादयश्चाथयादां सिजलजकव ॥ गदामिमुमा आडमं कवाम कवा दय ॥ ३६ ॥ स्यात्कलीन ॥ कर्कटक ॥ कर्मकर्म
 थककयो ॥ अरुवलावान कसु कमी बाथमही लता ॥ ३७ ॥ गंधूयद ॥ किं नलूका निरुकाता धिका सम ॥ उया (मे) ध

कसति
या नाम

३ निषया नाम

१ उरुया नाम
३ जानया नाम

१ जानया नाम

१ दसविया नाम

२ नीलया नाम ।

१ कयलया नामः

संक्षिप्तानामः २

१ व्या या नामः

१ मूढिष्यानाम

हमि

[illegible]

१ दह्यां तामः

१. अंगल

३ साव्याहयाना न.

१॥ अं पिशा नाम ।

३ संविद्यानामः

४ व्याहयानामः

१५ वषष्टि २ कुंधियानाम

१ पृष्ठानियानाम

१ ध्वज्या नामः

१ अपिंयानाम्

शिवसिद्धान्तः

१ खान यानाम

लीकासात्र१सत्रसीसत्र१॥ ४४ ॥ वेगन१पत्तल१शल्पस१वापीउदीर्घिका॥ खयसुप्रविषाधावत्वेरसीयउधवर्त्त
॥ ४५ ॥ स्यादालवालमावालमावाधाधनदीसत्रिक॥ तद्विनीहोवल्लिनीकठिनीऊदिनीधुनी॥ ४६ ॥ आरुस्वगीदीप
वलीउवलीनिम्रगपग१॥ गंगविष्णुपदीऊङ्कननयासूत्रनिम्रग१॥ ४७ ॥ रागीप्रथमिपथगमिआतासीप्रसूत्र
यि॥ कालिदीयूर्यनयायमूनाममनस्वसा॥ ४८ ॥ ववाउनर्मदासांमाऊवामकलकन्यका॥ कजतायातदानीवावा
रुपांसेगवाहिनी॥ ४९ ॥ मितऊङ्कगुणऊ१स्याद्विपासालुविपाट्छ्रिया॥ भा॥ साहिबग्यवाऊ१स्यात्कल्यान्यारुहि

३ रागो ३ थीया मा. १ नदीयानामः

१५ मूनायानाम्

३ गंगाश्यामः

१ पर्वानदीयानामः

五

१ दिगम्बरशिवनामः

३ उदङ्गस्वाननाम

२ कस्तूरवर्षा

१ धर्मगंगासागरनामः

रुमि

मासवित्तं ॥ ५० ॥ गन्धावतीवज्ज्वलीवदुग्धाभासप्रसवनी ॥ कावचीमविता न्यायमकदंशसिन्धुसङ्गमं ॥ ५१ ॥
 दयाऽपुनोपयसऽपदवीं तु तिरुल्लय ॥ पद्मीकायी सवेद्याच्छ्रवदाविकसाववी ॥ ५२ ॥ मोक्षचिह्नककुक्ष्यावद्वन्द्व
 कीचकसीधक ॥ स्यादित्यलं कवलयमथनीलाम्बुजमयं ॥ ५३ ॥ शृङ्गीवचकेनीलसिन्धुसङ्गमकदंशव ॥ गालकमर्षी
 कदंशस्यादालिपत्तुल्लुकिका ॥ ५४ ॥ जलनीलोत्तुलोवाली जेवलाथकमूदनी ॥ कसुदिन्यां न सिन्धुविमिती
 यमिनीसूखा ॥ ५५ ॥ वापीसिपरीनलिनमवविन्दमहास्यली ॥ सरमुपर्णकमर्षीगतपर्णकसंगय ॥ ५६ ॥

२५

१ पल्लववननामः

२ पतिनाहयानामः ली२

२ पतिनाहयानामः

३ उदङ्गस्वाननामः
१ पल्लववननामः

कादपः २

३ पल्लववननामः

उदङ्गस्वाननामः

१ पल्लववननामः

२ पतिनाहयानामः

३ उदङ्गस्वाननामः

पंकजदंतामचरीसात्रसंभवसीवृद्ध ॥ विमपुस्तनजाजीवपूषांतावृद्धनिव ॥ ५७ ॥ पुरुषीकसिगाफाजमथवकस
 वावृद्ध ॥ त्रकोत्पलकाकनदनालानालमथाक्रिया ॥ ५८ ॥ मृत्तलविममजादिकदंशखलुसक्रिया ॥ कवलाग
 मिरुकदंशकिंजल्ककमथाक्रिया ॥ ५९ ॥ समल्लिकानवदलीवीजकाघाववाटक ॥ उकीस्वर्गमदिक्तासधीगदा
 दिमनाद्यक ॥ पातासलीनीनवकवाविषाक्षसङ्ग ॥ ६० ॥ सप्तमवसिहृत्तोस्वनादिकागुपथम ॥ ६१ ॥
 शृङ्गीपृथ्वीप्रवक्ताखलुषधिमृगदिशि ॥ नुवक्तावृद्धविहृदमाक्षपाकेविहादिगा ॥ १ ॥ शृङ्गीमिववयानका

ॐ

३ पल्लववननामः

२७

रुमि

३ जाजातयानामः

२ थरिपुथिवीयानामः

१ ककुंयानामः ३

३ लेखमरुंयानामः

पसाविथमरुवाहिया ॥ धवाधविगीधवतीकालीकाकाधपीकिति ॥ १ ॥ सर्वसहावसमनीवम (धवाधवमधवा ॥ गणपा ४
 कः पथिवीएधवावनिर्मदिनीमही ॥ २ ॥ मन्मुरिकापमस्ताउमस्तामस्तामरिका ॥ उर्वयासर्वसम्याद्यास्याइष ४ का
 वमरिका ॥ ४ ॥ उषवान्पमोदावपनयलि (मेल्लसंमली ॥ समानोमनुधनानोदखिलापदनसम ॥ ५ ॥ विष्ट (धज २१
 गतीलाकः पिष्टपुवनंजगत् ॥ लाकार्यतावर्गवर्षभवावण्यासुयाश्च ४ ॥ ६ ॥ दमः पायदक्रि ४ पायाउदीच ४ पथिः
 मारुच ४ ॥ पयकासुच ४ दमः ४ म्यास्मधदमसुमधम ४ ॥ ७ ॥ अर्यावर्क ४ पृथरुमिर्मध्वं विंधादिमालया ४ ॥ नीचऊनपदा

१ दमयानामः

१ मधसयानामः

१ उवनयानामः

१ पृथरुमियानामः

३ खपवाजपाइथासः दमयानामः १

घाचः रुतसरासः २

कसपातइथासयानामः १

वातिसिइथासः

दमविषयोसुचवर्कनी ॥ ८ ॥ निष्ठा (गच्छीनउपायनघानेधलधूपि ॥ कमुदाकमुदपायधगस्याचरुवगस ॥ ९ ॥
 गादस ४ गादरुचिगसज्जवालरुचिकिस १ ॥ जलपायमनूपम्यास्यं सिकरुसुधाविध ४ ॥ १० ॥ मृषाकनामकविस ४
 मारुच ४ मारुवावति ४ ॥ दमः उवादिमाधवमूनया ४ सिकतावति ॥ ११ ॥ दमः नयम्वरुछीवूसम्यन्नवीदिपातिग ४
 स्यान्नदीमारुकादवमारुकथयथाकर्म ॥ १२ ॥ सुवाहिध (मयाऊचानस्यारुनायगवाजवान् ॥ गच्छी (गच्छान
 कतरु (गच्छीनरुगपूर्वक ॥ १३ ॥ पर्यक ४ पविस ४ मउवालोमियापूमान् ॥ वामसूचयनाकथवसीकंपन्नपूसक ॥

सुखिद
मयानामः

१ साग्मथयानामः

२ लेखनजाऊकुं

दिसलुंयानामः ३

लेखअपाइथास ४

सपानीनरु
पाइयाना १

नायानामः १

२ जाजाइदमः

जाजमागयानाम४ लिहलंयानाम२ वनांतवयासी३ महिहलंयानाम२ संयानाम१ निक्कयलंया३ २३ वाकयानाम

पूर्वर्ग

॥ १४ ॥ अयनं वर्त्म मार्गधपठानपदवीमृतिः ॥ सत्रलिप्यतिः यथावर्त्मन्यकपदीतिचं ॥ १५ ॥ अतिपन्थाः सूर्य
 नाशसत्यथश्चिनि ॥ यथाइवहाविपथः कदधाकापथः समा ॥ १६ ॥ अपैठास्तपथं तु स्य गृहीतकचतुष्य
 ॥ पाकवैद्वनस्योधाकाकावावर्त्मइर्गमं ॥ १७ ॥ गयतिः मुकागयुगीनस्वक्षिक्कयतुः मर्तं ॥ यं अपथः सैसव २६
 रीतसूत्रस्यापनिष्कयं ॥ १८ ॥ इतिहमिवर्जः ॥ १९ ॥ पूः मुपूचीनगर्थोवापहनं पूरुदनं ॥ स्थानीयं निगमान्य
 कुयन्मूलनगवासूत्र ॥ २० ॥ तद्वाखानगवैव ॥ गवन्मज्जनसमाप्रयः ॥ आपनस्तु निषयायी विपशिः पम्बवीधिः

१ नगवयानाम

वन्मक्रयानाम१

१ वलियांसत्रया

१ अंभयानामः लाहियानाम१ क्रयानाम३ परिषात्रयानामः१ खायानाम१

का ॥ २० ॥ यथाप्रगालीविमिरांस्याच्चयावप्रमक्रियाम् ॥ पाकावावचतः मालः पोचीत्रं पाकयावृतिः ॥ २१ ॥ लिहिः
 मुक्यमरुकीयदं कर्मकीकर्म ॥ गृहं गहादवसितं वन्मसमनिकतर्नं ॥ २२ ॥ निगान्कवस्तुसदनं रवनागत्रमदि
 र्चं ॥ गृहाः पूंसिचरुम्यवनिकार्यनिलयालया ॥ २३ ॥ वासः कृटादयाः मालासगासंयमनीचिदं ॥ चतुः मालं म
 नीनारुपमुगालाट्ठाः क्रियाम् ॥ २४ ॥ वेत्यमायतनं तुल्यं वाडिगालाउमगुना ॥ आवमर्नं सिन्धिमालाप्रपायासीयमालि
 का ॥ २५ ॥ मथश्चुगादिनिलयागज्जुमदिवागृहं ॥ गणगावैवासगृहमविष्टं कृतिकागृहं ॥ २६ ॥ कृदिमाः मु

१ धर्मपात्रः

२ अपिक्रयानाम२

सर्विक्रया१

सत्रगवयानाम२

१ मवाइजक्र

३ मलाक्रयानाम

असक्रः २

श्रीन प्रचयानाम ३

२२

वसि ५२

शिविया त्रखा१

॥ कायानाम २

इम्वयः २

उद्दि. साखाय २

१ गमयादखडा

पर्वतयानाम २ नीचजातियानाम १

अथ पर्वतयानाम २ यानाम ४

॥ ४१ ॥

शैलवर्ग

पर्वतभवनालयः ॥ ३९ ॥ ॥ अतिपूर्वर्गः ॥ ३९ ॥ महीधुमिखविक्रीरुदरायधवपर्वताः ॥ अडि (म) उगि विगु वाचल
मेलमिलान्वयाः ॥ ४० ॥ साकोलाकधकवाउमिकुटलिककृतसमो ॥ अष्टस्वचममकारुइदयः ॥ पूर्वपर्वतः ॥ हिमवा
त्रिष (ध) वि (म) मान्यवान्या विजागकः ॥ सकामलयमेताकः ॥ कलाहाः ॥ सानुमानपि ॥ ४१ ॥ का (म) मधुलकसानुः ॥ ३०
किंठकाउक्त (ध) यवः ॥ गन्धमादनमन्धचरुमकूटादयानगः ॥ ४२ ॥ पाषाणप्रकृवगवाः ॥ पलाभमानः ॥ मिला
दृषत् ॥ कूटांशुमिखचर्मं गीपपाटलुगवाः ॥ ४३ ॥ कटकांशुनिर्गवाडसूः ॥ पृष्ठः ॥ सानुवक्रियो ॥ उत्सः

स्वरानयानाम १

पर्वतशका १

शिवशका १

पर्वताना १

आनयानाम २

सर्वज्वरकाजयानाम १

खानियानाम २

पाकया १

२ पर्वतसुमिया

पुसवर्धवाविपुवाहनिर्जवाः ॥ ४४ ॥ ॥ दन्तीरुकदवावास्तीर्देववागविसगुर्गाः ॥ गकर्लंगधु (म) लासुचुगासु
लायलागिः ॥ ४५ ॥ खनिः ॥ क्रियासाकचः ॥ स्यात्पादाः ॥ पृथक् पर्वताः ॥ उदत्यकाः ॥ वासनाः ॥ मित्रुर्धमधिर्यकाः
॥ ४६ ॥ धातुर्मनः ॥ मित्रायः ॥ गोविक्कुरुवि (म) यतः ॥ सर्वधुः ॥ प्यतासादिरुविगायमनः ॥ सिवाः ॥ ४७ ॥ ॥ नेमि
काजवकासी सलाहसीतासहिगुलाः ॥ गंधकागुकमिण्यायाधगवागिनिर्मरवाः ॥ ४८ ॥ ॥ निरुः ॥ अश्ववाशीव
लगादिपिहिनादयः ॥ १० ॥ ॥ अति (म) लवर्गः ॥ ३९ ॥ ॥ अटव्यवर्धविपिर्नकाननं गहनं वनं ॥ मलाचमवर्धनिः ॥ ३९

गुस्तिरुकाकयनाम १

३ (म) अश्वदीनधातुयाः

१ अश्वदीनधातुयानाम १

वनयानाम १

संक्षेपधर्म

श्रीचर्यानाम १ कव्यानाम

श्रीजायाउज्ज्वल २ वनसमूहया ३ उज्ज्वलनयानाम १

मंजीयाउज्ज्वल १

गृह्यानामास्तु निःकृताः ॥ ११ ॥ अजा नाम १ म्या इ पवनं रुचिर्मे वनमवयत् ॥ अमात्य गदिका गरापवनचक्रवाजिका ॥ १२ ॥
 ॥ प्रमाना जी उ उज्ज्वल न बाहसा धावर्धनं ॥ म्या दतदवपुसदवनमक ४ पूवा विर्त ॥ १३ ॥ वीथ्या सिजा वलि ४ पै कि ४६
 (गुली लखां रुवा जय ४) वन्यावनसमूह म्या दकृवा रिनवा हिंदि ४ ॥ १४ ॥ वृक्षा मदी वृह ४ मखी विट पी पाद पसुः २१
 अनाकरु ४ क ० ४ माल ४ पला मी इ ऊ मा ग मा ४ ॥ १५ ॥ वानस्य ए ४ रु ले ४ पूषा ले व पूषा धनस्य नि ४ ॥ ओषध ४ रु न पा ४
 काका ४ म्या दवध्वः रु न ग हि ॥ १६ ॥ व (ध्व) रु ला व क मी च रु ल वान रु सिन ४ रु सी ॥ प रु ला रु न सी रु ल वा का ष वि

उज्ज्वलसिमा १

सिमायानाम २

सिमासिमा २ रु ल

सिमसडा २

पर्वतजादि जाजाया ३

गुप्तियानाम २

१ खानहा डायानाम

सिमाकचाया २

साचायानाम १

सिमाधायया ३

कवस्त्र ४ ॥ ११ ॥ रु न (ध्व) विकसित म्य व वध्व दय क्षिपू ॥ म्ना नर्वीना धव धी कृ र्ज स्वभाखा गिरुः कृ प ४ ॥ १६ ॥
 उपका (उक्त म्ना गु लो वली रु व क ति र्ज ना ॥ लता पना निनी वी वृ र्णु स्मिथु लय मि प चि ॥ १७ ॥ नमशा बा रु उ कु
 य उ कु ध (ध्व) कु य थ म ४ ॥ अ मी पु का रु १ रु ध ४ म्या म्ना ला रु वा व ध रु वा ४ ॥ १८ ॥ म म भा खा ल रु स्का ध भा खा
 भा ल मि रु ज ट ॥ भा खा मि रु व ना रु ४ म्या म्ना ला वा गुं ग ना न ना ॥ १९ ॥ मि प्रा गुं मि ख र्वा वा म्ना मूलं व (ध्व) हि ना
 म क ४ ॥ सा चा म जा म मो ल क मी व र्क व र्क ल स क्षि र्पा ॥ २० ॥ का र्दवा वी ध न र्क ध रु ध म ध ४ म मि क्षि र्पा ॥ नि रु

वाजाया १

सिमा रु १

कवामचायानाम २

सिंयानाम १

वसुधैव कुटुम्बकम्

कवायानाम२

सिद्धावयानाम१

कलकलया२

सिमाकुवा१

गठरुलयाकलस२

कविमखवि३

रु१काठर्ववानावसुलिम्भसिक्तियो॥ ५३ ॥ पणपलागीकदनीदनीपकुचद१प्रमान॥ पसवालीकिलनयंविक्तावा
 विठपास्तिया॥ ५४ ॥ वक्रादीनीरुसंमस्यंरुसंयसववधनै॥ आसकलसला१स्याकृकवानमरुतिपू॥ ५५
 ॥ कालकाजालकीजीवकसिकाकालक१प्रमान॥ म्यामुचकसुसवक१कमलासकसामिया॥ ५६ ॥ मिय१स
 सनस१पूष्यपुसुनैरुसंमसं॥ मकवद१पूष्यवसःपवाग१समनावज१॥ ५७ ॥ दिहीनै१सवसर्वरुचितका
 दय१मिया॥ आश्वत्थवेनव१ज्ञाकनेय(भा)धेगुदरुल॥ ५८ ॥ वारुतकंरुसजन्वाजन्व१मृजन्वजाचव॥ पूष्य

३२

स्वानयानाम२

रुसम३या१

स्वानयावासनाया२

जमसियानाम१

रुलजाति१

उईववसि३

जसंगतसिमा२

पाठसिमा१

कलवया३

जातिपुरुतय१स्वलिङ्गवीरुय१रुस॥ ५९ ॥ विदार्यायासुमसपिपूष्यलीवपिपातला॥ वाधिरुमथसदस१पि
 पाल१रुअवासन॥ ६० ॥ अमलंथकपित्तस्यदधितुअहिमन्मथा१तस्मिन्दधिरुस१पूष्यरुसदकगभवपि
 ॥ ६१ ॥ उइम्वर्जजन्वरुसाजन्वाजन्व१मइधक१काविदावचमविक१कदावायुगपशक१॥ ६२ ॥ सफयलु
 विमालस्वकमालदीविषमचुद१आववधेवाजवृक१संपाकावउवमुला१॥ ६३ ॥ आववगयाधिघातकुरुमा
 लस्यपशुका१॥ मृज्वीवदक१०जकजन्वीवजन्वा॥ ६४ ॥ ववृ(व)ववृ१सशुक्तिकासाक१कमालक१॥ ६५

३३

१ दिगुरुलया

२ साकांजनयानां

१ शुजमसि

वयंसिमा१

१ खमान

वृत्तसंधी

सासिया १ मक्रास्वी ३

मिपयानाम १ पाइसिया २

पुत्रावाप्रदपुत्रक ४ कमवायववन्नर ४॥ १५ ॥ पाविरुड निखतवृत्तं च्यावया विजातक ४॥ विविस्म ४ स्प च नानमिचथ
कृत्रिमक ४॥ १६ ॥ वरुड विरुड च्याथ दोपीतनकपीतनो ॥ आसातक मधुकुठु उपुष्यमधुकुमो ॥ १७ ॥
वानपुष्टमधुही लोऊलऊतुमधुलक ४॥ पीलोतु उरुस ४ मुंसीतस्मिन्नु निविस्मकव ॥ १८ ॥ अक्रादकर्णबालो
हारिका १० उरिकावक ४॥ पलाम ४ किंभुक ४ पलुवातपाताथवनस ॥ १९ ॥ वथपुष्य विइलगीतवानीचव
शला ४ दोप विद्याध विइलोनादयी वाम्बवतस ॥ २० ॥ माराऊने मिगुनी ऊं गंधका कीचमाचका ४॥ चकासोम

३३

वागिसिमा १

खानसि २

संखवादिहि १

साहसि २

साहीजनसि १

पिलासिमा २

रुसथसिमायानाम १

मृगसिमाया ३

खाउयानाम २

यासमायानाम १

ऊमायानाम २

पियासा ३
सिया ४

धुमिगु ४ म्याद वि ४ रु निल ४ समो ॥ ६१ ॥ विस्ममिस्म (मेलुधोमासुलशीरुलावपि ४ सक्राजदीपकदीस्यातुन्य ४) ॥
वरुयाद ८ ॥ ६२ ॥ मलव ४ मवयासा धुलिबीट लिजमाऊनो ॥ आसुधुगावसासोसहकायातिसोवरु ४॥ ६३ ॥
कृकालुखलकलीवकोमिकागुगुनु ४ पूनु ४॥ मल ४ (मप्रातक ४ मीत उहालावरुवानक ४॥ ६४ ॥ वाजादनीधियात
स्यासत्रक ऊर्द्धनूष्य ८ ॥ गीताजीमर्वतारुडाकाम्नीमधुपर्तिका ॥ ६५ ॥ पीपगीरुडपुडीचकासमर्थ ४ पथदया ४॥
कर्कन्धुर्वदनीकासीकालीकवलरुनिल ४॥ ६६ ॥ सोवीर्ववदर्वधा ४ पथस्यात्साइक ४॥ विदीक ८ ४ गुरवाठ

वयसि १

वससिया १

२ नैराजीयानो

वसोवधी

तिरुसि२

मीति१

अतिस्वान३

उजपसि१

कर्वसिया३

तिरुसि२

कारुंथिसायाप्रपादपिं॥ ११ ॥ नेवावगानागव (अनादयीरुमिजम्बकांति) इक४ सुर्जक१ कालः कन्दश्चमिसा
चक॥ १२ ॥ काकं कुं४ लक४ काकपीलूक४ काकतिइक॥ गलीटायादयाद्युषापातलिर्मोक्रमकको॥ १३ ॥
निलक४ झलक४ गीमानममोपिवृलज्जावको॥ गोपर्विकोक्रमदिकोक्रमकंठय्यकंठरुलो॥ १४ ॥ कम्बक४ पद
दिकाव्य१ म्यास्यदीलाकोपसादनधुनूदकुपुष४ कम्बकावज्ज (अवज्जदावुव॥ १५ ॥ खर्जं नीपप्रियककदवा
सुहृदिप्रिय१ वीचवृकावृक्षयानिमूखीरुलाटकीगिषू॥ १६ ॥ गदरा१ कन्दवालकयीतनसुपाश्वका१॥

३४

१ कदंबसि१ चन्दनसि३ साहसिया२

वात्रासि१

शुद्धमति१

धकावसि२

लैल्लसि१

उजापगसि३

अर्जवसि२

आसानसि१

सिमवसि३

प्रक्रयतिनिलीचिवास्त्रिकात्थापीतमालकं॥ १७ ॥ मर्जकासनवन्धकपूष्यप्रियकजीवका१ सालकुसुमर्जकाया
वैकर्तुका१ सस्यसम्ब४॥ १८ ॥ नदीसर्जोवीचनवृदिन्दु४ ककराईन१ वाजादनरुलाधकक्रोविकायामथ
दया१॥ १९ ॥ शुदीतापसगवृक्षजवर्मिमृत्त्वयो॥ पिडिलापूवतीमावास्त्रिवायु४ मालसिद्धया१॥ २० ॥
पिडु४ मालसीवृक्षवाचन४ कूटसाल्लि४ चिलविल्लानकमाल४ कर्जंजश्चकर्जंजक॥ २१ ॥ पकीर्य१ प्रति
कचज१ पुनिक४ कलिकावक४॥ कर्जंजरुदा४ पण्डुथासर्कयौगाववसवी॥ २२ ॥ वाहीवाहितक४ सीरु४ मज्ज

सिमन२

१ कर्जंजजानियाः कर्जंजसि२

३ अत्रंदसियां आरुसिया नाम १

उत्तरवयन २

रवयवसिं १

रुर्गंधरवयव १

व. भोमधी

द्रोहिमपूष्यकं १ गायत्रीवालननय ४ खदित्रादकधावन ४ ॥ १०० ॥ अविमदाविद्वद्विचंकदय ४ खदिवसित ॥ सोम
 व. कापिधवायुप्रचुवाधर्वरुसको ॥ १०१ ॥ उत्रुउत्रुचुकथचुकथिगकथस १ चचु ४ पंचाहुलासमुवर्द्धमान
 यउचका ४ ॥ १०२ ॥ अस्यासमीसमीवः स्याच्छमीगकुरुलामिवा ॥ पिदुनकामचुवक ४ खसन ४ कचकाटक ४ ॥ १०३ ॥ प्रतिकाष्टय
 १०२ ॥ गत्यथमदनमकु ४ पादप ४ याविडक ४ रुडपाचुर्क किचिमपीतदानुचदानुच ॥ १०४ ॥ प्रतिकाष्टय
 सफस्यदवदानुवधय १ पाटलि ४ पाटनामाघाकाचसालीरुलचुला ॥ १०५ ॥ रुक्कुककाकववात्री ४ माउम

३ जं

थसि १ मध्वरुस २

वाकथसिया ३

मार्कथसिया ३

दवकाचुया २

पाउलसिया

अवयवनाम ३

वातचिनाया २

पिर्यगुयानाम १

दिनाकया १ लता १ गवचनीगुडा पिर्यगु १ रुलिनीरुली ॥ १०६ ॥ विषकनागधरुलीकाचकाप्रियकथसा ॥ मंडकप
 र्पेकागुनटकधुर्कुडका ४ ॥ १०७ ॥ अनाकगुकनासर्कदीघवकुकुटनटा ४ सोमकथोचसोतियरुसात्वाम
 लकीगिषू ॥ १०८ ॥ अमनाचवयसायगिलिजुमुविहीतक ४ अकसुष ४ कर्षरुलारुगवास ४ कलिजुम ४ ॥ १०९ ॥
 अरुयात्ववपथावय ४ सापूतनामगा १ रुत्रीककीरुसवती ४ चनकी ४ ययमीमिवा ॥ ११० ॥ पीतक ४ सचल ४ एमि
 काष्टवाथजुमात्यल ४ कर्मुकाच ४ पविद्या ४ लकचोसिकवाउरु ॥ १११ ॥ पतसं ४ कंठकिरुलनिचुलाहीजुला

थसिया १

संमथिस्वी १

वयसि

सजउ २

विरुसउय ३

२ निवया

स्वज ४१ काकाइमविकारुर्गुर्नसपूज्य (तुरुला) १११ ॥ अविष्ट ४ सर्वगारुडहिंनुनिर्यासमानका ४१ पिवसदश्चः
निमथपिठिलागुचुभिभपा ४॥ ११२ ॥ कपिलारुमगर्गसाभिजीयसुकपीतन ४१ रुगुलापथवाभ्ययथम
कारुमपूष्यक ४१ ११३ ॥ एतस्यकलिकागन्धरुलीस्यादथकमय १ वकलावशला (आकसमोकचकजठिसो) ३३
११४ ॥ चाथय ४ कर्गवानागकर्गव ४ काञ्चनाकरय ४॥ जयाजयकीर्गकीर्गनादयीवेजयनिका ॥ ११५ ॥ गीपु
मनिमथ ४ म्यात्कमुिकागधिकाविका ४ जयाथकूठज ४ मजावत्सकागिनिमसिका ॥ ११६ ॥ एतस्येवकलि (गदुयव

१ निम्यावयानाम

नागकमुस्वी

कटवी ३

२ निम्या

अस्वी ३

उत्तानमा ३

रुजव १

२ वामिंया ३२ पथममिया १

पथमकास्वी ३

यवगाठया २

वामिंया ३१

रुजयव ४१ रुजपाकरुलविनसखनाकअमदक ॥ ११७ ॥ कालसकंधरुमाल ४ म्यालार्पिंयुपथसिंदक ४॥
सिंदवाचरुसचमोनिगुगुआनिकल्पपि ॥ ११८ ॥ वितीखवागिनीदवकाजजीमूठ ४१ पपि ॥ गीरुलिनीगु
वितीरुगुगुगुमसिका ॥ ११९ ॥ रूपदीगरुगीवृथ (होवास्व) पावनारुवा ॥ अरुविकागुसवकानिगुगुनी
सिकावसा ॥ १२० ॥ मितामो (अतसुचसा) रुतवध्यथमागधी ॥ गहिकायुथिकाम्बजापीतारुमपूष्यका ॥ ६
१२१ ॥ अतिमूक ४ पूष्यक ४ म्यादामकीमाधवीलता ॥ समनामावतीजातीसफसावनमातिका ॥ १२२ ॥ माघी

अचर्व ३ वामिंया ३२

कृगुजि
स्वी १

३ मिनामनिया

१ गुयवामिंया ३१

गुजाम्बी २

जीरुस्वी १

गुजाम्बी २

काहर्सेवाज०

मंडसिद्ध

दुसपम

वास्तव्य

दुय्यत्र क २

उकाष्टीलापापवलीपाविनावनतिकका॥ कट ४ कट रुवाकाकावाहिदीकटवाहिदी॥ १३७ ॥ सस्त्रीयापिराहृष्ट
 रुडीवकाहीमकलादनीआमगुफाजजधुअकडुनापावषायती॥ १३८ ॥ अषाकाकाभकमिन्दि४ कपिककु
 थमकदी॥ चिनापचिनायवाधीउवनीममवीपषा॥ १३९ ॥ पुरपुष्टीसगयदीवधुमखिकपधपि॥ अपा ३८
 मार्ग४मेषविकाधमार्गवमयूयको॥ १४० ॥ पुरकाकुकीमपदीकिनिहीखवमअवी॥ मजिवाविकसाजीगीस
 मझकावमपिका॥ १४१ ॥ मधुकपदीरुदीरुदीयाजनपधपि॥ हजिकावाभरीपमारागीवाभरीयहिका॥

मनुषि १

अपामार्गया २

सागीहा १

॥ १४० ॥ अमववसीवामयमकववववईका॥ यामायवामाइस्यभाधनूर्यास४कसमक४॥ १४१ ॥ वादनीक
 वानकासमवाकाइनालता॥ एफियदीपधकदीचिपधधिवलिका॥ १४२ ॥ काष्टविनामिरुपदीकलसिर्वावनिर्गु
 ला॥ निर्दग्धिकास्यभावाघीदरुतीकठकाविका॥ १४३ ॥ पवादनीकरीरुजाइस्यभावाधिकतपि॥ नीतीकासाकीति
 किकाअमीममधुपदिका॥ १४४ ॥ वअनीरीरुजीपुलादुगादालावनीतिनी॥ अवलुज४सामनाजीसर्वदीमामव
 लिका॥ १४५ ॥ काकमखीरुष्टरुलावागुजीपुतिरुत्यपि॥ रुष्टापकल्यावेदहितांगधीवपसाकथा॥ १४६ ॥ उषता

वकवि १

वसमिया

व. लोमधी

वृक्षकनः ३ चैत्रविदाविः २ आचरुवर्गः १ मय्यमित्राः ३ लोकाद्वैविदाविः २ ऋषीः १

शिका ॥ १५४ ॥ कालामसूतविठलाश्च चडाकाचमधिका ॥ मधुकं क्रीतकैयटिमधुकामधूयटिका ॥ १५५ ॥ वि
दात्रीशुक्रकीचक्रगंधकाष्टीचयामिता ॥ अनाकीचविदात्रीप्यात्मदा ॥ अनाकीचविदात्रीप्यात्मदा ॥ १५६ ॥ लाहलीभायदी
गायपिप्यलोमकनादनी ॥ खना ॥ काचवीदिप्यामयूनालाचमसूक ॥ १५७ ॥ गायपीप्यलोमकाविवास्यादनका ४०
त्यलमालिका ॥ याम्यमृद्धिः सिद्धितक्रोद्वेचप्याक्या ॥ १५८ ॥ कदलीवाचहीचुषाचक्रभावाचनमृत्कला
काष्टीलामृत्पुष्टीकालमृत्कासकृत्पि ॥ १५९ ॥ वारुकीहिंशुलीसिंदीरुष्काकीइषुधार्षिणी ॥ नाकलीसूत्रसा

इहकाचमिः २

गुंमंनया १

रुठया १

कयाया २

मानप
हीया ३

इष्टुचक्रः १

विथलायानामः ३ कपागः २

महासुधया १ चक्राड्याः ३ मजायानामः २

वालासूतगंधागंधनाकली ॥ १६० ॥ नकलसूतुजंगलीचुडाकीसूवलाचसा ॥ विदाविगंधासूतनीमानपयुष्टिना
धुवा ॥ १६१ ॥ शुक्रिकलीसमूडाकाकर्प्यभीवदचतिव ॥ लाचवाडीसुमावन्ना ॥ १६२ ॥ शुक्रिकलीसमूडाकाकर्प्यभीवदचतिव ॥ १६३ ॥
गा ॥ अनाकीनागवलाअषाजस्यगवधुका ॥ धामार्जवाधाषक ॥ १६४ ॥ अनाकीनागवलाअषाजस्यगवधुका ॥ १६५ ॥ अनाकीनागवलाअषाजस्यगवधुका ॥ १६६ ॥
शिकाजालीनादयीरुमिडवका ॥ स्याच्चक्रलीक्यामिरवाकाकाजीकाकेनासिका ॥ १६७ ॥ गंधापदीसूवलासूतनी
नालमूसिका ॥ अजशुकीविषारीस्या ॥ गंधाजिकायार्विकसम ॥ १६८ ॥ गंधाजिकायार्विकसम ॥ १६९ ॥ गंधाजिकायार्विकसम ॥ १७० ॥

नालमूत्रः १

खसमसिः २

गंधापत्रवः १

गंधाजिकायार्विकसम २

हंसपात्रः २ गंधाजिकायार्विकसम १

वर्धमान

कंडुप्रिया २

मिर्चवया

वालया २

गुरुमस्या १

पाथक्री २

रुद्रगुणकाकीकपित्तरुमगन्धिनी ॥ ११० ॥ उलवालकमेलयं सगन्धिरुद्रिवासुकी ॥ वासुकीवाधपासकासुकी ॥
 कदक ३४ ॥ १११ ॥ वालंजीववर्हिष्ठादिच्यं कमासुतामच ॥ कालानुसार्य वृद्धाभ्रपूष्यमीतमिवा नि ॥ ११२ ॥
 ॥ सोसयितासपुंतिदुदेत्यागन्धकरीसुबा ॥ गन्धिनीगजरुकासुवहासुवरीजसा ॥ ११३ ॥ मरुवसाकचुकी ॥ ४१
 लकीजादनीतिच ॥ अग्निद्वीतासुकिरुधुधनकीधारुपूषिका ॥ ११४ ॥ पृथीकाचतुवालैलानिच्छटीवरुताथसा
 मूक्षापरीचिकाहुताकावरीतिपूणकुटि ॥ ११५ ॥ व्याधिः कृष्णपात्रिगावीव्यापीपाकलमस्यवी ॥ मीखिनीयोज

महाविनी २

मुंसा १ मिथयानाम ३

धविस्वी २

१ कटया

४१

उसा २

काथपथया २

मरुपूष्या १

नदीवृक्षसिंजवंगतर्था २

ज्वलसिया १

गंधनाचन २

पूषिः साकृन्निधविहन्नक ॥ ११६ ॥ मृतामलाश्च्युतानीमिवातामलकीतिच ॥ पपोरुबीकपोरुप्यमथहन्नकव
 चक १ ॥ ११७ ॥ उतिः कच ३ कानसकानचिदकाथवाकसी ॥ चिदाधनरुवीक्रमइष्युगगलतासका ॥ ११८ ॥ व्या
 धायुध्याघुनरुवकवजवकावकी ॥ मुषिवाविज्जमलताकपातीछिर्नटीनली ॥ ११९ ॥ धमन्यजनकमीचरुनूरु
 रुविलासिनी ॥ शुकिः ४ र्व ४ कव ४ कालदलत्ररुमथाटकी ॥ १२० ॥ काकीमत्त्रावविकासलताकसुबासु ॥ क
 टनर्तदगपर्वगानर्यपविपसर्व ॥ १२१ ॥ सव (ग) पूव (ग) नर्द केवरीसूकान्यपि ॥ शुक्तिपुंशुशुकवर्णपूष्यलो

कचविनी २

उकांमि १ नकी ३

नोकेया २

उकांमि ३ क ४१

उवजी २

५२

तयककुं॥ १७२ ॥ मयुस्मालाउपिमुनाएकादवीलनालघ॥ समुजानावध॥ काठीवर्षालंकायिकुलपि॥ १७३ ॥ गप
स्विनीजगासीसीजटिलासामासिनी॥ स्वकपुगुमकटंरु॥ जैस्ववैवावैववाङ्गकी॥ १७४ ॥ कर्दवकाजविउक॥ कास्य
कावधमुरवक॥ ३०॥ जीव(था)जातिमाकुसुमजोनीसर्वमोषधी॥ १७५ ॥ भाकारवीपुपूष्यादिगुनीथान्यसात्रिष॥ ४२
विमल्याप्रिमिखानकादसिनीमकुपूष्यपि॥ १७६ ॥ स्यादकर्मधवगलाप्यावनीवृद्धदावक॥ राजावाजीकुम
त्याकीवयसासामवजनी॥ १७७ ॥ कइपुर्णदेमवनीस्वर्णकीनीहिमावनी॥ रुयपूचीउकाश्वोजीमाषपुमहासहा॥

नगप्रिया

सामसता

काहुवक

सर्ववृद्धा

अकपागया

वृद्धदाव

ववकन

४२

गुमासया

॥ १७८ ॥ उतिकनीवकरुलांविमिकापीवपुर्णपि॥ वववाकवनीउजीखयपूष्याजर्मधिका॥ १७९ ॥ जलापुर्णसुवका
वासायकवसावमा॥ या(ज)नीवृद्धिकादकमअम्वसा(सु)सातिका॥ १८० ॥ सरुसुवधावृकासुवधसमवधपि॥
नमस्काजीगुरुकालीसमझखदिनीपि॥ १८१ ॥ जीवनीजीवनीअवाजीवनीयामधुसुवागीकृर्वभाषामधुवक॥ ४२
ऊसाङ्गीवका॥ १८२ ॥ किंवागटिकारुनिम्नानार्यनिकार्थसकला॥ विमलासागुनारुविहनावर्मकषपि॥ ४
१८३ ॥ वायसालीखाइवसावयसाधमकूलक॥ निकृष्णापनिकापुणक(अ)ध्यइमवपुर्णपि॥ १८४ ॥ अजमादरुय

वसुधैकया

काषवृंरुधंजसि

खात्रया

दंनिया

उयसाम

व. मेमधी

अरुमाय १ अय ३ २२१

संभवसि २ कावचाप ३ पम्बनाम १

संसा ३ हासिया १

गंधांबुधदरुयसाहिका ॥ मूलप्रकृतकास्त्री ४ पप्रयशतिपोक ॥ १८१ ॥ अथथानिचवापमावाचनीपप्रवाविती ॥
कीपिन्न ४ कर्कशशुक्रकीलावाचनीत्यपि ॥ १८२ ॥ पप्रनाग ४ स्वदगजादकृष्टशुक्रमर्दक ॥ पप्रनाउवलाय्यथप
लासुमुसुकन्यक ॥ १८३ ॥ लताक ३ इमोतगुरुविगंधमहोषध ॥ लसुन ४ अनाविष्टमहाकंदलसार्नका ॥ १८४
॥ पुनरुवातु ॥ माथप्रीविठुनीसुनिषरुकी ॥ स्यादागक ४ मोतलाश्याजिगासनपथपि ॥ १८५ ॥ पावावनीधि ४ कटरी
पीम्याकानिषरीलगा ॥ वार्षिकीजयसाहस्यजायनीवसरुडिका ॥ २०० ॥ विष्टकन १ प्रियागृहिर्वावाहीवदभूय

३६२

४३

चनंदन २
कचप्रिया १

२५५५५

खमात १

५५
रुमगा १

दावहात

रिमनाज्या १

रुदाकिमि १ सल्य ३

गंधप्रसाविती २

मापसाक १

पिनामार्कवारुगयाज ४ स्यात्काकमात्रीरुवायसी ॥ २०१ ॥ मगप्रथासिक्तकृशतिरुगामधुवामिसि ॥ अवाकपृथीह
काववीचंसनसाहुपसाविती ॥ २०२ ॥ तस्यीकटफुनावाउवसारुडवलमिच ॥ जनीज ४ कावजनीज ४ रुद्रचक्रवर्ति
नी ॥ २०३ ॥ सस्यमथमनी गंधसुलीषकुष्ठिकत्यपि ॥ कर्कशपिपला ॥ मापिकाववित्र १ कठिन्नक ॥ २०४ ॥
सखवीवाथकलक ४ पटालसिककष ४ ॥ कषागुकमुककावूर्वावृ ४ कर्कटिमुथो ॥ २०५ ॥ अवाक ४ कट
डवीस्याहुम्यालावूर्वसम ॥ विजागवात्री ॥ माईवाविमालातिरुवावृती ॥ २०६ ॥ अवाक ४ मचनसुंदागु

उरवाया १

जंजामि १

पाशदवर्हि २

कटसि २

धिकगुलि १

उसि २

संजीसकि १

उद्योगनगं२ • पं० घानसडीरुस४

वस्तुममस्तिलां कनम्यु स्यादिकास्त्री सुमूलकं हिलमाचिका ॥ २०१ ॥ वास्तुकं माकमदा ४ स्य ईर्वा कुमतपर्विका ॥ सरुम
वीर्यागार्त्रयो वरुनकाथं मासिता ॥ २०२ ॥ गालासीमातवीर्यावगुली मकलाकक ४ ॥ कत्रविद्यामयनामाम
सामसकमक्रिया ॥ २०३ ॥ स्या रुडमसका गुडा च गुलाचक लावना ४ ॥ वीमत्वकात्रकर्मावत्वचिमावरु ४४
जा ४ ॥ २०४ ॥ मातपर्वीयवरुलावेधमसक वरुजला ४ ॥ वेधव ४ कीचकास्यस्यनन्यनिवाद्यता ॥ २०५ ॥
गुथिर्नोपर्वपनुषी गुडसकजनक ४ ॥ नदसुधमन ४ पाठ गलाथका ममक्रिया ॥ २०६ ॥ रुगन्ध ४ पातग
१ प० याक ३ खासकसु ३ १ मिंयानां पथ २ माकक ४ ३ क्रयपथ १

कथावहा

[illegible]

गुणमा१

गोठमस१

का न सा १

विष्णुया३ पञ्चजाति२ वनचन१ क्राविका३ विविम्बाव३ कृत्यानाम२ गीचा१ माखापिखामाक३

पृष्ठहोतार्यवादिताश्चमत्राम्मा॥ १० ॥ गन्धर्वमन्त्रावासा॥ मन्त्रागवय॥ मन्त्रा॥ ११ ॥ रूपादयाम् (गन्ध्याग
वाद्या॥ पञ्चजातय॥ ११ ॥ उद्भूतमुखिकाप्याखर्गिणिकावालमुखिका॥ १२ ॥ नदीगन्धमखीदीर्घतुन्दादिवा-
का॥ १२ ॥ मन्त्रः रुक्तास॥ स्यात्सुमन्त्रीगुरु (मन्त्रिकाः॥ सुता सुतकुवाया सुतारुमर्कटकासमा॥ १३ ॥
नीलाहुमुक्तिमि॥ कर्तुजलोकामतपयुरु॥ १४ ॥ शूककीट॥ स्यात्तुद्विजुलौतुद्विजुलौ॥ १४ ॥ पात्रावत॥ क
नवव॥ कथागाथममदन॥ पत्नी (मन्त्रनडत्तकसुवायसात्रातिपत्रको॥ १५ ॥ वाघाट॥ स्यात्तुवडाजुवडा॥

रुमि२ वरु१ कृत्यवि२ शकी२ वाय१ विष्णुया२ उद्भूत१

२ मित्राजग सवांजग१ वरुवा३ पिपिजिखा२ कंकजग१ गगत्रखा२ वरुवा१ माखा२

वीतसुखजन॥ सारुष्ट॥ सुक॥ क॥ स्यादथवाख॥ कि की दि वि॥ १६ ॥ कलिमरुंगधूम्यातां प्रथम्याहुतुपुष्ट
क॥ दार्वाचाटाथसावंगकाकक॥ अतक॥ स॥ १७ ॥ रुक्तावाक॥ सुवृ॥ १८ ॥ कर्कट॥ वधायुध॥ चट
क॥ कववि॥ क॥ स्यात्तुस्यकीवतका॥ तथा॥ १९ ॥ पूमपथवाटकेवः सुपथवाटकेवहि॥ कर्कट॥ क॥ वः
स्यात्तुकन॥ क॥ क॥ सोम॥ १२ ॥ वनप्रिय॥ प॥ वरु॥ का॥ किल॥ पिक॥ स्यापि॥ का॥ क॥ तु॥ क॥ वना॥ वि॥ क्षा॥ व॥ सि॥ पू
॥ स॥ रु॥ ल॥ जा॥ १० ॥ धी॥ का॥ स॥ पा॥ प॥ वरु॥ व॥ लि॥ तु॥ वा॥ य॥ सा॥ अ॥ पि॥ ॥ अ॥ स॥ का॥ क॥ सु॥ का॥ का॥ ला॥ दा॥ रु॥ रु॥ का॥ स॥ क॥

जखावा२ काषयानां काकीच२ माचरुया३ संकाष१

नासखा१ हंसया३ ५मा१ चक्रा२ गुरु१ वयाहंस१ काचंखा१ बाहस१ (धखिका३१

रुफ१॥ २१ ॥ आगायिचिओ दाक्रायं गृहोकीनशुकोसमो॥ क८को॥ थं वक८कं कं पूकवा८श्वमात्रस१॥ २२
॥ कोकथ८कथकवाका८थ८आकयनामक१॥ कादये१ कलहंस१ म्याइत्का८१ कचसोसमो॥ २३ ॥ हंसालु८ध
तगवृ८थका८मानसो८कस१॥ बाजहंसालु८रं८वृ८च८ने८सो८दि८ने१ मिता१॥ २४ ॥ सलिनै८मि८चिका८ख्या८क८ध ८१
रु८वा८छा१ मि८त८ने१ म८वा८वि८वा८टि८या८ति८श्व८सा८का८वि८म८क८ठि८का॥ २५ ॥ हंसस्यया८वि८ह८न८म८न८स्य८व८श्व
सा८ज८कु८का८जि८न८प८जा८म्या८य८वा८ह८ने८त८पा८यि८का॥ २६ ॥ वर्व८ता८म८क्रि८का८नी८ला८स८च८घा८म८ध८म८क्रि८का॥ प८ग८क्रि८का८प८

१ लांया वंरुय२

उजि१ खवजाबह२ बाजहंस३

कंसिहा१

१ वृ८वा८ गुरु८मि८ का८व८३ सा८उ८जि८ रु८दि८की८३ प८नि८ ७३की२

रु८का८म्या८ई८म८लु८व८न८म८क्रि८का॥ २७ ॥ दं८मि८नी८म८क्र८ला८दं८मा८उ८य८ता८य८ग८को८स८मो॥ उ८द८दि८का८च८मी८मी८३८दं८म८लु८व८न८म८क्रि८
का॥ २८ ॥ दं८मी८ग८जा८ति८न८स्या८म्या८त्ता८धा८ली८व८व८ठा८ह८या१॥ रु८जा८वी८जी८वृ८का८चि८ली८मि८त्रि८का८च८स८सा८ह८मा॥ २९ ॥
स८मो८प८टं८ग८म८व८शो८ख८या८ता८की८ति८वि८ह८ता१ म८धु८व८ता८म८धु८क८वा८म८धु८वि८ट८म८ध८पा८ति८न१॥ ३० ॥ दि८व८रु८३८प्र८ण८मि८द८
रु८ग८ष८घ८द८रु८म८वा८न८य१॥ म८यु८जा८व८हि८ना८व८ही८नी८ल८क८(८म८उ८जं८ग८लु८कु॥ ३१ ॥ मि८खा८व८व१ मि८खी८क८की८म८घ८ना८
दा८नू८ला८स्य८यि॥ कं८का८वा८ली८म८यु८व८स्य८स८मो८व८च८क८म८च८को॥ ३२ ॥ मि८खा८व८ज८मि८ख८गु८लु८पि८रु८व८रु८न८यु८स८क॥ ख

असंखाका१ उमव२

क्रिपाया१

असखा२

चिची१

मरुहाजमिसा ४

३ जलपाडी कमिसा

शुभानाम २

मनस्ययानाम १

३ वानराक काधमिसा

मनूष्यामानुषामर्त्यमनूजामानवाना ४॥ स्पर्शपुमीस ४ पंचकना ४ पूत्रया ४ पूत्रघातना ४॥ ४१ ॥ श्रीयाचिदवलाया ४
पानावीसीमन्तिनीवधू ४॥ पनीपदमिनीवासावनितामहिलातथा ॥ ४४ ॥ विमेषास्तं गताहीव ४ कामिनी ४
वासलावना ४॥ पसदराविनीकान्ताललनावनितम्विनी ॥ ४७ ॥ सुन्दरीवमलीनामाकापनामेवराविनी ४२
यवावासासहकामीन्यरुमावववन्तिनी ॥ ४८ ॥ रुतारिषकासहिषीरागिन्यन्यान्पश्रिय ४॥ पत्नीपातिगृही
नीवहिनीयासहधर्मिणी ॥ ४९ ॥ राय्यायायाथपूरुमिदात्रास्याकुद्विनी ॥ पूर्वधीसुवत्रिणाकुसनीसाधापति

॥ हिपीमिसा १

यवमाजमिसा १

दीकाइमिसा २

सीहमिसा १

३ थजक्रमवाहकु

कन्याम्हा २

स्वयंवत्रहाम्हा १

त्याम २

कनधुजम्हा १

लडाइमिसा ३

वृता ३० ॥ रुतसापत्रिकाधूराधिविनाथस्वयंववा ॥ पतिवचाववयाचकलम्हाकलयालिका ॥ ५१ ॥ कन्याकमा
वीनेवीरुनमिकानागनारुवा ॥ स्यान्मध्यमादृष्टवजावृतीयवगीसम ॥ ५२ ॥ ससा ४ सुषाजनीवध्व ४ विविहीकु
स्ववासिनी ॥ ५३ ॥ वृवगीकासूकीम्याद्विषमकीकुकासूकी ॥ ५३ ॥ कानार्थिनीकुयायातिस्कीकरीसासिसाविका ॥ पु
थवीधार्मिणीवध्वकसनीकनदलव ॥ ५४ ॥ स्वेविधीपीगुलावस्यादमिम्मीमिथुनाविना ॥ ऊवीवानिषतिस्नावि
ध्वलाविधवसम ॥ ५५ ॥ जालि ४ सखीवयस्यावपतिवृवीसरुका ॥ वहापवित्रीपाहीकुपहापाहाधुमीमनी ॥

विधुजम्हा १

नकविया २

व्यम्हा ३

मखीपासा १

ऊसनीम्हा २

वृद्धिवकुम्हा १

पुलानिं३

कृतिनीं३

सक्तनिं१

उपाध्यानीं३

मंजुविजसु३

वेम्भनीं१

वीजयासु३

ॐ ॥ मदी मदी स्यात्तया स्यात् कृदा न जातिव वचं ॥ आसी वीजु मदी मदी जाति पूया गथा ॥ ११ ॥ आर्यो दी स्वयमा
 र्या स्यात् क्रिया क्रिया न्यपि ॥ उपाध्याया प्याध्यायी स्यादा वार्या पिवस्यत ॥ १२ ॥ आचार्यासी वी पूया स्यादर्या क्रि
 त्तिरी कथं ॥ उपाध्यायान् प्याध्यायी पाठसु पिसल क्रदा ॥ १३ ॥ वी वपत्नी वी वरार्या वी वसना वी वस ॥ जागा पत्नी ॥ १४ ॥
 पुजागा वपसगा व पुसुतिका ॥ १५ ॥ स्मिनेत्रिका काटवी स्यात् दुनी सस्य विकसम ॥ कात्यायन्य वृद्धाया काषाय
 वसनाधवा ॥ १६ ॥ सेवंधी पववम स्यात् स्ववम धित्य काटिका ॥ अमित्री स्याद वृद्धाया पत्नी ॥ पूजवा विही ॥ १७ ॥

सियुडासगसु१

मवाइसी३

आचारि३ १ मवयाकाया कलि काट्याय प्रसी

अंगप्रजयासु१

आसिनिं३

मर्खवम्भ१

मातिनी३

कृतिनी१

मजाचसइसु३

वजस्यसु३

बालसु गदिका वम्भ दूयाजी वाथसा जने ॥ सक्तगा बाल सख्या स्यात् कृदनी संरुची सभं ॥ १८ ॥ विपश्चिका स्त्री क्रनिका
 देवशथ चरुत्वा ॥ मुधर्मि प्यपि वा गुयी मतिनी पूष्य वर्यपि ॥ १९ ॥ सहुमरु प्यपकाथ स्यात् दुज १ पूष्यमारुर्व ॥
 यहा लुडी रुदवनी नि कला वि गगारुवा ॥ २० ॥ आपन्न सत्वा स्यात् मुर्विध कर्वती वगर्हिती ॥ गदिका दमुगसि
 कर्ग गार्हिती यो वर्म गत्वा ॥ २१ ॥ पुनरुर्दिदिषु नूरा दिरु स्यादिधिषु १ पति ॥ सहुविजा गदिधिषु १ सेवयस्य १
 कृदुविनी ॥ २२ ॥ कानीन १ कन्यका जात १ सुताथ सरुग सगा ॥ सोरा निनय १ स्यात् याचके स्यमुपव क्रिया ॥ २३ ॥

वाजससज३ १ पथसइत्यास३

वाथसइमिवा३

कायवजसु३

वाधरुजसु३ यापति३

पवसुयाकरमवा३

三

निनी१

पाश्याम्याः

व माहया म्जा१

આવ ૩

गुरुद्वयाऽऽमृता

[illegible]

महाभारतम्

वचन

५३२ श्री कमुखा ३

पत्रिमुखा

मा.म.२

कंदर्ग १

मन्त्र १

सयदयदिक

समर्पण

पार्श्वस्थः

सप्तमः

३५०

अ. ३३९

...

मातुली ॥ १४ ॥ पतिपत्न्याः पुत्रः स्वसुखं पुत्रिणां यः ॥ पितुर्जाता पितृव्यः स्यात्मातुर्जाता तु मातुलः ॥ १५ ॥
 स्यात्मातुः पुत्रः पुत्र्याः स्वामिना ददुःखद्वयोः ॥ स्वमित्राणां मित्रयः स्यात्स्वमाता इति तु ॥ १६ ॥ पितृमहः
 पितृपितामहः पितृपितामहः ॥ मातुर्मातामहाय वै सपिण्डास्तु सनातनः ॥ १७ ॥ स मातादर्यमादर्यसर्ग्यसद
 जाः समाः ॥ सतां उवाच वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ १८ ॥ सततं वन्द्यतां तर्षणीकमाहो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ १९ ॥
 यः पतिर्लोकजालस्तु पतिः समो ॥ २० ॥ अमृतं जलं कुरुक्षेत्रं नरुद्विषः सकः ॥ शत्रुया शत्रुजः शत्रु

५३३
५३३

५
सायना १

तपाऊआ ३

ଉଦିମାତ୍ର
ଅପରିଚିତ

३. क. स. पू. वि. अ. अ.

संज्ञायां क इन्द्राय

(ग. ली. ड. ग. २)
सू. १

३ पथसंवाहक ददाकरु१

निकृतिपू२ २ पियानाम मीवव१

मन्त्रा२ मधुमीवव१

कायकाय१

मन्त्रावधुमास२

मिशोशातजावरो॥ ६० ॥ सागपितत्रोपितत्रोसातत्रपितत्रोचता॥ मयक्र१ यमुशोममुशोपुशोपुशुशुद्विता॥ ६१ ॥ द
पतीजपुतीजायापतीराय्यपतीवतो॥ गरीमथाजवायु१ स्याइत्वंवकनसांक्रिया॥ ६२ ॥ सुतिमासावेजनतांगराऊ
(शोःमोसमो॥ रतीयापुहति१ वध१ जीवपु१ अनरुसक॥ ६३ ॥ मिशुत्वंमिवाववात्यतावधुशोवनेसम॥ स्यात्स ५२
विदंशुद्वत्वंवद्वसंधपिवाचक॥ ६४ ॥ पविर्गजवसा॥ मोयक॥ कमादोविशसाजचा॥ स्याइत्वनमयादिह१ कनपा ५३
वकनधयी॥ ६५ ॥ वाससुस्यात्मानवकावयसुसुचु॥ वायुवा॥ पवमासुविवावडाजीनाजीरुजवत्रपि॥ ६६ ॥ यक्र३

इत्वंमन्त्रा१

अधकाथ२

मन्त्रायागव३

दिधि२ नकवडासुवा३

काथ१

नवास्यायक१

निर्वली२ वली२

अनीकाथ१ संजपाइ३

दाश१

ममकृत्त३

यथगतवक्र२

किजा१

वाशक३

वर्षीयानदगमीद्यायान्पूर्वजत्वंगिथागुज१ ॥ जघनऊम्य१ कनिष्ठयवीयावजानूजा॥ ६७ ॥ अमीसाइर्वलंम
तांवलवामीसंलाभले१ ॥ दुन्दिबसुदिकसुदीदुरुक्तिक्रि१ पिचिचिल१ ॥ ६८ ॥ अवनीगावनाट्यावरुगात्रे
नासिक॥ कंठव१ कंठिक१ कंठीवल्लिगावलि१ समो॥ ६९ ॥ विकलाङ्गसुधागु१ खर्वाङ्गसुधवामन१ खचधः
स्यात्खचधस१ विग्रसुगतनासिक१ ॥ ७० ॥ खचध१ स्यात्खचधस१ पुरु१ पगनजानूक१ ॥ उर्ध्वर्ध्वद्वजानू१
स्यात्सर्ध्व१ संदतजानूक१ ॥ ७१ ॥ स्यादजवधिव१ कृकाणशुव१ कृकचक्रदि१ ॥ पग्निवस्यतनो॥ प्राति१ पं॥ गो१

३ क्रामसुय

१ प्रविध्या नान्२

खान्१

धृति१

खनस३ प्रवि२ लाक२ विकिधाक१ ५३

आसन २

॥ वायुगंधान् ॥

वेद्यया नाम ३

कय कठ २ वाणी क ३९

धर्मशास्त्र १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥

वातिसावकी ॥ १०३ ॥ ॥ स्मृतिनाकचुप्रविशुः पित्राः क्रिन्नाक्रिवायमी ॥ उन्नरुः उन्मादवतिः ॥ १०४ ॥ ॥ न्यूजाः उग्रचुजाः उग्रचुजाः उग्रचुजाः ॥ १०५ ॥ ॥ १०६ ॥ ॥ १०७ ॥ ॥ १०८ ॥ ॥ १०९ ॥ ॥ ११० ॥ ॥ १११ ॥ ॥ ११२ ॥ ॥ ११३ ॥ ॥ ११४ ॥ ॥ ११५ ॥ ॥ ११६ ॥ ॥ ११७ ॥ ॥ ११८ ॥ ॥ ११९ ॥ ॥ १२० ॥

हि १ सा २ ३ वीजवस ४ वीजवस ५ वीजवस ६ वीजवस ७ वीजवस ८ वीजवस ९ वीजवस १० वीजवस

॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥

धर्मविः १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥

वीजवस १ सा २ ३ वीजवस ४ वीजवस ५ वीजवस ६ वीजवस ७ वीजवस ८ वीजवस ९ वीजवस १० वीजवस

कुरुवि३ नागपवि१ तसि२

३महिवंध १वाजाकवादि प्यपविनं१

॥ गुरु१कवभखा१स्य१पूर्यगुष्टपदमिनी॥ मध्यमानामिकाचापिकनिष्ठावतिगीकमारु॥ १२५ ॥ प्रनर
व१कववृक्षानखाश्रीनखयास्त्रियी॥ वादमतालककर्मःतर्जुन्यादियुक्तता॥ १२७ ॥ अंशुष्टमकनि
ष्टस्याद्विगस्त्रिद्विदभजुल१पालोवपत१पुनतःपुस्तविस्तुताहुतो॥ १२८ ॥ दोसंदतोसंदतनपुन६
लोवामदक्रिलो॥ पादिर्निद्रा१पुस्ततसोयुगावजति१प्रमातु॥ १२९ ॥ पुका१विस्तुतकवास्तुमूल्या
उवदया॥ सवति१स्यादवविस्तुनिष्ठाविनमृष्टिता॥ १३० ॥ वासावाका१सकवयास्तुनयास्त्रियीगंनर

कुरुवि१

कोवाकि३

वाजाकवादि पासव२

लोकादि१

५६

क्रास३ अम४ कुरुवि३ १ताहातवृद्धि अम३ कुरु१ खात्र२ हता३ मत्पता१

॥ उर्वविस्तुतदायाविनुमानेपोत्रघंतिष॥ १३१ ॥ क०अमला१धृतीवार्योमिवाधि१कन्धत्रपि१कम्बुनीवाहिल
खासावदृष्टादकनामिका॥ १३२ ॥ वकास्यवदनंउतुमाननैलपनीमूर्त्त॥ श्रीवृष्टारोमन्धवहाप्राप्तनासावना
सिका॥ १३३ ॥ अ१वाधयोउवदनक०दोदभनवाससी॥ अ१ध१स्याद्विद्वक०कपाशोतस्यवाहनू१ १३४ ॥
वदनादभनादकोवदास्तुलुकाकद॥ वसस्तुवसनाजिह्वाप्रातावा१स्यस्तकदी॥ १३५ ॥ ललाटमसिक०ग
विद्वदृष्टा१अवास्त्रियी॥ कर्वमसी१अवास्त्रियी॥ कर्वमसी१अवास्त्रियी॥ १३६ ॥ ला१वर्ननयनीनयमीकरीचक

कप१

क्रासि१

थक२

मिप्रस१

मयानाम२

मिस्ता१

कनसं३

कनसं२

धावि१

कन२ मिपर्स१

मिस्वाकी१

क्रिती॥८॥गृहस्थिअश्वनशमूवादनवाकमकुर्व॥ १३१ ॥अपा(अनयथावकोकंटाक्रापाकृदभन॥कर्तुमद्यगहो
 (थापुंश्रुति॥मृगवर्गमृव॥ १३७ ॥उरुमाकृ॥मि३॥भीर्षमृद्वानामककासुयी॥विक३॥ककलावाल॥क
 च॥क॥मि३॥मृद॥ १३२ ॥नहृदकमि॥कीके॥मृदका॥धृदककला॥नल्लाटउमवकाकाकयक॥मिखलु
 क॥ १४० ॥कवनीकमव(माथधर्मि॥संयताकचा॥मिखावृजक॥मपाभीवतिनसुमगाजदा॥ १४१ ॥
 वलीउवहि॥भीर्षव॥मि३॥विषदकव॥पाम॥पक॥धृदक॥कलापार्थ॥कवात्य॥ १४२ ॥ननृदृह्याम

आर्ग॥२

सतप॥१

सपा॥२

कर्म॥३

याक॥१

आर्गसगधि२

वीपीसं१

गवा१

तिसा३

ति३॥२

समा॥१

मलुक३

वानजाक२

तिमां
ति३॥२

लासंनहृदोमश्रुपसूरव॥आकत्यवषातयथैयतिकर्मसमाधन॥ १४३ ॥दमेरुतिष्ठसंकलसकविकुचम
 युन॥पमाधितालैरुतथरुधितथपवित्कत॥ १४४ ॥विशजुजिह्वयाविष्टुर्हवातुम्यादलैकिया॥अलै
 कावस्त्रारुवर्हयविकावाविरुषदी॥ १४५ ॥मधुनैवाथमूकटकिदीटपत्रपंसकै॥वृजामहि॥मियावर्तन
 वलादावमध्वन॥ १४६ ॥वातपाग्यापातिगथापणपाग्यालैतिक॥कर्तुकागालयणस्याकृदुर्लभ
 धुवधन॥ १४७ ॥गोवयककठरुषासंवनेस्याल्लनिका॥स्वर्लु॥पासंवि का॥था३॥सूठिका॥मोकि॥क॥

मसं१

वृजाम२

काषामा१

सिक्तयाति२

लैसिख३

मृगमाजा१

चत्वार्यायाः

ब्रह्मायाम् ३

ଉତ୍କଳାବତୀ

अलीन ४

ॐ नमः ३

॥ २० ॥

रात्रयानामः

ता॥ १४७ ॥ रात्रामृकावलीदवदुन्दासोमनयद्विक१॥ रात्रादत्यद्वितदागुच्छुगुच्छुर्दगमरुना॥ १४८ ॥ अ
र्धरात्रामानविक्रकावत्यकयद्विका॥ भवनकगमालास्यात्सफर्विमनिसोक्रिके॥ १४९ ॥ अत्रापक१पात्रि
य्यः कटकीवनशक्रिया॥ कयूवमरुदरुन्धुर्गुलीयकमूर्मिका॥ १५० ॥ साक्रवाहुसिमृशस्यात्कीकतीक
त्ररुघर्षी॥ मुकियाभखलाकीवीसफकीवसनानथा॥ १५१ ॥ श्रीवसावसनवाधपूस्कर्याष्टरुसिषूपादा
रुदंशुलाकादीमंजीनानूपनाक्रिया॥ १५२ ॥ रुसक१पादकटकीकीकतीकडघलिका॥ त्वकुरुनकिमिआ
उतिवकि१ १५३ घमा पाथा३ १५४ तिज्जु १५५ वग्वर्ग१ १५६ सिखव२

स ग भ व क २

मलजहवकु३

इलवकु२

कषामयावस्तु। ह्रियागुपयानवस्तु।

मानिवस्तुयानिर्देशं विष्णु ॥ ११४ ॥ वात्स्यं क्रोमादिरुतं तुकार्पसं वादयं चतुर्णाम् ॥ कोषयं किमिकाषात्संवाक्यं च
 गवामङ्ग ॥ ११५ ॥ अनाहृतं निषुवानितं तु कश्चन वाच्यं ॥ गत्या इह मनीर्यं यद्योतया वस्तुयार्थं ॥ ११६ ॥
 पञ्चार्थं (भोतकोषयं वस्तुमूल्यं महाधनं) ॥ क्रोमं इह लं स्याद्वह्निर्वीर्यं पावर्तं विष्णु ॥ ११७ ॥ क्रिया वस्तुत्व
 मस्य दमः सर्वं क्रियावर्था ॥ देह्यमायामश्नाहपविताहाविभातना ॥ ११८ ॥ पटवर्तनीर्जुवस्तुसमो न
 कककर्पटो ॥ वस्तुमाद्यदनेवास (चलस्वसनमंगुली) ॥ ११९ ॥ सर्वलकपटान् क्रियावर्तानिष्टसमाटकः ॥

खान्द
 व्यायानाम् २
 लकपटम् १
 इयानाम् २ नायडाम् ३
 हिह वस्तु १

१ वाक्पदानां वाक्पद

१ आसंकाप

॥ १७० ॥

मिसाल ६२

वाक्पदानां वाक्पद

उत्तरपदासि २

निधालं पञ्च दय ८॥ समोललं कर्म के बो गं भूत नीयाय संयानय विधाना न्यधं शु कं ॥ १७१ ॥
 तथा ॥ १७१ ॥ सव्यात मूल ची यं वधानः कर्पा मका क्षियौ ॥ नीमानः स्या त्या वत्र (ह) हिमानि न निवा व (त) ॥ १७२ ॥
 अर्धवर्क वत्र ४ लुपी स्या च अतक संशु कं ॥ स्या लुषा सप दी नै ग त्या प्रा त्या उप दी हिय ॥ १७३ ॥ अक्षी विगात्र ५२
 म सौ चो इष्या यं वलु व मनि ॥ उति सी राज मनि का स्या हि व स्या च दी च मा ॥ १७४ ॥ प वि क र्मा र्ज सै स्का वः स्या स्या
 वि र्मा र्ज ना म जा ॥ उ द र्मा ना च द न द स म ज्ञा स्या व स्या स व ॥ १७५ ॥ स्त्रा नै व र्मा रु वा र्मि कं स्त्रा स का थ उ वा ध नै ॥

उदरुनया १ इत्ती २ इजपनासि ३ चिर्गतिहाया १ गंडुया २ पाग (थ) चा ५३ स्या नया हा १

५२

वाक्पदानां वाक्पद

१ न साक वलु की द्या

कस्तुची वया २

विर्गति १

सज्जि नया ३

अनूवा ४ पञ्च लखा पञ्च लुति विम सम ॥ १७६ ॥ तमा ल पठं तिल क श्रिय का नि विम ष कं ॥ द्वितीयं च उ वी र्यं च न
 क्रिया म ध र्म क र्म ॥ १७७ ॥ का म्यो व ज न्मा मि सि खा व व वा क्षी क पी ग नै ॥ व क र्म का च पि पु न धी व चा हि क व
 च नै ॥ १७८ ॥ ला का चा का उ कु क्षी व या वा ल का रु मा ल य ॥ ल व र्ज य व रु स र्म शा र्म रु म थ जा य कं ॥ १७९ ॥
 ॥ का ली य कं उ का जान सा र्म श्र ध स म थ कं ॥ व मि का गु व वा जा र्म ला रु कि मि ज जा रु कं ॥ १८० ॥ का ला गु व
 गु व ४ स्या उ म रु स्या म नि ग धिय ॥ य क ध प ४ स र्ज व मा वा ल स र्व व सा व यि ॥ १८१ ॥ व रु व पा प थ व कः

अंशुना १ उत्तर १ अलनपाना ३ जिह्वा २ सिद्धाय १

काशधूपः

कस्तुरि ॥ ११३ ॥

शीखंड ३ मीतः

जिह्वा ४

थकादाकः

धूपरुजिमधूपको ॥ उक्क ४ पिठुक ४ सिक्काया वनाप्यथ पायसं ॥ ११२ ॥ श्रीवासावकधूपपिशापिष्टमत्रसर्वो
 मगनाहिर्मगमद ४ कस्तुरीचाथका नदी ॥ कक्षातर्कका वरुलमथ कर्पूरमस्तुयी ॥ घनसात्रधुसंरु ४ सिगाका
 हिमबालूका ॥ ११४ ॥ गन्धसात्रा मलयजारादुशीचयनोक्तुयी ॥ तेलपट्टिक (गन्धीर्धरु निवचनमस्तुयी ॥ ११२ ३०
 ॥ तिबपट्टि उपजा ३ व ३ नैवकाचयनी ॥ कचयनीचाथजाति काषजातिरुलसमं ॥ ११३ ॥ कर्पूरा गुडकस्तुवि
 ककोलेर्यककदमी ॥ गजानूलपनीवर्हिर्वरु कस्यादिलपनी ॥ १११ ॥ चूर्णनिवासयाग ४ स्पर्शविनीवासि
 कर्पूर ३ चकचयनी ३ दिहाडा पानाया १ धूपसकाठा १

सपत्रसन्नुहाखी २

काशमदुहा २ अधिवासधूपः

शकालागसकखाया मावायानामः

तंलिष्ट ॥ संस्कात्रा गन्धमान्याद्येत्यालुदधिवासनी ॥ ११४ ॥ माल्यमाना गुडो मूर्च्छिकं गम (धु) गन्धक ४ प्रशुष्टक
 मिखासंविष्टवान्यस्तुलामका ॥ ११२ ॥ पालसमरुलमिष्टस्यालुदधे कर्ककं तुलाम ॥ यलिर्यककिफमत्र
 सिमिखाम्यापीठमघनो ॥ ११० ॥ चवनाम्यास्य विम्यन्ध आरुग ४ पविष्टुता ॥ उपधानैरुपवर्तुग्यायीभय
 नीयवत् ॥ १११ ॥ गयनीमत्र पर्यकपल्यका ४ खड्ग्याः समाः ॥ गडुक ४ कडुका दीप ४ प्रदीपः पीठमासनी ॥
 ११२ ॥ समजक ४ संपूठक ४ पुतिगरु ४ पतजुद ४ ॥ प्रसाधनीक कृत्तिका पिष्टा ४ पितवासक ४ ॥ ११३ ॥ दण्य
 लासा २ ३ सप्तसद्याहाखी १ गवयग्नं रुगा २ खाना २ कर्क १ प्रजायानग्याखी ३ रुगा ३ मत्त २

पट्टिगा १

मिथ्या १ द क झ क झ ३

श्रीमयान
या कल ३

वृक्षवाचीक १

मियाजअचंतयाक २

जहयाक ३

जहयानाम २

पवंपचासिअक १

सवृक्षवाचि१॥ ११ ॥ मणीथीथेकगुनवस्थितवानमिसिचि॥ पावंपयापदमहस्यादेतिमितिहावयं॥ १२ ॥
 उपज्ञानमायस्याज्ञात्वावक्रउपकंस१यहसर्वोधवायाग१सफतकुर्मख१कुं१॥ १३ ॥ पाअरामश
 निधीनीसपर्यंतप्येतेवलि१॥ १४ ॥ पंचमरायेशवक्रयज्ञादिनामके१॥ १५ ॥ समझापविषीगणीसतास
 मितिसेपद१॥ अज्ञातकीवमाकानकीनपुंसकथा१सद१॥ १६ ॥ पार्वीस१प्राग्विर्गलसदस्याधिधिदिमि
 न१॥ सतासद१सतासाजा१सत्या१सामाजिकाथ१॥ १७ ॥ अधर्युजागुहागावाय१सामर्गिद१कमा१॥ अ
 वदसअपि१

गुहाशयाक १

सतासंवाहपि१

२ संदनुसताया

वदसअपि१

स्वताजानिमि ३

मिदजि २

वदसअक १

पविदयाहमि ३

मिधामासि २

जहसाजाउमि १

ग्रीध्राशधनेर्वार्यामलिजायाजकाथ१॥ ११ ॥ वेदीपविहगारुमि१समस्कृतिनचत्व१॥ चवासायूपक
 टक१कम्पासहारुनाटि१॥ १२ ॥ युपागुतर्महिर्मन्त्रदायुतिलवतिर्हया१॥ दक्षिणामिर्गर्हपत्यारुवनी१
 थोउयात्रय१॥ १३ ॥ अग्निगुयमिर्दुतापती१संस्कृतानल१॥ समूय१पविवाय्यापचार्यावग्नोपया
 गिन१॥ २० ॥ यागरूपप्यादानीयदक्षिणामि१पतीयत॥ तस्मिन्नावायथायसीस्वाहाकीरुगुक्षिया॥
 २१ ॥ अस्माभिधनीधायोवयास्यादग्निमनिधन॥ गायत्रीपमूर्खदुदाहवपाकच११॥ २२ ॥

हामयाक
जागी ४

हामवाक ४

वाकवाहा १

अग्निवासी २

चरुजा १

सुनाया ८३ श्रीनजा २ मिगसा १ जहससा ८ पशु ३ जहससा १ लखनहाया पशु ३

श्रीमद्भागवतसुखा श्रीनमोदधियामृतं॥ धृतिर्गर्वजनैतद्यद्विर्गमनचर्मतां॥ २३ ॥ पृषदाद्यं सदध्याजी
 पत्रमात्रं लपायसं॥ सुखकथादेवपेण चान्नपाणीश्रुवादिकं॥ २४ ॥ शर्वोपरुक्तं कर्त्तुं उक्तं वारुदाः शर्ववर्ग
 यः॥ उपाकृतं पञ्चमो यारि मन्त्राद्गुणजो॥ २५ ॥ पत्रं पत्रा कं गमनं शंकरं च वधार्थकं॥ वाक्यसिद्धिः प
 मीनायः संपन्नः शक्तिगुरुः॥ २६ ॥ सत्रायै रविशोभोत्तुर्गं विष्वक्कृतं॥ दीक्षाकाश्वरुः (धायः कुरु
 र्मुर्दुःखयुहियं॥ २७ ॥ विष्वक्कृतं कर्मष्टं पूर्णं स्वानादिकर्मणि॥ अमृतं विद्यमायः (अपराजितं (अप

जह्या वस्तुदक १ स्थापय २ जह्या १ जह्या १ धनशायनशयवस्तु २

जह्यासख१ पिशदानया३ दानयानाम२ त्यागयाय१ शिकयानामनकि
धदानवियाया२ दानया१

[illegible]

७ राय कायानामः

रुग्मिन् १ रुग्म्या २ पितृ क्रियाया ३

हृदिनया ।

नवचायका ३

(मवायानामः
नवनमः ३५३)

वादाक्षान्तिः १

मानवार्थः २

एजायानाम१

पायुर्लुकाः पादुकाधारा लान लुगेवर्वा ॥ ३४ ॥ पूजानमस्याप विनिः सपर्यार्वा र्दना समा ॥ व विवस्या
 दुःख कृषा पवित्र्या पपां सन ॥ ३५ ॥ वृक्षादाद्या पर्या गनै चर्या स्त्रीर्या पथं स्थितिः ॥ उपस्यर्वा स्वावम
 नै मथ भोनमरां घटी ॥ ३६ ॥ आनृ पूर्वा स्त्रियां पावृ स्य विपाटी अनृ कमः ॥ पर्याय श्रानि पाण लुस्या स्य ॥ ३७
 र्याय उपा लयः ॥ ३८ ॥ नियमावतम लुगना पवासादि पृथक् ॥ उपवर्तु रू पवासा विवकः पृथ गान
 ता ॥ ३९ ॥ स्या दुर्गव चर्वा सै वृत्ता ध्ययन द्वि र्थां जनिः ॥ पा १० वृक्षा क्रान्तिः पा १० विष्णु धावन्त विद्वत् ॥ १०

१ सांज २ साजस्य ३ पंचपदा ४ विनर्ति ५ उपास ६ कथं ७ गत्या ८ पाथं ९

संस्कारपञ्च २ ध्यानसप्त १ लोकप्रयत्न विधि १

॥ ३२ ॥ ध्यानयोगसप्तवक्त्रासने कल्पविधिकर्मो ॥ मुख्यस्यात्यथमकल्पानकल्पसुतताधम ॥ ४० ॥
 संस्कारपूर्वगुरुस्य इपाकत्रयीशुभ ॥ समदुपादगुरुसमहिवादनमिरुसं ॥ ४१ ॥ शिञ्जपत्रि
 वारुकर्मद्योपावागम्यपिमस्करा ॥ नपस्वीतापमपात्रिकीकीवाच्यमासुनि ॥ ४२ ॥ तपःशुभ
 सहोदातावह्निना उक्तवाविद्य ॥ अष्यमप्यवचमस्त्रागकल्पासुतवता ॥ ४३ ॥ यनिर्दिष्टद्विद्यया
 सायतिनायनयशुभ ॥ यस्तुतिवतावमाचुतस्तुतिभार्यसो ॥ ४४ ॥ स्तुतिस्तुतिविजयस्तुमग ॥

शुभाशुभा १ तपः २ शिञ्जकयानाम ३ वेदार्थ १ अर्थाव २ तपसीयानाम ३ सन्यासी १

आरुदुः

३ सामगर्धय कामुल

पवित्रकयानाम

कुरुविया

जपयाय

तिकादानमा

सूक्त्यातिग ॥ पवित्र १ प्रयत १ पूत १ पावकु १ सर्वलिङ्गिन ॥ ४१ ॥ पासा (मादुआखाटावकवांरमुवे
 तव १) अस्तीकमहल १ कृतीवतीनामासनं वषी ॥ ४२ ॥ अजितं चर्म कृति १ मी १ क्री १ तिका कदम्ब की १
 स्वाध्याय १ स्या ३ प १ सखा रिषव १ सवनं च सा ॥ ४३ ॥ सर्वेन साम पर्व सिजप्येति स्वयमर्ष १ ॥ दर्व १ ॥ ३७
 पुरिमा सध्या (मोयक्रानया १ प १) ॥ ४४ ॥ मवीरमाधनापकं निर्ययत्कर्म गद्यम ॥ नियम सुसय
 कामानि एसागनुसाधनं ॥ ४५ ॥ कोर्वसूरशकजतीसु ३ नवयनं विषु ॥ कक्रापटीचकोपीनीभीटीव

ममनिकाया

पकांगपडा

मार्गसंभार

निरकर्म

कयताविय

पवित्राकातीर्थ जानाविय

काखायावसुका

सुतीतिलकत ॥ ५० ॥ उपवीर्ययसूतु १ पाहकं दक्रि (क्षक १) ॥ पावीर्य वीरमन्यमिन्ति वीरं कल्लमि
 ती ॥ ५१ ॥ अंगुत्य (गुतीर्थ देवीस्य स्यांगुत्या मूलकाय १) ॥ मर्धंगुकी गुत्या १ प १ मूलकं गु १ स्य वा १ ॥
 ५२ ॥ स्यादुक्तसूर्यवृक्षलंबवृक्षसंयुक्तमिरुपि ॥ देवहयादिकं नदहृकुंसाकपनादिकं ॥ ५३ ॥
 सन्यासवपन १ न प्रमा स्याय १ धवीरहा १ न छात्रि १ रुद्रालासात्मि (धर्यापथकल्यना ॥ ५४ ॥
 बाप १ संस्कारहीनः स्याद १ ध्यायानिद्राकृति १ ॥ धर्मधजातिमृदुलियवकीर्तीकृतवत ॥ ५५ ॥

हापचिन
यांमका

संस्कारहीनका

उक्ताशय

उक्तसूर्यमा १ साह २

विवाह ३ थाकात्रिककात्री २ वृत्तसदमदप्रपार्ययाय १ कार्त्तिक ५ २ तज्जम ३ १

सूक्तयस्मिन्नस्तुमहिस्तुफयस्मिन्नयमिव ॥ अंशुमानसिनिर्मकारुदितो गोयथाकसे ॥ ५४ ॥ परिव्रजानुजा
नूतं धृष्टदात्रपविशुक्तं ॥ परिव्रजिमुक्तकृत्तयान् विवाहाय यथोसंभो ॥ ५५ ॥ तथा परिव्रजया द्वाहाय
यो माः पाति पीतनी ॥ यवाया अम्यधर्मश्च वतत्रिभुवनैव न ॥ ५६ ॥ शिवः शोधर्मकामार्थे चतुर्वर्ग ॥ ५७ ॥
समाक्रुको भ्रासवसे स्ते चतुर्गुणः अन्त्याः सिग्धाववस्य ॥ ५८ ॥ शिवः सवर्ग ॥ ५९ ॥ मूर्ध्नि लिपि
को वाजन्त्या वरुजः क्रिया विना ॥ वाही वाट् पार्थिवः आरुन् पुरुषमही क्रित ॥ ६० ॥ वाजा उपस
चतुर्वर्गयानाम २ १ वाजायानं वनदानवाक २ उमंगयानाम ३ केशी १

मवराजा २ महावाजा १ वाजरीया कनाजा २ दकृथीयायाजा १ प्रधानक ३

वाजवर्ग यानाम ३ नाथ ४ मास कु ४ स्यादधीश्वर ४ वकावली सार्वतोमानुपायामस्तु सन्वद ४ ॥ ५१ ॥ यनष्टे नाजस्य नमस्तु
लस्य चन्द्रश्च ४ ॥ स्वाह्यामास्तिय ४ नाह ४ समं मातु धं वाजक ॥ ५२ ॥ वाजन्त्यकं च नृपतिर्क्रिया शीमा ४ पूनहि ३
कुमार ॥ मकीधी ४ सविवा मात्पा ४ त्यकर्म सविवास्तु ४ ॥ ५३ ॥ मरुमाजा प्रधानातिपृथ्वधामुपनादितः
॥ इष्टविव वरावाही पार्थिवको क्रुदहीको ॥ ५४ ॥ पतिहाय द्वात्रपासहा ४ रुहाः स्तितदर्मका ४ वकिव
ग्रेस्वनी कस्तारथाध्वक्राधिकृतो समो ॥ ५५ ॥ सायुकाधिकृतो अम (माय) अमपूरुविपू ॥ शोचिकं ४ कनका
काट ३ १ २ १ व्यवहारीया २ ३ मंगीयानाम अदीकयमंथ १ वाजपात्र २

५५५ नवमकोट गाडी २

म. कु. यानाम २

आखिल जगत्तमः

इत्यानाम१

राजगुह्या २ राजांगयानाम १

राजनीतिसिद्ध्या २ कलवतचलयानाम १

॥ ६० ॥

दं दयानाम ३

राज ७
तापया ३

न्यः पोत्राता (गुह्या पित्र) ॥ ११ ॥ सन्धिर्न विगुह्या न मासने द्वे धमा अय १॥ षष्ठ्या ६॥ कय क्रिया १॥ पुरा
वात्सादम कुजा १॥ १५ ॥ क्रयः स्तन कृद्वि श्रितिवर्त्तनी ति व दिनी ॥ सपना पपुता व श्रय रुज ४ का
षट् उज ॥ १६ ॥ रुदा दधुः सा मयन मिरु पाय श्रुष्टय ॥ सरु सं रुद मा दधुः सा सः सां त्व मथा म मो ॥ १७ ॥
दाप जाषा वृष धा धर्मा धैर्य त्य विक्रुती ॥ पवति षप दक्री सां यरु नीयाय (मा च व १) ॥ १८ ॥ विविक्त वि
जनं कन्न निः शलाका कथा चरु ॥ चरु (शपो मुवा सि) न वरु स्यं न रु व गि पू ॥ १९ ॥ स मो विप्र रु विष्वा सो

सामयाना
म ३
३६

विस्वास १

रुदयानाम २

राज उपाय धाय ३

चका कर्त्तव्य १

निष्वाही कम वम वा ज त्वं २

यूकया २ ताका गुह्या न सिद्ध्या १

तत्तमाया २

१ जागृगुयानाम

वियगु ३

इगदद ३ जगुयानाम २

उषा र्जसाय (अ विर्त्त) ॥ अश र्वा न्याय कल्या रुद म चूर्प म मी ड र्त्त ॥ ६३ ॥ यक मो पयिकं न र्त्त रुज माना रिनी कुव ॥
साय र्त्त रिपु षट् र्त्त प धा न ना रु स म र्त्त न ॥ ६४ ॥ अ व वा द रु नि र्त्त (मा नि र्त्त म १ सा भ न र्त्त म १) मि र्त्त श्रा ज र्त्त र्त्त
रु उ म र्त्त दा धा न र्त्त रि ति ॥ ६५ ॥ आ (म प ना) धा म रु यु स म रु दान व र्त्त न ॥ दि पा र्त्त दि गु (सा दधुः रु म १
(धैर्य क ना व ति १) ॥ ६६ ॥ घट दि द र्त्त गु का मी प्रा रु र्त्त रु प द म र्त्त ॥ उ पा य न म प र्त्त र्त्त स प हा व रु (था प दा ॥ ६७ ॥
यो र्त्त का दि रु य र्त्त र्त्त स दा या रु व र्त्त र्त्त य ॥ तत्त काल र्त्त दा त्वं स्या इ रु व र्त्त काल ज्ञाय ति ॥ ६८ ॥ सा नृष्टि र्त्त

संदभाया
व रु क २

कन्नकायगु २

दस्तुनयानाम ३

राजराग २

अपनाध ३

तत्तायया १

जीयया न विया व रु १

नानासयया२ तिमलसयया१ जाजायानाम२ पत्रवक्रयया१ त्रयाघतया३ जाजायासिंहासन२

रुर्लमयः३ उदकः४ रुसमुरुमै॥ अष्टष्टं वक्रितायादिष्टस्वपत्रवक्रुं॥ ५२ ॥ मदीशुजामहिरयस्वपत्र
 पुरुचैरयं॥ पक्रियात्वधिकात्रः स्यात्तामत्रं पुष्कीर्तुकी॥ २० ॥ नृपासनीयलुरुजामनीसिंहासनैडनतां
 हेमचुर्लतापठनाइसुनपलकनग॥ २१ ॥ रुडकैरुः४ पुर्नुर्दंरुः४ झावः४ कनकांलुकाः॥ निवमं४ ५२
 निविषीषलं सऊननपलकरी॥ २२ ॥ रुस्यथत्रयपादातिः सनांगी स्यात्त्रुष्टयं॥ दकीदकावलोरुः४
 सिद्धिपदानकपादिप॥ २३ ॥ मर्गगजागजानागः४ कंजलावालतः४ कवी॥ रुसैरुचमः४ पश्रीयुथना

किसियानां१ सेन्यवक्राया जाजायचुड३ मरुहाडकिसि१ धनसनांगधाय२
 यवसुकया२

१ किसियानायक१ किसियामिराकी४ मरुकिसिया१ माकिसिया२ किसिचाया१ किसियाठगसया२ मदहाडकिसि१

थंरुयथप॥ २४ ॥ मदात्कठामदकवः४ कवरुः४ कलिभावकः४॥ पक्रिआगर्जिणामरुः४ समावृडाकनिर्मदो॥
 २५ ॥ रुक्तिर्कंगजगावचकविती॥ धनकावभा॥ गलुः४ कठामदादानेवमथः४ कचभीकवः४॥ २६ ॥ कू
 रोडपिः४ मिनुस४ गयाम्मध्यविडः४ प्रमान्॥ अवगुहाललाटस्यादिक्रिकालिक्रिकटकं॥ २७ ॥ अर्पा
 गदः४ अनिर्यासं कर्तुमूलउचुसिका॥ अधः४ कंरुस्यवाहितं सुतिमानमः४ क्षम्यच॥ २८ ॥ अंसनस्कंधदंगः४
 स्यात्प्रकं विंदजालकी॥ पक्ररागः४ पाधरा॥ गदंतागः४ रुयाः४ गुहः४॥ २९ ॥ दोपूर्वपश्चादं यादिदः४ मे

किसियाविंद१ २ कयर्पसिज॥ ठपालयादथया३ १ दंतयाजख सिंहासन२ किसिकपास३

जडाखडावाहा१

खंडावि२

किसिवियसिखन१

किसिनअत्र१

किसिवटि२

अंक्रम१

गणपतकमार्गं तां वेदकमालानं वंधसंनथं खलं ॥ १०० ॥ अथुका निग (ज) स्त्रीयां नृपं क (म) स्त्रीयां सिंहेयों
 वृषाकनाव वृषाया कल्पनासर्कनासम ॥ १०१ ॥ अथुका सुवर्णवर्णं परिष्कासक (थ) देशां वीरसमावहस्यं संस्रानां
 वानी उगजवधनी ॥ १०२ ॥ घाटका पीति उच गउचज्ञा थुचं गमा ॥ वाजीवाहा वं गंधर्वा रुय संधवसफयः ॥ १०३ ॥
 आजातया ॥ कलीना ॥ सूरिनीना ॥ साधवाजिन ॥ वानायजा ॥ पात्रसिका ॥ कांवाजीवाहि कार्या ॥ १०४ ॥
 जयुव (ध) मध्याया जवनसुजवाधिक ॥ एछा ॥ सोवीसिग ॥ कर्काव (थ) वाधात्रथस्यय ॥ १०५ ॥ वालकि (म)

कातनसंनकसि३

संनमधजहसुतया१

साधुप्रसंनकिसि२

वथसंन६ संस१

१ नानादमगजायलप्रकिसि

संस्रानावमद२

संस्रयासमरु१

संस्रयागसपन२

वगथुजसंन१

कस्यायानाम३

खाल३

नानामाथनहाअसंन२

लावामा (ध) वठवा ॥ वाठवंग (सं) ॥ पिष्ठाधीनेयद (ध) तदिननेकनगम्यं ॥ १०६ ॥ कस्य दुमधम (ध) नीरुषारुषा
 यनिस्वन ॥ निगलसु गलाद (ध) र्दलथीयमां थव ॥ १०७ ॥ आस्केडिनी (ध) विनकं थविनी वलिनी प्रुं ॥ गन
 या (सं) पंचधायाः धासा रुषाथमसिध्यां ॥ १०८ ॥ कविका रुखनीना (ध) गंरुं श्री वखव ॥ प्रमानं ॥ प्रुं श्री सुमसा
 रुसवालरुसुथवालधि ॥ १०९ ॥ पिष्ठाव रुलुठिनीयवा रुसु रुवि ॥ यानव की शिपू द्वा (ध) गता रुः
 स्यदनात्रथ ॥ ११० ॥ अथोपपत्रथ थक्या ननसमवायय ॥ कर्तुवथ ॥ प्रवरुनी रुयनं वसमनुय ॥ १११ ॥

वथयानाम१

क्रिपन२

संस्रयागतिहागा३३

क्रिगुंरथ१

संस्रयागिसाया२

पविनकडागुनथ१

वर्णानि १ असर्गनियया २ मञ्जुवावसन नञम ४ नकासहहिहामा २ लह्यानाम १ वपायकयानाम ३

कवचन ध्वंवित्रसुंथतनुर्वर्मदधनी ॥ १२३ ॥ उवचुदककनकाजगवः कवचास्त्रियां ॥ ग्रामक ४ प्रतिमुकाश्चपि
निअर्पि ३ नञ्चापिनञ्चवर्ण ॥ १२४ ॥ सत्रकावर्मिग १ सजादमिनायुठककट ४ ॥ त्रिआमुकादयावर्मरुतांकाचवि
कंग ॥ १२५ ॥ पदातिपरिपदगपादातिकपदाजय १ पञ्चपदिकश्चपादातीपरिसंदति ॥ १२६ ॥ १२
मञ्जुजीवकायुष्टयूधियायूधिका १ समा ४ ॥ रुगदस १ सप्रथागविधित्व १ रुतपूखवर्ण ॥ १२७ ॥ अपवा
इ १ पवकासोलकायश्चगगायक ४ ॥ धनोधनूमान्धादूकानिघंघसुधनूध २ ॥ १२८ ॥ स्याकायुवाह
उधुवनाजाकका १ धनूजाह १ वलाकायसञम २

धञसहाय कलधजाह २ मकिधञम १ सलिंजाह २ धञजाह २ पाजाहकयानाम १ कनुवाक ३ खंलजाह १

कायुवः १ साकि १ साकिरुतिक १ ॥ याष्टीकपालधधिकोयष्टि १ पत्रयुदतिको ॥ १२९ ॥ नेकिंशकारसिदतिहस्यां
समोपासिककोनिको ॥ वमीरुलकपादि १ स्यात्यागीवेजयनिक ॥ १३० ॥ अनूभव १ सहायश्चानुववा
तिव १ समा ४ ॥ पत्राग १ गुसत्रपद्धाशुग १ सत्रपूव १ सवा ४ ॥ १३१ ॥ पत्रागम १ पत्रागमीमदगमीउमेठ
व ४ ॥ जंघाला १ तिजवसुल्यो जंघाकविकजंघिको ॥ १३२ ॥ गवस्वीत्वविगावनीपजवीजवनाजव ४ ॥
जयाय १ मकन १ ऊजया १ नवमागुकी ॥ १३३ ॥ ऊजसु १ नायानक १ एलविद्विषन १ पुति ॥ सास्वमिना
लिपावाहर्पि २ जितययाकका १ वाह २ रुजाह २ रवाहजाह १

धनयानां २

त्रययानायकक २ समस्तनडा ६३१

५३२ य १५२३३३३३

वदापनाकमथ ३३३३

वाचंवावजिनययाकक २

स्वमितीयाप्यस्वमितीयाप्यपि ॥ १३४ ॥ उर्जस्व २१॥ दूर्जस्वीय उर्जाकि ११॥ दूर्जस्वीय उर्जाकि ११॥ दूर्जस्वीय उर्जाकि ११॥
धिनावथी ॥ १३५ ॥ कामेन मय नू कामीना कल्पनी न कथारु ११॥ दूर्जस्वीय उर्जाकि ११॥ दूर्जस्वीय उर्जाकि ११॥
१३६ ॥ सायनीनाव (ससाधू ११॥ सुजीवा दयस्वि ११॥ धिनी बाहिरी सनाए ११॥ नीकिनी च ११॥ १३७ ॥ १३
वधुधिनी वली सन्य चर्ज चानी कमस्त्रिया १॥ वरु सुवल विन्यासा रुदा दयु ११॥ १३८ ॥ पत्तासावा १॥ दूर
पाकि ११॥ सनाए ११॥ पवि ११॥ चक ११॥ कव ११॥ धा ११॥ स्वा ११॥ पकि ११॥ पत्ता ११॥ पदा ११॥ १३९ ॥ १३९ ॥ पत्ता ११॥ पदा ११॥
संशमसनिप्रन ३ गमुमतासु ३ थमस ३ ११॥ धियासे ११॥ वचं ११॥ मना ११॥ याना ३

संशमसनिप्रन ३

गमुमतासु ३

थमस ३ ११॥

वचं ११॥ मना ११॥ याना ३

किसि २१६१०

स ३ ५५५१०

त्रय २१६१०

वपायक

१०२३१०॥

जमा ३॥

२१६१००

धन ३३३३

हिनिधाय

जानासेययानाम १

संपरिचयानाम २

विपरिचय २

अनीकिनीसेख्यायानाम १

गमुयानाम २

अनीहिनीयानाम १

मादाख्याय (था ११॥ सनामूरु ११॥ सुत ११॥ वाहिनी ए ११॥ च ११॥ १४० ॥ अनीकिनी द ११॥ नीकी ११॥ म्या ११॥ का ११॥ हि ११॥ थ ११॥ स ११॥ म्य
दि ११॥ स ११॥ म्य ११॥ हि ११॥ थ ११॥ न ११॥ सी ११॥ थ ११॥ वि ११॥ च ११॥ सी ११॥ वि ११॥ प ११॥ पा ११॥ य ११॥ दो ११॥ १४१ ॥ आय ११॥ ध ११॥ व ११॥ पु ११॥ रु ११॥ व ११॥ सी ११॥ स ११॥ मु ११॥ म ११॥ मु ११॥ स ११॥ थ ११॥ म् ११॥ यो ११॥ ध ११॥ न ११॥ थ ११॥ यो
ध ११॥ च ११॥ म ११॥ वा ११॥ स ११॥ न ११॥ का ११॥ द ११॥ यु ११॥ का ११॥ म् ११॥ के ११॥ १४२ ॥ र ११॥ वा ११॥ सा ११॥ य ११॥ थ ११॥ क ११॥ र्क ११॥ स्य ११॥ का ११॥ न ११॥ ए ११॥ व ११॥ म ११॥ वा ११॥ स ११॥ र्क ११॥ क ११॥ पि ११॥ ध ११॥ उ ११॥ म्य ११॥ ग ११॥ सी ११॥ व ११॥ ग ११॥ सी ११॥ व ११॥ प
न ११॥ पू ११॥ र्क ११॥ १४३ ॥ का ११॥ दि ११॥ च ११॥ स्या ११॥ ट ११॥ नी ११॥ (ग ११॥ धा ११॥ न ११॥ ला ११॥ का ११॥ या ११॥ ग ११॥ वा ११॥ च ११॥ ॥ ल ११॥ क ११॥ क ११॥ मु ११॥ ध ११॥ न ११॥ म् ११॥ ध ११॥ म् ११॥ वी ११॥ का ११॥ सि ११॥ जि ११॥ नी ११॥ गु ११॥ र ११॥ १४४ ॥
स्या ११॥ त्प ११॥ नी ११॥ र ११॥ मा ११॥ सी ११॥ र ११॥ मि ११॥ ला ११॥ दि ११॥ स्या ११॥ न ११॥ प ११॥ र्क ११॥ ॥ ल ११॥ र्क ११॥ स ११॥ र्क ११॥ म ११॥ व ११॥ वी ११॥ च ११॥ म ११॥ वा ११॥ स ११॥ उ ११॥ पा ११॥ स ११॥ र्क ११॥ १४५ ॥ ए ११॥ व ११॥ क ११॥ या ११॥ वी ११॥ वि

गं दी व धन २

धनू कयानाम ३

थानकाय गुया १

रवि च यानाम २

वलायानाम ३

वनाजाना १

धनू कयाना २

वनाकनयानाम २ खज्या ४४

उसधहाहाना २ धावशयानाम १

धरुवजयानाम ३

नाहान
यानी ३

भिरवाजिजिगखमाशुगा॥ कलममार्गसभजाः पजीयापः प्रकथा॥ १४५ ॥ पुनदनासुनाचाः पकावा
 जलपूरुच॥ निवक्तुः पुदिगवाः सविषाकदिग्धनिफको॥ १४७ ॥ ललायासं गहनोनविषं गः प्रधिर्द
 या॥ ललायं वः पुनिर्लिभच नुहामासि विष्टय॥ १४६ ॥ कोधयकाम तुलागु कचवाचः रुपाशवर्ग॥ १४८
 लसुः खज्यादिमुष्टोसां नखलानत्रिवन्धन॥ १४२ ॥ रुलकामी रुलवर्मसंशदा मुष्टियम्यय॥ रुघना
 मरुचघनोस्यादीलीकवयालिका॥ १५० ॥ निदीपालः मगसुखोपविष्टः पविद्यातनः प्रथाकभवः
 मंगल १ खज्यापताक २ नथक १ धावशयानाम २

कटकमह ३ नामनयाना २ पायानाम १

जिनयशजया ३

कोशयानाम २ रुपियानाम १

रुथालाहयानाम ३

पत्रशस्त्रधितियपत्रधध॥ १५१ ॥ म्याकमीयासिपुत्रकुत्रिकायासिधनका॥ वापुसिगत्यं गं कनासर्वला
 नामुलामिर्या॥ १५२ ॥ पागमुकुककासकुमियः पात्यभिकाटयः सर्वकिसाचः सर्वघः सर्वसंनहना
 थक॥ १५३ ॥ लाहानिसावाः मुरुतीवालीनावाः जनाविधिः यस्मप्रयातिगमनमबोतदतिघसर्त॥ १५४ ॥
 याणावयाः किनिर्मादीपुष्पार्नेगमनेतकः स्यादासावः पुसवर्गीपुत्रकवनिताथक॥ १५५ ॥ अदिगान्यस्य
 नीतस्यवलायानमलि कुमः वेगालिकावाधकवाचिकायालिकार्थको॥ १५६ ॥ म्युर्मागधासुमधुः
 रुथालाह १ नामनयाय २ नातसह १ जाहडाह २

॥ अस्याधः सन्निधाय ॥

मिथुनिय्या१

दाहायानाम३

एक यानाम १ गंजराया ३

वृक्षानाम२

[illegible]

नासहया ३

स्याः षाया नाम १

सि क यार स्या डा १

इसमइया ३

दक्षिणेश्वर स्था ४१

सुभानयानाम ३

वैशाख ३

सिकंदरिया

[illegible]

जाहार
याया२

म्यानकउमल१

विद्यारूपा

प्राशयानामः

मन्त्रक २

धनवेभ्यानाम॥

पञ्चतन्त्र वनकाय

दशमः प्रश्नः

म्याहवाहयानाम् ।

श्री का अनयया ३

ज्ञानमहाभारत

वंशाख्या २

काव्ययज्ञ

[illegible]

स्वाय३

वैशाखाअनय१

कृतकायाअनय२

वहहालाया१

कलकाया डानय २

हृदिनिधानं १ तच्छास्त्राव्यानाम १

एकद्वयधन३

अपिनाश्यानामः

निपाताऽर्थादु ४

कौण्डिलकौयवादिहवनैदियत्तु। किल्लंहेलीनवन्माषा माधरंगादिनूपका॥ ॥
 सौशीलकोठवीक्षादिः। नपधान्या रुवक्रमं॥ ॥ याश्चया फीया विनकं नि
 निमया मायमिच्छंका। उरुमत्तुधमत्तुहोपया रुका रुकोकुंसा॥ १० ॥ वीजा रुतं रुफ रुष्टं सीर्यं रुष्टं
 चरुस्य वत्तु। विगुत्ता रुतं रुक रुतं निरुत्तं निमीमत्तुपि॥ ११ ॥ गत्तिन्दिगुत्ता रुतं रुष्टं संवा रुतं तथा॥
 डात्ता रुकादिवापा दोशती कोठकिका दयः॥ १२ ॥ डात्तिका॥ खात्रीवाप सुखात्रीक उरु मत्तुदयः मिष्टु। पूत्र

हाशमं प्रमाणया २

जिह्वाप्रसा

नया वृत्तानाम् ।

सा पारसाभा हा तुं ३

सुखादिभ्योऽपि नाबं०

चंद्र २

व्यानाम १

हास्यानाम

कक्षाचार

मह २

व्यानासिया १

सिंहिकी ३

शील २

पुंसकथार्वपःकदाचःक्रमस्य ॥ १३ ॥ कदाचकं स्यात्कोदार्यकं कदाचकं ग(ह)लाह्यानिहृवप्रीसिका
 टिभासहरदने ॥ १४ ॥ प्राजनं गादनं गां रं खनिगमवदाचर्त ॥ दार्तं सविर्गुमावं ध्यायां गुं या कुं स (पा) रुने ॥
 १५ ॥ निवीर्गकटकं दत्तः कषिका सागनं रुने ॥ (ग) दाचर्त सी वं वं मस्या म्नी युगकी न कं ॥ १६ ॥
 श्रीमालाकृतदत्तः स्यात्सीनालाकृतपदतिः पुं सिमधिः खयदाचन्यक्तं यत्यमुर्वधनं ॥ १७ ॥ आधुर्वी
 हिः पाटलः स्याद्विगतं कयवो म मो (ग) का सुतं गुरुविनकलाय सुसती न क ॥ १८ ॥ रुवधुखमुको वास्मिन्

नारथि १

शीमि २

मन्त्र १

हाससि २

कयग १

विष् २

रस १

शीका २

कागा १

हास २

मखवि १

का २

प्यात २

मंग १

काता २

उति १

काचद्रुवसुकाडव ॥ मंगत्यकामसुवा र्धमं गच्छकमयच्छको ॥ १९ ॥ वनमं (ग) स र्धपुद्धो रुद्रकदम्बको
 सिद्धार्थस्त्वधवला (ग) धूमः समनः समी ॥ २० ॥ स्यायावकसुकन्या घे च नका रु चिम रु उ ॥ धोतिस
 गिलपि अथ तिसयजथ निरु ले ॥ २१ ॥ कवः कृधातिजन नावाजिका रु क्लिका मनी ॥ स्त्रियो क रु पियं गु
 वं जगसी स्या इमा रु मा ॥ २२ ॥ माठलानी डरं गयी वीरि रु दस्त्रनः प्रमान किं ॥ वः मग्धं रु कं स्यात् कनिर्म
 मग्धमं जनी ॥ २३ ॥ धान्यं वीरि रु कं वक विरु वा गु रु रु या दिन शूना जी नो र्त्त च का (ग) रु स्य पला सो म्नी मनि

वियं गु

आगुजी १

तिसि १

मास २

प्रआ १

पल्का ३

कागसि १

कमलि १ अज्ञानिया नाम ३ प्रजावायानाम २ मया नाम १ कलक गुडिया नाम २ ध्याना नाम १ नमन्या नाम ३

म. लं ॥ २४ ॥ कडुगना वृषं क्राव। धान्यत्व विप्रसां सुर्वं। मकासी अकृती आ। वममी सिम्बा विष्टरुव ॥ २५ ॥
 अडं आवसि रंधा न्यं पुटं उव रुनी कर्तं। माषा दय ममी धान्यं क धान्य य वा दय ॥ २६ ॥ अल य १ क स मा या
 ध प षिका या ध र्प स्य मी। ए ध धान्या नि नी वा या ४ रु ग व धू र्ग व ध का ॥ २७ ॥ अ या व म म ग सा सी स्या ई ड घ ॥ २८ ॥
 न म ल ख र्त्तं। पु स ड नं स प म सी वा ल नी ति त र १ ए मा न् ॥ २९ ॥ स्य र्त्तं प म वी का (गु) स पि टा क ट क मि ड को ॥
 स मा नो त्र स व र्त्तं गु पा क ल न म रु स ने ॥ ३० ॥ शो वा ग व रु द धा क स प का सु व न वा ॥ आ वा सि का आ ध

उरु र २ ता सा २ उं उ ति १ स वि वा २ ना हा अ ३ स आ १ धा मा २

ध प या नाम २ स अ सा १ प्र सा या नाम ३ म्वा क हिं ग्वा २ म धि रु क १ धा ना प्र म ३

मिकाः स उ अ द ति का गु ना ॥ ३० ॥ आ पृ पि क १ का लु वि का रु क का व ॥ म रि ष १ अ म रु म र्त्त म धि गु य ती च
 नि य न्ति का ॥ ३१ ॥ अं ग व धा नि का अ य स क य पि रु स न्ति पि ॥ रु स न्ति य ध न रु सी स्या दी ग म वा ता त म म्
 क ॥ ३२ ॥ शी व म्ब जी र्त्तं गु र्त्त ना क लु र्वा म्ब द नी स्ति यी १ अ र्त्ति ज न १ स्या स ति क १ क र्त्त यो नू र्ग स न्ति का ॥ ३३ ॥
 पि ठ नः स्या स्या क रु क ल म सु रि ष ड य ॥ घ टः क ट नि पा व सु ग वा वा व र्त्त मा न क ॥ ३४ ॥ म जी क पि ष
 प व र्त्त क सा सी पा न रु ज र्त्त ॥ क रु १ रु रु १ स रु पा र्त्तं स वा न्ति क रु प १ पु मा न् ॥ ३५ ॥ स र्व मा व प र्त्तं रा रु पा

धा धा सि १ अ ल च १ क ल म या नाम २ रं अ त १ ध न घ ग र प २ शो व १

हिं क
ले ३

कलम २ पातयानाम १

विसवाल २

जील ३ तलुयानाम १

रुकजील २

तलुसि २

भाकपान १

गामकुवराजने ॥ दर्विः कम्पिः खजाकावस्यारुइदावदसक ॥ ३७ ॥ अस्मीमाकं रुविनकुमिफुर्वस्य उनासिको ॥
 कलम २ कलम २ कलम २ कलम २ कलम २ ॥ ३१ ॥ किलिडी कलुवुजं च वक्रासमथवज्जं ॥ मवीवं कालकं रुकु ॥
 मवर्तधर्मपरुने ॥ ३८ ॥ जीवकाजव (भाजाजी कला रुकुजीविक ॥ ३९ ॥ मवतीकाववी एथा एथु कासापकी विद ॥ ४० ॥
 का ॥ ३२ ॥ जाडकी रुकुवर्तस्यादथ च जाविनुत्रक ॥ ककुवुववधाम्याकं मथसुगीमलोषधं ॥ ४० ॥ मुनयेस
 कथाविश्वेतागवविश्वरुषजं ॥ जावनारकसोवीचं रुसावाहिदुजानिव ॥ ४१ ॥ अवकिमामधन्यालकं ज
 रुकजी १ मवीच ३ पातयानाम २ साहन २

स्वधयानाम १

मधचि ३ दल २

हियानाम १

वसचि ३

वियानाम २ दिगुघटी १

लानिचकीजिक ॥ ४२ ॥ तलुयु मधीजुर्क बाझीकं दिगुयाम ॥ ४२ ॥ तलुयु काववी एथा वाषिका कववी एथु ॥
 निर्भाकाका अमीपीगाद निडावववदिनी ॥ ४३ ॥ सामड्यं तुलवती अक्रोवं वसिचं वन ॥ मधवासीधी
 ममिर्व माहिमन्तं वसिधुजं ॥ ४४ ॥ जोमक वसुकीपाकं विरुचक कदर्यं ॥ सोवचं सकवचं कलिसकं तलुम
 चक ॥ ४५ ॥ मल्लुगी कादिर्तखंडविका जोमक वासिगा ॥ कर्बिकात्री व विरुगिः स्यान्नसासा तुमार्जिगा ॥ ४६ ॥
 त्यारुमनं तुनिष्ठानं गिनिं गां वासिगा वध ॥ मल्लाकं रुकुजिर्न च धस्यसखी तुपे ॥ ४७ ॥ उदरुमोददधि
 रुकुसावाह २ तवालइवा १ साखन २ पाखयाठा लोयानाम १ उयुसाखु २ सावाहल ३ वयसवाल २

वकनरुक् १ सियासाया वल्लुका १ आसवकुहा १ धरतनयानाम १ धविमधि १ ताय १ पाइसखहाया १

लसुदमितावसंस्कृतं ॥ प्रदीपमपसंपन्नं पुयसंस्कृतं ॥ ४८ ॥ म्यात्पिहिलं विजितं संहृष्टं ॥ मधिरसं ॥
 विकसितं संहृष्टं विगंधं पुनराविकृतं ॥ ४९ ॥ आपकी पोतिवण धाला जारु निवाकरी ॥ धूक ॥ म्यात्पि
 टका धामरुष्टय वल्लुय ॥ ५० ॥ पूपा पूय ॥ पिहिक ॥ म्यात्पिहिलं विजितं संहृष्टं ॥ मधिरसं ॥ ५१
 भास्वी सदी दिवि ॥ ५१ ॥ हिस्मिदा दग्धिका सर्वा वसा ॥ प्रमथु नम्रिया ॥ मास वाचा महि ॥ सा वास ॥ पुनरुक्तं संहृ
 व ॥ ५२ ॥ यवा गुब्जिका ॥ विस्पीक वलाचसा ॥ गवी विषु गवी सर्व ॥ मवि ॥ आसय मम्रिया ॥ ५३ ॥

जाति १ जायानाम २ तच्छात्रिया ३ वृक्षा १ धजातिघानाम २ पूआमधि ३ धविसधुहामधि ३ इहसधुहामधि ३ सायाकनदक गवधाय १

लज्जधन २ सगपायानाम १ इहया १ इहधरुधनीन दयका ३ धवि १ धत १ ६२

द्विगुक्तं कनीषां स्त्री इग्धं क्रीवंपय १ समं ॥ पयस्य माकद ध्यादि उर्यं दधिघनं तत्र ॥ ५४ ॥ घनमाईरु विस्रपि
 नवनीर्गं न वा ॥ तनुकेयं गवी नय ॥ मादाहा रुवेष्ट ॥ ५५ ॥ दशुदुर्गं कान ॥ मय मविष्ट मपि ॥ मवर्ग ॥
 नकुं कदमिस्मथिर्ग पादाम्बर्ग म्निर्ग ॥ ५६ ॥ मधुं दधिरुवं ममुपयुषा ॥ तिनवंपय १ ॥ मगनाया वुरुका
 शृगु ॥ मसुक वलार्थक १ ॥ ५७ ॥ सपीति ॥ म्नीरुत्य पाने सग्धि १ म्नीरुता जन ॥ उदम्या ३ पिया सारु नर्षा जं
 म्निरुता जन ॥ ५८ ॥ जमने सप ॥ माहा निघसा न्या दं ॥ म्पि ॥ मोदि ॥ तर्ष ॥ रफि ॥ दुसा ॥ रुका ॥ मसु ॥ सिनी ॥ ५९ ॥

धरु
कया

काटुधुवि

धतचुम

आपसया २ ३ मरिधो ननेत्वहाया १ ३ धविनि त्वर्त्वनया २ रफिहज १ नयधनका

१ सांकीयानाम ३३ शिष्टांश ४ खिया नाम १ ५ संक्षुभ्रचादसां २ ६ मंथादयः

उ०२ रंजयानाम१ रेयानाम३ निडालकया उ०२ उथयानाम१ उ०व०३ योत्रसयानाम२
कुक्रामननीगर्गीरिसमं॥ ११ ॥ उद्धुकुमलकसयसदाज्ञाः कचरु१ मिश्रु१॥ दा(भ)वकादीघर्वंशाणीवासेवसधूस
को॥ १५ ॥ कचरा१सू१खलकादावये१पादवन्धने१॥ ज्ञजाद्यगीसरुद्याहावस्तुगलकाज्ज१॥ १२ ॥
मद्रावराव(सा)र्षियर्मषट्स्यञ्जुका१॥ उद्धावराजवृन्दस्यादौखकीचरुकाजके१॥ ६० ॥ चकीवरुस्तु
वालयात्रासतागर्दराखना॥ वेदरुक्१सार्धवारुनेममावातिजावलिक॥ ६१ ॥ पष्पजीवाफायतिक१कय
विजयिकश्चस१॥ विकतास्याद्विकयिक१गायक१करिकःसमी॥ ६२ ॥ वाशिर्झुवलिफास्यात्तुमत्यवम्ना१
पसविद्या१ गंधयानाम२ मीलडाहाडा१ वंजालयानाम२ वंजा१

मूल १

सिद्धय १

लाल १

मियगुवस्तु १ तिरविया १

काना १

धर्मन्या
वस्तु ३

यवकय १॥ नीवीयविपरीतमनयकालाकाधिकीरुल ॥ ७३ ॥ प्रतिदानीपदीवरुनेमयनिसयावपि ॥ प्रमानुपनिह
 धिन्याम १ प्रतिदानीरुदपरी ॥ ७४ ॥ कथपसाविर्गकय्यैकय्यैकगव्यमाशुक ॥ विकय्यैपलिडवीवपस्थकया
 दयामिष ॥ ७५ ॥ श्रीवसस्यायनीसर्गकावःसत्यकृति १ मुय्यै ॥ विपलाविकय १ संख्यासंख्यायकादम १ निष ॥ ७६
 ७७ ॥ विंशत्याया १ सदेकत्वसर्वासंख्यायसंख्याया १ संख्याथेद्विवरुत्तकसासुवानेवगक्रिया ॥ ७८ ॥ पीक १
 गमसहसादिकमादम १ सुलाकृते ॥ योगवैकवय्यैयार्यमितिनामाभकगुर्य ॥ ७९ ॥ मानेउलीमुनिपुष्ट १ मुजा

न्याख्या ३

जिह्वागमना १ संख्याया २

पाहायानाम ३

धस्तानाम १

संख्यावचन १

समदाययानी १

७१००

मुजाठाथयनमंसहि १

मंस १ ४ कर्ष १

लाव २

कर्ष ४ पलवि १

लाव १० १

कर्षयावद्विहवर्तु १

७१

धर्मपति
मासमा ४

पंचाशमाषक १॥ रवाउमाशक १ कर्षा १ मुपनीकर्षचउष्टय ॥ ७२ ॥ सुवर्गुविमोदुम्राकंकरुविरुमुगत्यव १॥
 मुनामुय्यैयसमर्गलाव १ स्याद्विभक्तिकुला १॥ ७३ ॥ अविर्गदमलावा १ म्यः १ कगारावजाविग १॥ कार्षापद १
 कार्षिक १ स्यात्कार्षिकनासिकपद १॥ ७४ ॥ प्रक्रियामादक १ डाहावाजीबाहानिकचक १॥ स्याया १ पविमासाध
 काः ७५ ॥ ७६ ॥ यादसुजीयरागः स्यादमला (गो) उव १ क १॥ डवीवेरुलापययविकुसकं धनेवस १॥ ७७ ॥
 दिवर्थ १ विदीयममर्थ १ विरवाअपि ॥ स्यात्कार्षिकदिवर्थ १ वदमवृयहताक १॥ ७८ ॥ आर्यायदन्यरुत्तुय्यत्र
 योतद्वयमादनी ॥ गानुसर्गमजक १ अमगर्हद्विस्मसि १॥ ७९ ॥ (मा) वदनीनाहितकपमना (मा) धमकि १॥ स

वाहकडय १

उवयानाम २

४ सिद्धय १

वत्ता १ ३ सिद्धय १

४ १५ लंजहया १

४ पञ्चो १

४ पञ्चो १

नानावत्त १

लिच्छव्यानाम१ धर्मशूयानाम३

तूयानिमाया३ मूढादिजायन१

काथविक्रमः१२ सिधवालेपत्रपुंसकं॥ २५ ॥ वलंमसिधयात्रमजागोमुकादिकपिच॥ सुवर्गुस्वर्गुपानकंदिच
ध्वेदमहाकं॥ २१ ॥ तपनीयंभाककंभा॥ गयंरुमेकवृचं॥ वामीकवृजानत्रपमहाचकनकांवरं॥ २६ ॥
वृक्षकारुस्ववैजाम्बुनदमहापदसिध्यां॥ अलंकालसुवर्गुयकृष्णीकनकमित्पद॥ २७ ॥ इवर्गुवजर्ग ६७
वृष्यस्वर्गुचं॥ ग्वरुमित्पयि॥ वीगिसिध्यामात्रकृष्णनसिध्यामथगामुकी॥ १०० ॥ सुलंमंरुमुखंछाष्टवविष्टाष्ट
म्वयासिच॥ साहसुमसुकंभीक्ष्णिकालायमायमी॥ १०१ ॥ अमसावाथमंरुचंसिघानमपितन्मल॥ स
सिङ्गल१ आरुयानाम२ ती२ न१ २ सिङ्गल नखियानाम१

तिलाधुति३ दिपति२ जयादयकावस्तु१ कयच१ आनीजन२ पाधाय१

वैवर्गुजमंसाहंविकात्रस्तयसः१०२ ॥ कात्रःकात्राथवयलात्रसः१०३ ॥ गवर्तमदिचंरु
गंअरुकीगिबिजामंल॥ १०३ ॥ (याणीजनंरुमोवीचंकायाणीजनयामूर्नं॥ रुहीजनंमिखिणीवीविशुत्रकमय
त्रको॥ १०४ ॥ कयचोदविंकाका॥ धारुवस्तुलं॥ वसाअर्नं॥ वसगर्गंनार्क॥ मेर्नंनन्धासनिशुगन्धकं॥ १०५ ॥
मोषाधिकथचकृष्णानुकलात्पोरुकुललिका॥ वीतिपूष्यपूष्यकरुपोष्यकीकंसमाअर्नं॥ १०६ ॥ पिअरुचंपी
गर्नंनलमानंवरुविनालक॥ नेत्रयमथंमिबिजममअरुमिलाऊरु॥ १०७ ॥ वार्तंनन्धवर्तंपादपि
गंधक२ रुचं१ कसवीज२ स्वर्पवि३ गेव१ वसांजन३ कससांजन२

मनः१ कंसवंग२ गंधर्व१ ममूडरुन सिंधु१ सिथयानाम३ कर्म२ साजीखाव४

संप३

गुणपससाःसमाः॥पिडिआश्चिकरु४रु४सिंहवन्तागसीरुर्व॥ १०७ ॥नागसीसकथा(गधवध्रानिगुपिच
 टी॥वज्रव(अथपिचमुलाथकमलाहव॥ १०८ ॥स्यात्कसमं वक्रिमिखेमहाजजगमित्यपि॥मधकम्वनउर्धु
 युःम(मार्कुममलाममि४॥ ११० ॥मधुकोडमाक्रिकादिमधुविष्टुसिलक॥मनःमिसामनो गुफामनाकानागति
 क्रिका॥ १११ ॥नेपासीकगदी(मलायवक्राथायवागुज४॥पाकाःधमर्जिकाकावःकापा४सूखयवक॥ ११२
 ॥मोर्वलंस्याऊवृकंनकीवावेगसावना॥मिगुज(गममविर्वमावटंमनमेकव॥ ११३ ॥शुथिकपिपत्ताम

६३

मनगीव२ खवाक१ समयासंदयका३ वंगयाच१ २चमखाव धथर्मगुलि१

तिरुता२ पिपजाम१ वृत्तिपा१ यकचंद१ मडयानाम२ तिकट्ट१

लीवटिकाभिवःपि॥(मनासीरुतक(मानोपगोनीयकवचन॥ ११४ ॥तिकट्टएवरीवार्थतिकुताडुरुनति
 क॥ ११५ ॥रुतिवधवम४॥ ६४॥ ॥गुडाथावचवर्धुथवपलाथजघनजा४॥आवाठानामुमकीकुअमस्त
 कवतादय४॥ १ ॥सुजावि(मासुकव(मासुसुवैय्यादिजात्मना४॥गुडाक्रिययान्(अमागध४क्रिययावि(माः
 ॥ २ ॥माहिथार्यक्रियया४क्रुतास्य४मडया४सुत४॥वाकस्याःक्रिययासुतःगस्यीवेददिकाविम४॥ ३ ॥
 वधकावमुमादिष्यात्कवधमयस्यसैरुव४॥स्यावमुसिस्तुजनितावाकस्थीवपसनय४॥ ४ ॥काव४मिथीम

वाजायास
५०३

वाअलकाजानि३ लगन२ मडयासजा३ वाकनयासजा३ सजा१ सजागजानि२

कोन३ सभात२ कलिजातियानाम१ तंश२ कल्लिह१ सयका२ मार्ले१ पून२ शक्रात्र१

हरेकैदयाधयति१सजातिरि१॥कलक१स्यात्कन१श्रीमानाकावसुमालिकः१॥ ७ ॥कककाव१कलानःस्यात्
पजगुगुसुसपक१॥ककुवाय१कविन्द१स्यात्कुन्नवायसुसोविक१॥ ८ ॥वैमजीवश्चिकव१मसुमाजी
सिधावक१॥पाइरुचर्मकाव१स्यात्पुथाकात्रालाहकावक१॥ ९ ॥नडिध्वम१स्वर्तुकाव१कलादानुककाव ८॥
क॥स्यात्साविक१कसुलिक१मेलिक१सामकुरुक१॥ ६ ॥तकावुवर्द्धकिस्वकावथकावथकावक१॥ ७ ॥
माधानागुमनक१कोनटकोनधीनक१॥ २ ॥कवीमसुदिवाकीरिनापिताहवसायिन१॥निहृजक१स्यात्
संकर्मि२ यमा१ २ तयघायाक वसात्र३ तंशु२ कामी३ जोग१ सिंकलि२
काथदहक१

(धावि१ मायामज२ पुवि१ खिंडमा३ वायय२ दजत्रा१ नदमा२ वदथक३
उजक१मोशुकामसुहावक१॥ १० ॥जावाल१स्यादजाजीवदवाडीवसुदवत१॥स्यात्मायाम्मवीमायाकावसु
पुनिकावक१॥ ११ ॥मेलालिनसुमोसुमाजायाजीवा१रुमाग्विन१॥रुयगाःपचिनदा१वावसासुकभीमवाः
॥ १२ ॥मार्दनिका१मोत्रजिका१पालिपादासुपालिघा१॥वेधूध्मा१स्यवेधविकावीतावादासुवेधिका१॥ १३ ॥
जीवानक१माकनिका१दोवालुलिकजालिक॥वेधमिक१कोटिकथमीसिकथमसंयय१॥ १४ ॥रुक्कासुमि
कर्मकजावेनिकापिस१॥वाकवाहावेवधिका१राववाहसुहाविक१॥ १५ ॥विवर्तु१पामवानीवपाकनथ
कामि१ हजत्रा१ कवूमि१ मंजलकाकम२

आनसी३

आनयपि२

धनकजागयानाम१

धनुव३

प्रवयायाक२

यच१

एथजन१॥ निदीनायसदाजास्मःकुरुकाथगवथस॥ १७ ॥ रुपदासचदाधायदासगायकचठका॥ निधा
 यकिंकवयथुजिष्णपविवाचका॥ ११ ॥ पत्राचि१॥ पविस्केदपत्रजागःपत्रधिता॥ मन्दमुदयविस्
 श्रुआनिस्य१मीनकाःतहैस॥ १८ ॥ अरु१॥ दकवडनःपनःपदउरुनः॥ वधुतपुवमार्गगदिवाकीर्ति ८८
 जनैगमा॥ १२ ॥ निषादथयवावकवाहिनाभुलपुक्रसाः॥ रंदा१किना८मवत्रपतिन्दासुवृजातयध॥
 १० ॥ व्या॥ धमगवधाजीवामगयुर्लक्षकथस॥ कोसयक१सावमय१कुरुवामगदंभक॥ २१ ॥ अनेका

नाय२

व्याधा१

वा८२

अरुतीतिना१

स३२

स्यावमपु२

चतुर्वि१

मगजाति२

माषि१

स्वयानाम३

कृष्ण१

रुषकःआसादलकसुसथागिता॥ गविम्यकऊममःकमल१सत्रमागुनी॥ २२ ॥ विद्वतःसुकवागुम्यावर्कव
 सुवृषःपुः॥ आक्षेपनमगवास्यादाखटा मगयामियी॥ २३ ॥ दक्रिष्णयुर्लक्षयागादक्रिष्णमोकरैगक॥
 यथैकागाविकसुनदस्यतस्कनमाषकाः॥ २४ ॥ प्रकिनाधिपनास्केदिपा८वचमसिधुवाः॥ योविकास्तेनयथैय
 चक्षयंताकउतदने॥ २५ ॥ वीरंसरूपकवर्धनमगपक्रिष्ण॥ उमाथःकूटयः१स्यादागुवामगवधि
 नी॥ २६ ॥ सुखीनवा८क१मु३उत्रहसिधुवटीगु१॥ उद्याटैसवटीयैतंसलीलादाहनंउरु॥ २७ ॥ पृसि

मगयास्तिपन१

स्वययुयानाम२

विपट१

पुत्रवियविपन२

विपटपा१

विद्विषि१ अर्थरवि२ वायविहाखिप१

पेजा२

मोउविय१

सातक३

सिखव२

वमावायदुःसूतातिप्रीतिरुव१॥वातिर्युति१मुथोहृत्पुर्ल्लपादिकर्मधि॥ २० ॥पीवातिकापुष्टिकाम्या
वसुदंतादिनि१रुगाः॥पिठकःपठकःपशर्मरुचाथविहृतिर्को॥ २२ ॥रात्रयष्टिःतदन्विमिर्ककावाथंपा
इका॥पाइनुपानत्सुमेवाःनूपदीनायदायना॥ ३० ॥नडोवडोवडगस्यादूक्षदसाउवीकशां॥यशुलिकाउ ६२
कंधालतीसावाभुसवसकी॥ ३१ ॥नात्राविस्मादयनिकाभानतुनिकष१कष१॥उश्चन१पुपत्रयुविषीका
उल्लिकासम॥ ३२ ॥रैजसावर्हिनीमूरवारुमुवर्मपुसविका॥आमृटनाधधनिकाकपावीकरुवीसम॥ ३३ ॥

वा१

पादयापाम२

लकाम३

नात्राच२

रुटि

त्यरुखिप३

कर्कवि१

आ१ उकासहज१ टकि१ उर्थ२या

कनति१

आल१ उनिमाया२

नयात्र१

दृक्तादभावकुरुदीटक१पापाशरुदक१॥कुकवासीकचपुर्गस्यादात्राचर्मरुदिका॥ २४ ॥पुर्मीरुलारुपुनिसांमि
ल्यकर्मकचादिक॥उनिमानैपुनिविम्ब१उनिमापुनियानना॥ ३१ ॥उनिश्चयाउनिहतिवर्वापुसिपुनितिधिः॥
वायसिद्धःसमस्तुत्य१सहक्रुसहस१सहका॥ ३७ ॥साधाचह१समानश्चस्यूरुवपदत्तमी॥निरुसंकाभ
नीकाभपुनिका॥पनादय१॥ ३९ ॥कर्मरुगुविधारुणारुणयोरुर्मवगन॥रुवर्थरुवर्हंमृत्तीनिर्वमः
पधरुपि॥ ३७ ॥सुकारुविपियारात्रापविमुरुहनात्मजा॥गन्धारुमापुसत्रवाकादमर्म१पविमुरुगाः॥

आलविद्यया१

आयाकपि२

उनिया३

ध्व१

प्रायश्चित्त

मिता

श्रयानाम

मल

धमी

संधानु ॥ ४१ ॥

मना

धरंता

॥ ४२ ॥ मदिनाकममयवाः यूपदमसुतकले ॥ संधानस्यादक्षिषवः किंस्तुपसिउननरु ॥ ४० ॥ कायावचरसु कश्चिधर
 नामनुः अपाने पाने गच्छिका ॥ सुअपाने मयस्थाने मधवा नामधुजमौं सधायया माधवका मधुसाधी कसदयाः
 मेलयमासवः मीधुः सदकाजगवः समो ॥ ४३ ॥ वषकास्त्रीयानपाउं सत्रका यनूतपदी ॥ धूर्त्तक्रुदवी किनवा २०
 क्रधूर्त्तक्रुदसमा ॥ ४३ ॥ स्रुग्रकाः पतिउवः स्रुहिका मरुकात्रका ॥ प्रतामिया मरुवनी केवनी पदः
 सपि ॥ ४३ ॥ दधः क्रुगुहाः क्रुमुदवनापामका ॥ पविषायसुसावीर्त्त समकात्रयनमियो ॥ ४४ ॥
 श्रुतयानाम १ श्रुतयान २ श्रुतयान १ श्रुतयान २ श्रुतयान १ श्रुतयान २ श्रुतयान १

माविशत

प्रायश्चित्त

वज्रमन्त्रयानाम

अष्टापदमालिकुलं प्रादियुर्त्त समाकृत्य ॥ उक्तं विप्रयानत्वादकस्मिन्नयानिका ॥ ४५ ॥ गच्छमादमकवला
 इक्षालिस्तकचपि ॥ ४७ ॥ क्रुमिगुडवर्ग ॥ द्वितीयः काकु ॥ ४८ ॥ २ ॥ विषाद्यनिघ्नः मकीर्त्तुर्त्तना
 र्थत्रययचपि ॥ लिनादिमिगुदवर्गः सामान्यवर्गसंयया ॥ ४८ ॥ सुकनापृथ्वान्धन्या मरुदमुसलामय ॥ ह
 दयातः स्रुदयो मरुसासासामरायम ॥ ४९ ॥ प्रवीतनिपृथ्वारिहृविहृनिस्त्राकमिजिगाः ॥ वैशानिकः क
 तमस्वः कृती कृती लः सपि ॥ ५० ॥ यूपः पतीः स्रुमयिकः स्रुमया पत्रमानस ॥ दकितीया दकितीया ॥ ५१
 नृगलतिह २ श्रुतयान १ उद्येद २ प्रजायायम १ स्रुद २ वृद्धीकम २

भास्वमिधम २ कथं तदुक्तम् १ पञ्चमिधम २ वसविधम २ तदुक्तम् १ श्रवणमिधम २
 सुगन्धमिधम २ ॥ ११ ॥ सर्वद्वानास्तदावच्छदान (मोक्ष) वदुपदं ॥ वैवाहिकः स्यादायुष्यानेकवर्षेति सुभासुवि
 द् ॥ १२ ॥ पञ्चकृत्काचतिकावत्रदस्तुसमूर्धक ॥ हर्षमात्ताविकर्तृवद ॥ प्रमनाहृष्टमानस ॥ १३ ॥ इत्येता
 विमनाञ्चकर्मनास्याइत्कउन्मना ॥ दक्षिणसवलादायासकलादाहृताकरि ॥ १४ ॥ तत्पुत्रपुत्रिणामकाविष्टा २१
 (धर्म) कउत्सक ॥ पुनीतपुत्रिणः ख्यातः विरुविज्ञानविदुः ॥ १५ ॥ गुह्येऽपुनीतदुहृतनक्रताहितनक्र (लो)
 इत्युक्त्याधनीस्वामी ॥ अथः ॥ मितापतिः ॥ १६ ॥ अधिकर्तृयकानतापुत्रुपविदुः ॥ विप ॥ अधिकर्तृविस
 तयापम २ ३ सदाविस्मयशुभम् १ तदुक्तम् १ नामदहम् २ ३ वाकवियाहनशम् १ नायकम् १ गुह्यनपुत्र्या
 धनाध्या १ तदुक्तम् १

पञ्चमिधम १ तिककन्याविधम ३ जनधनधम २ तदुक्तम् १ वदुक्तम् २
 तिककन्या १ ॥ १७ ॥ स्यात्तुदन्वयाएतस्तुय ॥ १८ ॥ स्यादस्यानविकसस्मिन्प्राधियप्रमानय ॥ वनाहृष्टयायताय ॥ सिंदुसंहन
 नाहिस ॥ १९ ॥ निर्वर्त्यकार्यकर्तृयः सम्यक् सत्वसम्यदा ॥ अवात्रिमृकांथमनाजवसः पितृसन्निभः ॥ २० ॥
 सत्कृत्यानेकताकन्यायाददातिसकृद ॥ नमो नमः ॥ गीतः ॥ गीमानुस्मिन्धसुवत्मानः ॥ २१ ॥ स्यादयासु ॥ का
 वृत्तिक ॥ कृपासु ॥ सुवतः समाः ॥ स्वतः कृपावृत्तः ॥ स्वदीप्तवृत्तः ॥ २२ ॥ पञ्चकृत्पञ्चाधीन ॥ पञ्चवान्नाथ
 वानपि ॥ अधीनानि प्रज्ज्वायकां स्वकृपावृत्तकाप्यसौ ॥ २३ ॥ खलपः स्यादहंकृपादीर्घसुगन्धिकिया ॥ आत्मा
 भवयारुमिधम १ कृपाइम २ १ यथावदुक्तम् १ २ यथावदुक्तम् १ तदुक्तम् १ ३ यथावदुक्तम् १ ३ यथावदुक्तम् १
 २२

अथ २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

५३ का र स वा ह २

۷۳

पडाअर

पडाअर

खनीक३ गिरिनुक१ विक्रमाक२ निसा१ वृज्याक२ शडा१ कदम्बीक२ वा६१ रसमंजु२ गालकु१

लिस्त्रसूत्यतिगांनं कविशुसुममुनं रसुर्विस्त्रुवितां वरुक्कर्वरुनं समो॥ ११ ॥ नित्राकविशुः क्रिप्रः स्यात्
मा-नुत्रिगधसुमरुचं शातानुविश्वाविं विंकासी तु विक्कसुचं॥ १५ ॥ विस्त्रुमाविस्त्रुमवः प्रसात्रावविभ
विशी॥ सहिहृ१ सहिन१ क्रमातिनिद्रः क्रमिताक्रमी॥ ११ ॥ काधनामवृदा१ कापीयसुस्त्रयनकापन१ जाग ५३
नूकाजागविकाचुसुतः पुचचायितः॥ १५ ॥ स्वप्न१ मयासुत्रिडासुत्रिडातजयितोसमो॥ पवाहूख१ पजाचीन
स्यादवाउयधामरुचं॥ १२ ॥ दवानेचतिदवाउ विपुयहिधर्गचति॥ यः सहाअगिसधुवः सतिर्यद्यसि

जागर्हयाक२ कसाक१ उमवयेरुअ२ क्रमाधाजी३ दवमुद्रुजायाक१ दहवाहक२ जापरुअ१ रसकाबी३

वासरुडा१ पात्रुवं३ खडाछायानाम१ काकसिद्ध१ खडक२ खसडा१ खलीह२ खजाहा१

प्राश्चरि॥ ६० ॥ वदावदावदावकां बागीभावाग्यतिः समो॥ वावायुकि१ पदवर्गमी१ वावडुक१ वकवि॥ ६१ ॥
स्याहुनाकसुवावालावावाटावडुगर्धवाक१ इम्वरुमखजावर्धमरुवोसुकापिर्यवद॥ ६२ ॥ लाफलः स्या
दसुटवाअर्धवादीदुकद्व१ समो कवादकचमो स्यादमोम्यचजा१ खनूः॥ ६३ ॥ प्रवरा१ मदननादीवादी
नान्दिकव१ समो॥ उडा१ रुउडः सूकसुवकुं अमुममिक्ति॥ ६४ ॥ रशीमीतसुखुफीकान् अवाभादिग
म्वरी॥ निष्कामिगावक१ इत्यादयधक्तसुधिरुत॥ ६५ ॥ अकर्मवर्हिरुतः स्याद्वायितः साधितः समो॥ पु१

पावीक१ क्षाकपनरुम२ क्वर२ धिर्वावम१ खहायमरु२ वासमहि३ समकवा६२ साधनपेग्या१

खस्याम
जीक३

शान्ताकाज २ पीतयाक १ विसज ४१ मातठया २ चनका १ रुयका १ माहयाक १

ग्याक
क्र ३

एादिनिवष्टः स्यात्परात्वात्तानिमाकृतं ॥ ८७ ॥ निष्कृतं सुविप्रकृतं विप्रजन्तुं सुवंचितं ॥ मनाहृतं प्रतिकृतं
 प्रतिवृत्ताहृतं समो ॥ ८८ ॥ अधिक्रिक १ प्रतिक्रिक १ वृद्धकीति न संयमो ॥ आपन्न आपत्त्या फः स्यात्कादिमीको
 रयकृतं ॥ ८९ ॥ आकाचितक्रादिनाः शिखरं मङ्गलं सुकाः स्तिव ॥ व्यसनात्पत्रकोक्षो विरुक्तं व्याकृतं समो ॥
 १ ८९ ॥ विक्रवाविकृतः स्यादुविच ॥ अचिष्ट इष्टधीः कस्य १ कस्य १ सत्रे द्वत्वात्तायीव ॥ धातुः ॥ २० ॥ दधत्
 किमभावधः भीषक्यः सोमसो ॥ विद्याविषययाव ॥ ममस्य ममस्य नय ॥ २१ ॥ मिश्रिदानं हस्तकर्मव

रुयिया
नाम ३

२४

पापया
कक्र १

गनकिअक्र १ विस्मयहता २ ३ रमसपायानाम मथानजाति ३ उमनयाअ भवस्यायधअक्रवासी २
 इष्टदियानाम २ सिकक्र १

चंचरक्र १ आपली ३ दार्वनडा १ मवयासेपलि १ नृवा १ दूतकक्र २ अरुना २ अपवृषयाक्र १ पानासा १

पसथिकृतः समो ॥ दाषकटक्क वागागौ निरुतत्वनरु १ मठ १ ॥ २२ ॥ कर्तुं जप १ मवक १ स्यात्पियुना इर्जनः पवः ॥
 नृमीसाद्यानक १ क्रयः पापाधूरु सुवंचक १ ॥ २३ ॥ अरुमरुयथाजार्तमववे ॥ धयवा निभाः ॥ कदम्य १ रूप
 ए १ इष्ट १ किम्यवानमिगम्यवा ॥ २४ ॥ निधसुइवि ॥ धादीनादविडा इर्गतापिस १ वनीपकायावनकामार्ग
 ॥ धायावकार्थिनी ॥ २५ ॥ ईकात्रवानहयूः स्यादुर्गयूः स्यादुर्गान्तिग ॥ दिव्यापपाइकादवा १ नृगवायाजना
 यजाता ॥ २६ ॥ स्वेदजा १ किमिदमाया १ पक्रिसर्वादयालुजा १ ॥ २७ ॥ निपातिवर्ग १ ॥ २८ ॥ उद्रिदस्त

पिंजायतपक्र १ शनिनी २ चादिजायतप १ अहंकात्रीक्र २ २ अहंकात्रमरमगासनक्र ३ दजाजातक्र २
 खडीजायन १

यादृक्मद१

रुद्रि २, १

सकली ३

भगवन्निधयथावपवाधाय २

साधू ३

त्याखयानाम २

धर्मश्रुपासयानाम १

सपत्निकया ३

पुरुषं पदं पादसदृशं बहून्वहः ॥ पत्रं १२ पुरुषं यिष्टं त्रिंशत् पुरुषं च ॥ १३ ॥ पत्रं १३ मत्तया स्रष्टा पत्रं
 स्रष्टा मत्तया दिका ॥ गद्यं त्रीयं गद्यं स्रष्टा मत्तया गद्यं गद्यं ॥ १४ ॥ समं स्रष्टा पत्रं पत्रं स्रष्टा पत्रं पत्रं
 कं ॥ घनं निवृत्तं स्रष्टा पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ १५ ॥ समं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ १६ ॥ स्रष्टा पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं
 स्रष्टा पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ १७ ॥ उपकर्मणि कार्त्तुं स्रष्टा पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं
 स्रष्टा पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ १८ ॥ नदि स्रष्टा पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ १९ ॥ दवीयं स्रष्टा पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं

पत्रं पत्रं १

पत्रं पत्रं ३ उर्थं पत्रं पत्रं पत्रं २

पत्रं पत्रं १

पत्रं पत्रं १

पत्रं पत्रं २

पत्रं पत्रं १

वाजप २

पुत्रं वीक १

इवा उक्ति २

पत्रं पत्रं १

पत्रं पत्रं ३

पत्रं पत्रं १

सदा कार्त्तुं पत्रं ३

॥ १६ ॥ वृत्तं निवृत्तं वृत्तं वृत्तं वृत्तं वृत्तं ॥ १७ ॥ पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ १८ ॥ पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ १९ ॥ पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ २० ॥ पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ २१ ॥ पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ २२ ॥ पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ २३ ॥ पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं पत्रं ॥ २४ ॥

पत्रं पत्रं १

पत्रं पत्रं २

पत्रं पत्रं २

पत्रं पत्रं १

मधुसूक्त १ तातुन १ नायुअ ३ कन १ पूनांगु ३ चकका ३ लिड २ अह ३ कालगु ३

अतिविकः समधिकः संधिस्तु संदग ॥ कश्कट कठिनं ऊर्चं क (भवं निष्ठवं दयं) ॥ २१ ॥ ज० वं मर्हिर्मर्हिः पु
 दृष्टो रमं धिर्न । पूना (पुत्रं पुनर्नं पूना न विवक न) ॥ २२ ॥ एत एत शिनवान धान वी नाना नानव ॥
 नृत्तं वसु कमाव सुकामर्तं मर्हं मर्ह ॥ २३ ॥ अचगचक मन् (न नूयदं श्री वमवयं) ॥ एत नृत्तं मर्हं मर्ह ॥ २४ ॥
 कर्म एत कर्म नी नृत्तं ॥ २५ ॥ एकता नाना नृत्तं कलि चका (ये कायना वधि) ॥ अथ कर्म नृत्तं कलि चका (ये कायना वधि)
 तापि च ॥ २६ ॥ प्रसादिः पूर्वो वसु पुथमा धा अथा क्रिया ॥ अर्हा जय नृत्तं वसु मन् नृत्तं एत एत मर्हं ॥ २७ ॥

प्रत्यक २

एकता वना १ पुनक्रम २ क्रापा १ विपा १

अर्थश १ मव २ चकका १ सामान्य १ खवलादा ३ कि १ मर्मसजा २ लित्र १

मायं निवर्धकं संधिस्तु संदग ॥ माधुसूक्त सामान्यं उका कीत्व कण कक ॥ ३१ ॥ किचार्थका अन्य नृत्तः ॥ ३२ ॥
 एकता नृत्तं वधि ॥ उच्चा वरं नृत्तं कर्हं उच्चधुम विनं विनं ॥ ३३ ॥ अचरुद सु मर्म संधि चक नृत्तं विनं विनं
 एत नृत्तं वधि कर्हं संधि संधि संधि संधि ॥ ३४ ॥ वार्म नृत्तं वधि संधि संधि संधि संधि ॥ संधि संधि संधि संधि
 कलि नृत्तं गुरु संधि ॥ ३५ ॥ संधि संधि संधि संधि संधि संधि संधि संधि ॥ संधि संधि संधि संधि
 ॥ ३६ ॥ अचरुद सु मर्म संधि संधि संधि संधि ॥ वधि संधि संधि संधि संधि ॥ ३७ ॥ नृत्तं नृत्तं नृत्तं

मन्महा १ विमय १ उतिकल ३ अहा १ वितावम ३४ संधि २ वयका १ जजवा ३

कंचनया ३ वासंतया २ पाहाया ३ तसा थकाया ३ हाकहिना १ गुफया २ धाया १ आसनवाजाया ३

मुत्रासुनिष्ठताविचक्रिफविना ४ समा ४ यचिक्रिफुनिठ रंमृ विरंमृ विनाथक ॥ ३१ ॥ उचईउरुनयसु
निष्ठरं गुसिगारु ॥ निदिग्धाया विरं गूठ गुफ गुसित नृषिग ॥ ३२ ॥ रुगावदी (तु) उरु (मृ) यनका विरमि
कन ॥ घाता घात दिग्धसिफं समदका रुतमम ॥ ३३ ॥ यचिरं स्यादल यिरं सैवतं नृ दमा कन ॥ नृ गैतु (न) २६
थनिमित्त रुगमाता निरजित ॥ ४० ॥ स्यादिना (म) मृ खं प की की र की तो उरु नजित ॥ रुतु रुतु वा रुतु सो
याजित उपाहितः ॥ ४१ ॥ जायं गम्यं समासायं सायनी तं फुर्तं सृर्तं ॥ स गूठ १ स्यात्सं कतिग १ व गीत १ ख्यातव

१ कचययाहा नैरुहा ३ थुहाजाया २ थकना १ धात्रगीकर हितागया ३ नमोवाजर परंतया वाहया २

निचायाहा १ अन्नपका ३ उर्वकयाहा २ विहा २ नानाप्रकाशया १ धिकाशया १ चतुथहा १

हस्त ॥ ४२ ॥ विविधः स्यादरु विधानाना नृपः पथविध ॥ अवजी (म) धिकर्तं वा एव धक्ष १ ववृर्तुग ॥ ४३ ॥

पाकजाड

अजायास रुतं रुतं स्व निर्ग धनिर्ग सम ॥ वद सदा निर्ग मूर्त्तं सदिर्ग सन्दिर्ग सिर्ग ॥ ४४ ॥ निष्पक्षी कथिर्ग पा विजाहा

काकी वाक रुविषा मर्ग ॥ निर्वा (म) मृ निवज्जायो निर्वाग मुगन १ निरर्ग ॥ ४५ ॥ पक्षी पविग र गूनी रुत्रं मूट रुमृ

विग ॥ पूरु रुप वि कसा (ध) क्रा मृ दक मृ मृ ॥ ४६ ॥ दाक मृ दमिर्ग मृ कः गमिर्ग पार्थिग १ दिर्ग ॥ रुफ मृ रु

पिर्ग रुत्रं धदिर्ग रुजिर्ग १ दिर्ग ॥ ४७ ॥ यरु मृ पविर्ग क्रिष्ट १ किमिर्ग १ वसिर्ग सिग ॥ उष्ट्र मृ क्षा विता दग्धः

कहा १ कयका १ पक्ष्या २ रुजायाहा १ हाया २ क्रतुसथहा १ उपदाप १ सामितयाहा २ मीनपक १

लघ्वत्त्वशोतनूहकं ॥ ४८ ॥ वधिककृदिगोविद्धं विन्नविहोविवाविहं ॥ निप्यरुं विगतां वा को विनीतं विकृतं कृत्वा
 ॥ ४९ ॥ सिद्धनिर्द्धरुनिष्यत्रोदाविहं किन्नरुदिगो ॥ उरीस्यं गनूरीधतिप्रितयं गुरुसं कृतं ॥ ५० ॥ स्यादर्हि
 गनमस्यं गनमसितमपवापितार्वितापचितं ॥ वविवसितं वविवस्यं गम्यपचत्रितमपासितं ॥ ५१ ॥ सतापित
 धनकोधपितधूपायितयद्वनय ॥ ५२ ॥ पुरुक्षं मरुक्षं फः पक्षान्नः प्रमदितः प्रीतः ॥ ५३ ॥ चिन्नं चूर्णं लूनं
 कलंदिमं पानं विहं दिकं ॥ ५४ ॥ मसुं धसुं सुसुं स्वन्नं स्यन्नं चूर्णं गतिं लक्ष्मं पाकं विन्नं वावितमासादिगं च

त्वक्पिण्डा १ क्षयपिण्डा २ वातरुया ३

गलयशङ्क १ मनश्चानन्द २ सत्कारुणिक्यादा ३ श्रुत्या १

सा ४१

सिद्धताया ३

नकाया ४२

कनकपात्र

सिद्धगुप्ता

अविमानया२

प्राकृत १

रुतं च ॥ ११ ॥ अच पितृ गव पितृ अचिष्टं सार्जितं मृ गितं ॥ अर्द्ध सांडं क्रिन्नं तिमिरं क्रिमिरं समुन्नं मूलं च ॥ १२ ॥
 गलं गलं वदितं म विनं (गु) पायिर्गु फं ॥ अव गलितं म व ग ल व लो नं ॥ व मा निर्ग व प वि रु नं ॥ १३ ॥ ए कं दो नं
 विधुर्गं समुद्रिर्गं धृ त मू लं ॥ उ कं ता पिर्गं उ दिर्गं ऊ स्थिर्गं आ ख्या नं अ हि रि र्गं न पिर्गं ॥ १४ ॥ वृ द्धं वृ धि र्गं मा ति
 र्गं वि दि र्गं पु ति य न्न म व सि ता व ग र्गं ॥ उ बी रु र्ग मू र्ग बी रु र्ग मं गी रु र्ग मा य र्गं प ति रु र्गं ॥ १५ ॥ सं गी र्गु वि दि र्ग मं
 रु र्ग म मा हि र्ग प रु र्ग उ पे र्गं ॥ १६ ॥ इ वि र्ग म रु प ना यि र्ग पु द्धु र्ग प ति र्ग प नि र्ग नि ॥ अ पि र्ग र्गु व र्गि र्ग ति रु र्गं

असाव पाखा १

सियासत

सप्तमः

२ प्रकृतिसूत्रा, खिन्नाहाठ

वचनाक्यानामः

जुपाल
महि ३

[illegible]

तडावाकः

विधिं यदि सः ज्ञा क१

तडाचाकतडाधे ३

मनसावाक्काकर्मनरुज्जलपा १

यथेहडा

कथञ्जन्मया कर्मकथा ३

शुक्लवस्त्र

क्रियासंवादः

भूतिया ।

नैऋत्यमरुहः

दाम १

तर्पणयाहा२

[illegible]

१ ज्ञानन्द खाना

पदपदा १

महाविद्याया३

पि२मका३मूल

५५३

३५९

स्वाक्षाहापानाश्चक्रावयः।

पाक१ धिया१ ताकद्वय१ वधयहज१ नयका१ दाह१ भसा१ दाय१ असाजंरु१ रु१ रुदि१ लाहा१

पनापाकं दवाहनावनाहना॥ ७ ॥ तक्रियावउप१ पाधनयानायंकासिर्कीर्त्तुंमाउमोस्तुतिर्द्वोपथाख्यानि॥
॥ ८ ॥ सृष्टि१ पको१ गव१ गुव१ उधासमृद्धोस्तननैस्तव१ मयमिनाप्रमा॥ १० ॥ पुरुषि१ प्रसव१ अरुपाद्यावःक
मथ१ क्रमः१ उक्तर्षा१ तिमय१ मेधि१ अर्षविषयक्रमय॥ ११ ॥ क्रियायांरूपर्षेगीर्त्तुर्निर्वाशुवर्तमूयम॥ उत्रायउत्र १०१
यथायगुय१ मजयतजय॥ १२ ॥ निगो१ दानिगदमादामदउदगउजम॥ पिठि१ पिठि१ नविमर्दनीयविमला॥ १३ ॥
अपपलि१ वन१ गुरु१ निगुरु१ सुदि१ वृद्धः॥ स्यादक्रियागस्तुलिगुरु१ मृष्टि१ वधस्तुमे१ गदा॥ १४ ॥ उन्मदमत्रविप्रव
अनुगुरु१ जय१ तातं१ विषय१ रुदि१ पीन१ रुद्वि१ वासना१ विप्रव१

वेधन१ धिया१ ताप१ ममू१ नानाप्रकाश१ मूहा१ काय१ खारताव१ विकान१

२ विक्रिया वेधनेप्रसिक्तश्चः॥ स्यर्गः॥ सृष्टा१ उपताफविः॥ निकायाविप्रकाशः॥ १५ ॥ स्यादाकावस्तिरुः॥ रुति१ पवितामाविकावः॥
हसमविहकि१ विविध१ अपरात्रस्तपवय॥ १६ ॥ समाहावः॥ समुच्चय१ पत्याहावउपादान॥ विहावस्तुपविकमः
॥ १७ ॥ अतिहावा१ लिगुरु१ निहावा१ स्यवकर्षर्ष॥ अनुहावा१ नूकाव१ स्यादर्थः॥ स्यापवयवय॥ १८ ॥ प्रवारुस्तु
पुष्टिः॥ स्यात्प्रवाहाममनेवदिः॥ वियाभाविद्यमायामायमः॥ स्यामसंयमा॥ १९ ॥ हिंसाकर्माहिवारः॥ स्याद्गर्ग्याजा
गनाद्वया॥ निध्नाकत्राय१ पृथरु१ स्यादपध्ना१ रिकिकाशय॥ २० ॥ निर्वमउपरागा१ स्यात्पविमर्यः॥ पवि१ क्रिया॥
आगर्ह१ चयका१ पिहाजह१ गुरुमयाय१ आकर्षल१ विघ्ना१ संयम१ साय१ उपलागा१ तातदि१ अतिचात्र१ पवि१ क्रिया१

विद्याया १ अर्थ २ अक्षिपाय १

संकुप १ विस्तार २ विधा १ विडितिय २ धाय १

विधुव कुपविष्णुमार्हिरिपायश्चुदशमयः ॥ २१ ॥ संक्रपनं समसर्गं पर्यवसाविधाधनं ॥ पत्रिसर्गपदीमात्रः ६
मदया ३ गु ३ स्यादास्यात्सनालितः ॥ २२ ॥ विस्तारविगुहायासः विस्तारुसवविस्तवः ॥ स्यान्मर्दनं सम्मोहनं विनामः ८ संनिष्पन्नः ३
स्याददर्शनं ॥ २३ ॥ संक्रवः स्यात्सविवयः ॥ पसवकुपसर्पत् ॥ नीवाककुपयामः स्यात्सन्निधिः सन्निकर्षदीर्घः १० २
२४ ॥ लवाहिलावलवनं निष्पावः पवनं पतः ॥ प्रसावः स्यादवसवकुसवः ॥ सुववहनं ॥ २५ ॥ पजनः
स्यादपसवः प्रसयः प्रमयोसमो ॥ धीमकिर्निष्कुमाः स्त्रीरुसंक्रमादग्नं संववः ॥ २६ ॥ प्रलकुसः प्रयागार्थः
सहनः ३ १ कदसप २ २ प्रय विस्तवय ३ वधिचल १ पसनप ३ वनं २ रुडा १ चरि २ प्रयाग १

धाय १ पत्रिपाति १ पाय २ उल्हादु १ पाठयाय ३ अर्थ १ विवर २ स्माच २ प्रतिबंध १ कृता ३

पकुमस्यादपकुमः ॥ स्यादस्यादानमघाटः आवरुः सकुमस्तवाः ॥ २७ ॥ प्रतिवन्धः प्रतिस्मैसावनायस्तुतिपा
नर्त ॥ उपलकास्तनुरुवः सप्रालंसाविसपनं ॥ २८ ॥ विपुया ० ग ॥ विप्रतका ॥ विसकृत्विति सर्जनं ॥ विष्ठावस्तुप
तिख्यातिववक्राप्रमिजाजनः ॥ २९ ॥ निपा ० निप ० पा ० मसमोसमसुदय ॥ आदीनवाशवोक्त ० मसकसै
गसंगमो ॥ ३० ॥ संतीकसंविदयनं गगनं गगतामगः ॥ पत्रिवक्रः पत्रिवक्रः सं ० म ० उपगृह्णन् ॥ ३१ ॥
निर्वर्तुनकुनिध्वानं दर्भसासाकनकसं ॥ ३२ ॥ उपसायाविसायय
मितय ३ २ जागरु ३ स्त्रिय १ वारु २ लिठ ३ पितविय १ घसप्रय २

ब्रह्मसूत्रम् १ धर्मशास्त्रम् १ श्रीगणेशाय नमः १ मय्याप १ कियत्काल १ गहाअमन १ विपरीत १

पर्यायेयार्थको ॥ अरुतं वरुणीयां वरुणीयां वरुणीयां ॥ ३३ ॥ स्याद्यत्प्रासाविपर्यासावत्ययं विपर्यय ॥
 पर्यायातिक्रमस्तस्मिन्निति पात उपपद्यते ॥ ३४ ॥ प्रपत्तयस्तमाह्वयतु स्यात्पुनरिति ॥ सप्तकावः कुरुषू
 योऽपि निरुमिर्दिजन्मनां ॥ ३५ ॥ निधायतश्चकयतु काश्चकाष्टमडघनः ॥ सवधुस्तु सवधनः सवधननिरु १०३
 न्यतु ॥ ३६ ॥ अविधौ हन्यनयनतु विपत्समनिघः ॥ उक्तावधनिकावधनैधधाना लूपसार्थको ॥ ३७ ॥
 निगमनाज्ञानविक्रानां कुरुस्तु गनसादिषु ॥ शत्रुव्यवधनविबन्धन उपपत्तिमप्याक्रियां ॥ ३८ ॥ निश्चवंतिश्चकि
 धिदात्र १ यद्दस्यवपावद १ धिकान १ धिदयंदाजम १ दियंथाम १ आदाजम १

गमनविचार १ वनयाहा १ गमन १ अकमान १ जाति १ वाक्कसमस्तु १ पशुसीवा १ पृथग्वि १

निश्चवंतिश्चकि ॥ अवनस्तुतिः सातिस्त्वसातं स्यादथा हनाहर्हिः ॥ ३९ ॥ उददस्तु प्रपुष्वत्सकवृत्तिमि
 सादयः साधित ॥ गजाकस्तुस्तु हन्मिस्तोपगवकादिकं ॥ ४० ॥ अपिपिकं साह्वितिकं वमायमचरसां ॥ मान
 दानास्तुमानयं सहायानां सहायता ॥ ४१ ॥ हत्याहत्यानां वाक्कथवादव्यहृदिकुम्भनां ॥ हपशुकानीष्टाक्षोपार्थ १
 पृथ्यामनूकमाह ॥ ४२ ॥ खेतानां खनिनीखत्याप्यधमानुषकीनक्ष ॥ अमनाजननाधम्यापा ॥ गध्याप्यधकृपृथक् १
 ॥ ४३ ॥ अपिसारुसुकाजीषं कर्मसाधवत्सादिकं ॥ ४४ ॥ अतिस्वीर्तुवर्ग ॥ ४५ ॥ नानार्थः कपिकान्तादि
 पातसमस्तु १ मानवस्तुसाय १ वदीसमस्तु १ मन्व्यसमस्तु १

(धक)

वज्राखण्ड

ककात्राद्यैककात्रक्यानामार्थज्ञाय

रुन

आकाशस्वर्ग

पुवनजन

सुद विक्र

विक्र

चलन्निष्ठावाङ्मोहनाः। रविपुत्रागमययपर्यायस्यपितृभक्तं॥ १ ॥ श्रीकाशमिदिवनाकलाकम्पुत्रवसन्तं॥ प
 ययमसिचः। अकः। नयत्वे। नयमायकः॥ २ ॥ जम्बूकोकाहवन्तः। एषूकोविपितार्कको॥ उत्संगविद्रयावकः। क
 कसंकास्कापवादयाः॥ ३ ॥ असाकदभनयागोरुबीषट्ककोरुतो॥ तत्ककानागतवर्ककावर्कः। स्फटिकसूर्ययाः १०४
 ॥ ४ ॥ सात्रुगवधसिचः। प्रेमिकः। कर्मिनाम्नाः॥ स्यात्पताकसुद्धधान्यसेकपतकसिद्धक॥ ५ ॥ उत्तरकक
 विद्यः। पूरुमसापाकचपचक॥ कसगुसोचकचक॥ सुगमचविनायक॥ ६ ॥ निर्वर्ककविनसोचककीट

दृढकीसूर्य

किसिद्धिपन। कमन्दु। शालेख

नायक

कनादि। कगति। जसूर

शकी। वंउमा। काषटकी। इवसाउर खयाधि। उद्युगु। उद्युधया। गपसंका। खामवससि।

३ हामरक

सुदधिकः। पतिहसपतीकसिद्धकदमउपसंयं॥ ७ ॥ स्यात्तिकाकसुनिम्बाकए। एरुसु। सपिच। आल्लिका
 शीवयावंचकाषाटकथकसुतं॥ ८ ॥ सितंखदियसामवकस्यादथसिद्धक॥ तितकत्कचपिष्ठाकावाजीक
 नामपिच॥ ९ ॥ मरुदगुगुसुत्तकव्यातगहीषकोमिक॥ नूकापमकास्वाटकाः। सूर्यपिकर्षुकसिद्ध॥ १० ॥
 जेवारुक॥ ममांकपिखस्यप्यस्यवर्क॥ व्याधुपिपुत्रीकानायवान्यामपिदीपक॥ ११ ॥ गालाटका॥ कपि
 काहः। गानख। पुपिनेविकः। पीजार्थपिषतीकीस्यादतीकसुप्रियः। नरक॥ १२ ॥ गीनार्थयावन्मृषदं। कसकस

माकन। धन

गन्त

मन्याधन

पसध

जसं

मकः। म

भीतरवला १

दः विभव धनु २

संयातिसा १

इकायथाक २

सुजा ३

सुगव ४

कहहह २

वल्कलंगीसाष्टगतसर्वभूतानां हृन्मना हृष्यते ॥ १३ ॥ दीनाय पितृनिष्काकुलीकात्कास्मिन्ममसेनसाः ॥ दम्भयथपिना

क्रयनया
तिसा ३

कास्मिन्ममलगाकृत्रधनना ॥ १४ ॥ धनूकाशुकत्रयम्वमघजासवकासिकाः ॥ कासिकायातनादृषाः कलुकाक

धुंरुपरी ॥ १५ ॥ कलिरुकांशुसोयप्रवीजकायांतिरुध ॥ रुधात्रकात्रपिस्त्रयावकमूत्र्यामकवलाः ॥ १६ ॥

१०७

स्यादार्हिककोर्ककायश्चवितक्रतः ॥ लालातिकः ३ उलार्थवदनीवीर्याकमथय ॥ १७ ॥ रुधुत्रितवेवत

यवकुसुमकटकाश्रिया ॥ सय (ग्रह) डमशोचजामरुधषकटकः ॥ १८ ॥ कति ॥ १९ ॥ मयुखः स्त्रिककासाम्

दृष्ट्या १ चक्र १ मन्त्राका मित्रात ३ विमिर् १ किसियासावका ३ अयातिसा २ मावि ३ विजाकिने १

गुंयासि २

शुमु १

रुसवरा २

संजात्र कुपातमेव १ जगवसुख्य २ खांग १

नवय गतर २

अतिवालोमितीमूरवो ॥ मीवानि (धो) नलादहिकम्बो नमुदियपिर्व ॥ १२ ॥ घृतिगतयपिमिर्व (मे) नदक्रोनंग

व (मे) ॥ ० ॥ रवति ॥ २० ॥ आधु (मे) वायुविमिर्वोम जाकविदग्गः खगाः ॥ पत (मे) यकि सुयोच १ ग १ क म क द दयाः

कि सि २

॥ २१ ॥ पमवापिम गवगः एवा रुडवयावपि ॥ पत्रागः कोसुमव (लो) त्वा नी या दोन जस्यपि ॥ २२ ॥ गज पिना

पिपीहा

गमात ऊव पांग किलक पिर्व ॥ मर्गः स्वतावनिर्मोक्रतिश्चया धाय सुष्टिषू ॥ २३ ॥ योगः संतदना पाय धा

नमंगति यकिषू ॥ शा (मे) सवस्त्रादिरु तावरु च रुध कायया ॥ २४ ॥ वातक रुवि (ह) पू सिमव रु १ गव सजिषू ॥

उपाय धान युकि १ चित २ सखका कवम ३ सख वियादता १ रतावमाक सुष्टि धन खान क म ३

वा ६ मा ५१ स्वर्गादि १२ गा २ मा पशुया १ साक्षाद्दिनागाया ३ विक्रलिंग २ जा ३ या नाम १ गुं आदिना ५ या २

कपोतप्रवर्गः सापत्तल्लिखितः पवारं व ॥ २१ ॥ यानाद्यं (गमनं) प्रसिद्धं नीयं (गमनं) नादिषु ॥ स्वर्गप्रपञ्चवाग्वज्रदि
 (यद्यपि लिखितं) ॥ २५ ॥ लक्ष्मिस्तुतिर्योऽसि लोसिं गं विक्रमं रुथाः ॥ गुरुं पाधन्यमनचयवनागमरुदुक्तयाः ॥ २७ ॥
 तगः श्रीकाममाहोर्त्य वीर्ययत्नार्ककीर्तिषु ॥ श्रीकाममहिमा वीर्यतनयः सूर्यकीर्तिषु ॥ २८ ॥ पवित्रः पवित्रा १०३
 कस्तुर्याद्याहृदयः सुसात्रयः ॥ सत्यपूजातिथ्यावर्ध्याद्याहः विद्यमनस्ययं ॥ २९ ॥ अर्घ्यं लिखितं सुसन्धयः ॥ ३० ॥
 धति ॥ ३० ॥ काचाः लिखितं सुदृढं जः ॥ विपर्ययं सच विस्तरं प्रपंचः पावकं सुविः ॥ ३१ ॥ मास्य (मास्यवाप्य) पध

दाय तैल त्रैद २ अर्घ्यादि ८ गाया २ मिथ्यादिना १० या १ कामादि ३ गाया १ चा ६ या ३

गत्रु ३ आदिना १ या २ पवित्रं सुय १ विक्रु आदिना १० या २ (माससाकागयानाम) वृद्ध आदिना ४ या २

पुर्कटविक्रलपुंसिम (धसिक) लिखितं ॥ ३२ ॥ अलिखितं (गम्य) रुयांचनरुसोवनविः स्त्रियां ॥ कपिनाक्रवहिउजोदक
 पिपाहुं जादिजाः ॥ ३३ ॥ अजाविहृरुचन (गम) शांतिवरावजाः ॥ धर्मवाजो जिनयमो ॥ कजादकपिनस्त्रि
 यो ॥ ३४ ॥ वनजकउपूरुधवस्त्रजावल्गुदर्शना ॥ समका (गम) तया जिः प्रजास्यात्सकमोजन ॥ ३५ ॥ अजो
 मीरवमर्माकोचस्वकनिष निजं लिखितं ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ पुंस्यात्सतिप्रधानं उक्तं उक्तं वाच्यं लिङ्गक ॥ संज्ञास्या
 ॥ वृत्तानामरुकाथेयार्थस्वरना ॥ ३७ ॥ दापहोवेयविहीमोहाविद्यान्नामजापिच ॥ ३८ ॥ जति ॥ ० ॥ काकरुग (उकनमो)

नामादि ४ गाया १ मीरव आदि ३ गाया २ अपिखण ३ वेद्य आदि ३ गाया नाम १ शब्द आदिना ४ या ३ काप किति
 गंदमस १

कितिहानपन१ पात्रादि१ गताया१ स्वात्मनः कच्छ१ बुद्ध१ कस्यात्मादि१ गता१ उक्तादि१ गुणाया१ ३०५ मानः किं१ गता३

मायादि१ गजगण्डकदीकदी॥ मित्रपिष्टसुखसुखीरश्चर्मसिंहरुच्यः॥ ३९॥ दवःमिस्त्रिचपित्वष्टादिष्टदेवपिनदया॥
५ गताया३ वसकद्वकद्वकार्यजिषुमत्तवनीकया॥ ४०॥ विष्टकमायुतातावष्टविष्टसुखसुखी॥ मायानिचय
कुषुकेतवात्तनामिषु॥ अथाघ(मोसर्ग) (गभीता) (कुरुटमसुयो)॥ ४१॥ अश्नेतायां कटि१ कुस्यात्मा१ १०१
सःस्यसंभयपिवा॥ ४२॥ अष्टकषाशय१ काय१ मत्तवन्नकचंजटा॥ अष्टि१ रुससमृद्धोचदष्टिर्हानकिदस
न॥ ४३॥ अष्टिर्हानगदयासृष्टेतिश्चिन्नवरुनिजिषु॥ कष्टरुष्टरुष्टरुष्टनदकामायागदष्टु॥ पद्वोवा
हानादि१ गता१ काशआदि१ गताया२ कपटआदि१ गताया३ कष्टआदि१ गता१

(यकआदि१) दिग्मादि१ गता२ कस्तवाभि१ थकाति१ आदि१ गता२ पनप्रांजलाधकनिय१ धनआदि१ गताया३ ४
५ गता३ वनिं(मोव॥) शक्तु॥ नीलकठःमिवपिवा॥ ११॥ प्रंसिकाष्टाकूर्कठवंकुसलकूर्कठकथा॥ मिष्टानिचयकिना१
माकाःकाष्टाकूर्कठमिदिमि॥ ४४॥ जिष्टकष्टातिमसुपिकनिष्टातिप्रवात्यया॥ ४५॥ उति॥ १४॥ द(कुम्भी)
सगुंठापिप्यातगुठा॥ मत्तकपाकथा॥ सप्यमांसास्यमुखादो(मत्तवाचस्त्रिदाम्ना॥) ४६॥ कृशवर्मसलाका
पिनाडाकासपिष्टकृष्टा॥ का(कुम्भी)दमुव्वानाववर्गवसत्रवाविषु॥ ४७॥ स्याहानुमत्तव(सपाणमत्तव
सिन्धुन॥) ४८॥ उति॥ १०॥ रुमपतिरुयाईटपगटरुमकृष्टया॥ मत्तवलो जिष्टकटोव्यूधोविन्यक्तसंदतो॥
विष्टादि१ गता२ दमुआदि१ गता२ प्रतिज्ञाआदि१ गता३ सप्यआदि१ गता३ क्राष्टआदि१ गता१

कं कडुसु. १२ वाता ३ दवज्जादि ३ नाया १ ताहात नमरु ५ दव २ किमिवा २ सामान्यमंगवया १

धजवपु खनं ॥ ५७ ॥ (तति ॥ ० ॥ दवसुयो विवस्वको सप्रस्वको नदानुयो ॥ यक्रिणाको गनु नमको मकको रामयक्रि. ॥ ५८ ॥

पासवपु ३ अय्यया मोधुमकडुजो मे गो मघपर्वतो रुकोठपातिनकृणमनुगो पतनामयो ॥ ५० ॥ जंरुहिरुपकसुनरुको वाज कमाव

धातविपाष्टवि ॥ यानपाठमि. ॥ पातः पण २ पाथकचमन ॥ ५१ ॥ ग्रहुरुदधरु कडुः पाथिविनयमन ॥ ५२ ॥

यति १ कावुरुदपिरुह रुमिधयनय ॥ ५२ ॥ मृहोरिषिकारुपापि मरुः सुकसूमपिच ॥ विष्ठावयजिना

व्यकोसतस्वष्टिसाव (यो ॥ ५३ ॥ व्यकः प्राहापिष्टहाकावरुमाकुनिदमन ॥ कणस्यासाव (यो ॥ ५४ ॥ वेधायी

विष्णु १ नायकसिकर्मि २ सावधि १ गुं वाजा २ वडिवंता १ पुनजाति ३ वाजा २ १ उज २ कडुधज ३ कृतिमावधि १

मस्तुमजा १

उथवारुका १

जमादिना ४ यी २

एकावादि ३ ना १

स्रक्कादिना ३ यों २

मंगमादिना ३ या १

नीसादि पा ४ यी १ पिवमडड ॥ ५४ ॥ रुकाक १ स्यायकयतापकाय कारुत्यवारुयाः ॥ आतरु १ समप्रनुरूपमाननी रुद्धि (मघथा ॥ ५५ ॥

रुगाकायमसिद्धा रुदेवाकमनकर्मस ॥ स्रक्कादिचमचकादिमस्तारुगादितामुसा ॥ ५६ ॥ रुडियान्यस्मविह

तिः गदयानिश्चधातवः ॥ ककाकचपिगुहाका नपस्यासर्व (मचव ॥ ५७ ॥ कासुसामर्थ्याः गकिः मृरिः काठिन्यः

काययाः ॥ विष्ठाववन्पार्वततिवसगीना विवमनाः ॥ ५८ ॥ कयादयाचपवितिः सातिदीना वसानयाः ॥ अरुः उदयरुजा १

पीणधनः काद्योर्जाति सामान्यजन्मयाः ॥ ५९ ॥ उवावस्यनया नीतिः नीतिदिनपुवागयाः ॥ उदयशधनमपाफिः

मस्तुदिना ५ यी २

वीठादितागयी १

प्रागु. २

यकाया ३

वनवास १

दानकवसानरुजा २

लाकरुमि३ मि.युग१ संगरुमि२ वीमवि॥५१ रुदादिना५यी३ संपहि१ निगान.भसु.मि२ नागनगव१ गमनादि५ना३

मुतात्वमिणययुगां॥ १० ॥ वीमरुदपिमरुंतीरुतिरुस्यनिसम्यदि॥ नदीनगर्यानामनांरागवत्यथसंगयं॥ ११ ॥
 सं(गमरायीममिठिक्रयवासौवपिक्रिति॥ १२ ॥ वववविश्वमुरुववक्रिहानावरुतय॥ १३ ॥ जगतीजगतिथुदो
 वि॥ १४ ॥ पिक्रिणावपि॥ १५ ॥ पिक्रिथुदोपिदममस्यासुगावपिनायति॥ १६ ॥ यतिगतीवमूलतुपक्रतिःपक्ररुदयाः ११०
 ॥ पक्रतिर्योनिति॥ गचकेसिकायासुवरुयः॥ १७ ॥ मिकताःसुर्वीरुकापिवदयवसिचयुक्ति॥ वनिताजनिता
 एथानूनामायीवयापिति॥ १८ ॥ गुफि॥ मितिपूदासपिधुमिर्हवम॥ धेर्यया॥ १९ ॥ वरुतीकडवार्त्कीवुदोरुदम

श्रीमस्यनासु१ निगदि५ना२ सत्रआदि५ना१ रुदादि५ना२

रुदवि॥ ५१ ॥ अरुआदि५नायानाम२ वातरवेया१ मसुहव.युगयाद२ अतावादिना५यी१

रुपपि॥ १३ ॥ वामितासुकवि॥ १४ ॥ वारुदरुसुथेवा॥ गुडुहिषसुडुघुतामरुं॥ १५ ॥ कवः
 धीरुनूयुरुसा निमिदरुडुचक्रही॥ १६ ॥ कर्त्तसासुवधुतयायुगययीकयाः कर्त्त॥ १७ ॥ अत्यादिर्नमरातीतिःकर्मजी
 वानपक्रिच॥ युक्तमादावरुहर्त्तजात्यनोक्तममिपू॥ १८ ॥ वरुपधचविश्वचिष्वतीट्टटसुते॥ मरुडायेवा
 वगीर्नजयस्यारुहर्त्तपिपू॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

गडासुय
 कृपाना
 धोया३

आगतया
 आदि५ना
 यानाम१

१ लाकादिना३ २ कडायाक.लाकवाहा ३ वरुडुचक्रआदि५ना मूदिआदि.डुयवसु२ ३ काडुआदि५ना
 रुदादि५नायी१

पवित्रादि १ गाय २ लक्ष्म्यादि १ गाय ३ पूज्यादि १ गाय ४ तिलाकआदि १ गाय ५ सत्यआदि १ गाय ६

रुद्रिमलकलायनयनकानवधावपि ॥ व्यानकृष्टपुनीगकिजागलुकलजवृधं ॥ ४३ ॥ विविकोष्टतविजनोः
 मूर्ध्निमोमृष्टसायुयो ॥ होनास्त्रपूज्योकोमितीधवसमवको ॥ ४४ ॥ सत्यसाधोविद्यमानपुमकस्यहिनच
 मत् ॥ पूवस्तुनःपुजितवाप्यनियुक्तः ॥ ४५ ॥ निवातावाययादातोमस्तुनयवकर्मयतमानानरु १११
 पुष्टहाःस्यवृद्धिताउत्तितास्त्वमी ॥ ४६ ॥ वृद्धिमत्यायनास्यत्राआवतोसादवार्धितो ॥ ४७ ॥ अर्थ
 तिधययेवस्तुपयाजननिवृद्धिपू ॥ निपाताममयाकीर्थमपिशक्तजसुनो ॥ ४८ ॥ समर्थविष्मकिस्तुसम्ब

कावल्या १ २ कवचआदि १ गाय ३ सजाआदि १ गाय ४ २ वृद्धिआदि १ गाय ५ ३ आशयआदि १ गाय ६
 रुद्रआदि १ गाय ७

सर्वधआदि १ गाय १ वय्यआदि १ गाय २ वनआदि १ गाय ३ निन्दाआदि १ गाय ४ जलआदि १ गाय ५

हाथहितवपि ॥ दशमीकोकीतयागवृद्धोवीथीपदवपि ॥ ४९ ॥ आस्तानीयतयावास्तुगस्तुमीमानुमानयो ॥
 थति ॥ ५० ॥ अतिप्रायवमोद्वयोअष्टोमीमृगवस्तुनो ॥ अपवादोउत्तिरीक्षोदायादोसुगवांधवो ॥ ५१ ॥ पास्तुन
 म्याधिउर्यासाःवडाग्न्यकीरुमानुदः ॥ निवादाजनवादपिमादोज्ज्वासमप्ययाः ॥ ५२ ॥ अमावस्यदिकजानयो
 कुयोदावृत्तव ॥ स्यात्सासादानुर्वाधपिसदःस्याहंजनपित्रा ॥ ५३ ॥ गमष्टाधकपिगविन्दःरुधोप्यामाद
 वन्मदश ॥ पाधान्यवाजलि ॥ रुववृषांगककदाःक्रियां ॥ ५४ ॥ मुसंविज्ञानमंगायाक्रियाकावाजिनामसूः ॥

संयमआदि १ गाय २ ३ किन्नरआदि १ गाय ४ १ श्यामाआदि १ गाय ५ ३ नाडइरुआदि १ गाय ६ ज्ञानआदि १ गाय ७
 वाजविक्रआदि १ गाय ८

ऊनशादि. ५ नाया ३

१ सामर्थ्यादिं ज्ञायां २ जहस नया सिं

गुन्याविडा२५३१ काथकादि४ २ वि, सिमा घाल, वड १३

पामाशादि ४ गायीः

पामाशादि ४ गायीः

सर्वश्रुति ४ ता २

रुसवपायानाम १

त्वहा. गु. पर्वण. पक्रि. पञ्च १

धरणा कडयानाम १

वष्टोपुसिहोत्याकसुधितो ॥ १०१ ॥ धिनि ॥ ० ॥ सूर्यवक्रिश्चिगुमानूर्तनूत्रमिदिवाकयो ॥ रुणात्मानो ध
 रुदहो मुखेनीधो पथउनी ॥ १०४ ॥ आवर्णुमेनपाषासोपठिओमवपक्रिओ ॥ कनुओतोमिखचिओ
 मिखिनोवक्रिवर्हओ ॥ १०२ ॥ प्रकियत्तावुसो निष्ठापगुहावधसादिनो ॥ दोसावधिरुयावाहोवाजिना ॥ ११३
 प्रपक्रिह ॥ ११० ॥ कलनयलिङ्गनाउन्मरुमावपथकायना ॥ वर्षाचिबुहिरुदाधचडान्मकोवितावनः ॥
 १११ ॥ कंमपिदडिनाविश्वकर्माकसुबमिन्निना ॥ आत्मायन्नाधतिवृद्धिंस्वरावाउमवर्षव ॥ ११२ ॥

११३

२ सावधि. सन. ३ मि. मस्वा. हि. सकि. ४ पाय. सूर्य. उक्रा. ५ कलजाय. प्रया. ६ नथना. मया ३ ७ जन्तुवक्रि. स्वराव. ८ द. का. मा. वाहि. तै. उ. सूर्य.
 हन. मनी. १

मघ. ग्वा. थ. ग. क. न. सो. १

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

सूर्यश्रुति १ ता गुमा. हान. पुम १

पापश्रुति ३ ता यो ३

नदी. मा
नृषी. से
म्य. रव. ३

मकाघातकमरुतावापुकाद्योघनाघना ॥ अहिमाभाधोदिदर्थज्ञानपरायुहिंसया ॥ ११३ ॥ यभाप्रधमरुहिगु
 हाविप्रमरुनिचकच ॥ रुनःसूर्यपराजाजामुर्गककणियनप ॥ ११४ ॥ वातिन्योनरुकोनरुसावन्त्यामपिवा
 हिनी ॥ जादिन्योवजगतिगोवन्दियामपिकामिनी ॥ ११५ ॥ त्वददथावपिगनःसुनाधाजिकपापिच ॥ कड
 विताययावकीविगानेविप्ररुदुक ॥ ११६ ॥ मय्यथकननीकरुकेगावपनिमकु ॥ वेदकस्वनेनपावमवे
 माविउपजायमि ॥ ११७ ॥ उसाह. र. व. हि. सा. दो. स. च. न. वा. पि. ग. ध. नी. ॥ स्याइयाने निस्सवरोवनरुदपुयाजन ॥ ११८ ॥

उ. सूर्य. व.
नि. वि. १

१ वेदज्ञान. वा. म. र. उ. क्र. २ उ. उ. वि. ता. व. र. ३ व. ग. र्प. म. वे. द. या. स. ज. न. रु. ४ हि. सा. श्रु. ति. ५ ता. या. १ ६ क. म. व. ग. र. ध. ध. ज. नि. म. र. ध.

ॐ गलत्वाक २ पिय वंश दुर्गशाच १ २ अयकाभा जीजा विद्रा ग्वय व्यका अयव १ प्रवृत्तार्थ हनास दन ५ न २

सिद्धाय ३
पकाय ४
न पिह
कार्य ४

आन ३ नैपुणी वाप जवना या य नार्थ कं ॥ व्यंजनं लाङ्घने भगु निष्ठाने वयव च वि ॥ ११२ ॥ अया को सितं ला क
वा दयुद्ध पंथ हि पक्रिती ॥ अयका भा रि गो स्ताने जीजा दा व पिद न नै ॥ १२० ॥ उत्काने पो नु घन कु स त्रि ह
शरु म पिच ॥ व्युत्काने पु ति ना ध पि वि ना धा वा च (त पि च) ॥ १२१ ॥ सा व (त म त सै स्का च ग गो ड व र्थ दा ११४
प न निव र्ण ना य क व स न व का स च सा ध नै ॥ १२२ ॥ त्रि र्जो त नं वे च शु धो दा (त व्या सा र्थ त पि च) ॥ व्य स नै
वि प द र्ज (म दा ष का म ज का प ज) ॥ १२३ ॥ प का क्रि ना त्रि किं ज रू त ला र्थ (म क दी य सी ॥ ति थि रु द क्र (त प

वि प क्रि का म ला ग का प १

अयव २ २

वान लाय क्रि ३

मिने कं म च मे ना वा १

भक्त सार्ध स्वया विद्या
दान आय २

मिखा ली ग द स्वय १ ला क प य ४ कल हल कलना मया २ अकार्य शु क ली को जा १ तज व दि १ सा ल स न क भ वी न २

द्वि वि
क्रया २

व व स न शु द र्थ नि ॥ १२४ ॥ अकार्य शु क को पी नं मि थु नं सं ग गो न र्ग ॥ पु धा नं प व मा त्या धी १ पु लानं वृ धि नि
क्रया ॥ १२५ ॥ पु लानं पु ल रु ल या नि ध नै क ल ना म या ॥ क न न वा द ना कान व र्थ द रु प सा ध या ॥ १२६ ॥
ग रु द रु लि पु ला वा धा मा न्य थ व रु म्मा थ ॥ स त्रि व (म व सै स्ताने स रू वि द्र पु धा न या ॥ १२७ ॥ अया
द नं स म्पि धा न स प ता व र मि रू ॥ अया ध नं सा ध नै स्या द वा को ना घ (त र पि का ॥ १२८ ॥ अ धि शानं च क रू
प पु ला वा धा स न ध पि ॥ व र्ण स्व जा ति (यु ष पि व न स ति ल का न न ॥ १२९ ॥ त ति नै वि व ल सा क वा य ति १

व क ल ग न पु ला व
अधि स १

इ वा न क स जी व न ज ३

थडा जाति म (यु
क म ति क आ दि १

सा ध या य
सं गा घ या य २

३ काने सता विद्रा पु धा न

म क सा ला १

अपत्राध विपहि १ उक्ति गृह्यानाम १

इति न १ तिसा पा समरु २ मग्न क मली ६ १ धाति ३ वंगर्या १

कपसाक
पीसजा

गमक (धारुत्र) समाना १ सममेकस्य १ पियुनोखसमचको ॥ १३० ॥ हीनम्यनादनगर्को वनिममोतवसिना ॥ अति
वन्नाः पचा (धाति) गुक्त्या पद्रता वपि ॥ १३१ ॥ नति ॥ ० ॥ कसा पा रूपा (तव रु रूती) वसे रु ग विच ॥ पविच द पत्रा
वायः पयो फो सलिलसि मो ॥ १३२ ॥ (नध) (आह) पनी (गी) पो रु वा विरु रुषा कपिः ॥ वाच मष्मा शु क मि पू त्वन्न मा ११-१
वादन दय ॥ १३३ ॥ नर्त्य मृग्यो ददा च पू र्ण व पि वि द पाः क्रिया ॥ पा फ नू प स्व नू पा रि नू पा वृ ध म ना रू योः ॥ १३४
॥ रु य रि ना अमी क र्मी वी सा रु द थ क च पी ॥ क नू पा म ग ना मा त्य प ट वा क्रो ष म र्म क ॥ १३५ ॥ धाति ॥ ० ॥ व व रु

१ ईन त्वक प्रसा

लोसा मी २

मिसा का पत्रा यत १

मि र्मा २ १ पाठ क्रिन स

३ विरु मा क दा हा

वाननाक रानी
मना रु २

सिमाया हा साया खात्र २ अरु या नाम १ २ तिसा की र्हिया नाम सि मा क चा १ पूर्वया ला क ३ सत्व स रू गंधर्व २
प्रीति यदः स्या रू ति ग वा च सिंग क १ ॥ मि रु मि र वा यो स वि मि मा सि का यो व मा न विः ॥ १३६ ॥ मरु म स न दू तं स्या रु वा
दीमी मरु पिव ॥ गुं रुः स्या रु रु ने वा रु व नी का च च की र्हि नाः ॥ १३७ ॥ धाति ॥ ० ॥ अरु ना रु व स त्व (ध गंधर्व) वि
य मा य न ॥ कं व र्त्रा व स य मी र व दि जि को स प्य स च को ॥ १३८ ॥ पूर्वा न्य रि ग १ पा ण रु प्रं व रु त्व पि रु व जा न ॥ वि
रु र व वि का दं वा नि नं वा डि क ट क द ॥ १३९ ॥ दा वी रु ला पि विं वा (मु) म गु ल वा रु तो रु न ॥ १४० ॥ धाति ॥ ० ॥ रु
तो घ ट रु रु र्मा (मो) ठिं रो रु मि गु वा लि (मो) ॥ १४१ ॥ रुं तो रु ता रु डी रा वो र्म र व रु मि ता व नो ॥ रु दि रु ना रु का ग र्मा

म सा यानि पर्वत २

घट कि सि मू चा न लेख १

३ चू ला रू व
म र्म रु की ३

थ क र्ज १

वृजा रु ५ १

१ मिं रु रु चा क मं रु

यन स या ह
रु वा १

वे जा, हुंग, नगव, वद१
 पूष्य, न्याय, स्वराव,
 आवा, न, सा, सपा, न२
 नस्मी, सा, क, वा, ६, ३
 आ, न, र, अ, ध, य, न, या, २
 ध, प, आ, वं, जा, न
 सा, रा, उ, य, १
 म, ना, वां, क, उ, या, न, प, ना, क, म, ३

यागविधिषः ३ वा. शि. हा. क. ज. इ. श. का. ति. ग. व. उ. क. म. ली. ठ. रु. ज. म. र. क्रि. प. न. मि. सा. ज. स. त. ३ ६ जी. तु. ड. ष. य. २
 समस्त. क्र. य. १ कि. ज. त. ठ. रु. की. ज. म. रु. १

साङ्गन. भागमह२

१ कार्य. वयकापकाध

जनधार्वी१

अधम१ सवृष. जह२

धसत्रपा. अधीन१

कृष्णक्रियादेवकथाः। त्रिषु सधधनादिभिः॥ जन्मस्यैकानवादिपि जघन्यकधमपि च॥ १५५ ॥ मर्याधानोचवकं थोकस्य लिखं.
 सङ्गनिशमयो॥ आत्पवाननपका (ध) द (थो) रे थुवावपि॥ १५६ ॥ त्रयः प्रमक्तुं पपि वनाम्यावलुवावापि. ५ विमोज
 नाथः (पिमध्या) सोमं सुदवसासदेवक॥ १५७ ॥ यनि॥ ० ॥ निवहावसे शोवाशोसंरुजोयसुत्राधजो॥ शुचुगी ११८
 प्यतिपिशाथोद्वापवोपूरासंमयो॥ १५८ ॥ पकावोरुदसाह (थ) आकावोः क्रिनाहनी॥ किंसात्रः धान्यभक्तपूमय ३ अवा२
 चवखवाधजो॥ १५९ ॥ आउयाक्रममेतार्काः श्रीरुनादीययाधजो॥ धाकाविदानवाहृताः वलिहसीभवः कजाः॥ १६० ॥

धनकु. पु१

सहस्रत्रि. पिल. सवृष. वलुमा
युग. संदह२ जलाजिक३ उध६

४ पडाशजगु. १ थहास्वलाव ससह. केस. लासा. जह३ लाहर्त. मज१

सहस्र. वलुमा ४ पडाशजगु. १ थहास्वलाव ससह. केस. लासा. जह३ लाहर्त. मज१

सहस्र. वलुमा ४ पडाशजगु. १ थहास्वलाव ससह. केस. लासा. जह३ लाहर्त. मज१

सहस्र. वलुमा ४ पडाशजगु. १ थहास्वलाव ससह. केस. लासा. जह३ लाहर्त. मज१

सहस्र. वलुमा ४ पडाशजगु. १ थहास्वलाव ससह. केस. लासा. जह३ लाहर्त. मज१

सहस्र. वलुमा ४ पडाशजगु. १ थहास्वलाव ससह. केस. लासा. जह३ लाहर्त. मज१

पर्वका. पविवाव२

२ माटि. निमन

रवाली. दि. जंगु१

वायवज२ साचा१

जमवमवृज१

पुकिहा. संजम
आपति. चनना२

षवजालंगनवीचकवाताजुआः कथाअयि॥ अजातमं (ग) (मे) वालः वम्मगुर्नावरुवय॥ १६१ ॥ स्वर्गुपिनाः पविवावः
 पर्येकपविवाचथाः। मुकाहुं दोगानवः स्यात्सावोवायोसरुजिष॥ १६२ ॥ कवृथथपुकिहाजिसंविदापत्समंभवः
 वदरुधमुफिवादयकुमिशानवावपि॥ १६३ ॥ मधवृमृपमयवसुवृकुकरवसूकव॥ आउमवः सूर्ययवः ३ अंगम. जम
 गजुआसावगर्जित॥ १६४ ॥ अरिहायाकिया (ग) चयोर्थमत्ररुनपिच॥ स्याजंगमपयीवावः रवमकाखपविबद. ५ विमोज
 ॥ १६५ ॥ विस्तवाविरपीदरुसृष्टिः पीणयसासद॥ वायवाः सुपतीहावः उनीकार्यप्यनक्तव॥ १६६ ॥ वि

सूर्य. किहिहा
जामद२

आसन. धाप्र१

सूर्य. मित्र३

रुह. रवय. संजा
रयाय२

जह. जमसि.
उक. आहृधाव३

वाजपावयाजाम१

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

॥ १०२ ॥ स्वर्गपुरुषविश्वोद्दोहावमाउपि (ग) प्रवर्गं ॥ गुहादलो ग क उ व हारि क म न क व ॥ १२० ॥ प्रवर्ग
क म प र्य साध (ग) प्रवर्ग ॥ म दि नं वा थ वा (क) विषय स्या इ प ड व ॥ १२१ ॥ द वा क्रियां रु य व ॥
व जा (क) दी व क प वा ॥ अ स पु मा नं रि का स्या द र्ग अ म व उ छ यं ॥ १२२ ॥ र्ग पु धा न सि द्धा क र उ वा य प वि १२०
द द ॥ उ सि वं वा स न द (लु) यो सी चं म य ना स न ॥ १२३ ॥ पू क रं क वि रु का (गु) वा य ता गु म र व ज स ॥ वा सि व
अ द स प र्ग नी (थो) ष धि वि (म) य या ॥ १२४ ॥ श्री व न त मि शु जा ना ता र्ग व द्वा व क्रि पू ॥ अ क र म व का म व

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

परि धा नां क र्ति द ता द (ध) ॥ १२५ ॥ वि द्या लो य वि ना व दि न व स व स धं ग वा न्म नि वं ॥ १२६ ॥ मू क पि पि ट वं वा
उ क स वृ थ पि ना न वं ॥ म र्ग व र्ग वं ध र म म या उ क र (न) रि ग क ॥ १२७ ॥ गो वा वृ (ल) सि ग पी र उ र का र्ग य
वृ क न ॥ उ व क ठि न पि स्या द ध र्मा द पि वा ध व ॥ १२८ ॥ अ ना क र पि चे वा (अ) वा (अ) वा स क अ क र ॥
उ प र्ग दी वा (अ) व व र व र वः स्या रु नू रु वः ॥ १२९ ॥ उ वा वि प र्ग य (अ) व र व ना ना सा रु माः प र्ग ॥ स्वा र पि यो रु म
धु नो क र्ग क ठि न नि र्द यो ॥ २०० ॥ उ दा ना दा रु म र्ग ना रि ग व र्ग य नी च यो ॥ म र्ग व र द योः स्वे वः उ उ म र्ग क

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

धर्मशास्त्रप्रवचन

गा ५ म
तथाय २

गा३कुरुतधाय२

सप्तमध्यायः

ता १ अथयः

ता २ कनासध्यायः

ता ४ वक्रिध्यायः

ता २ पमसध्यायः

ता २ मंशीध्यायः

ता २ वासध्यायः

पतिः

ता २ सातध्यायः

उष्मसुसुज (उपिच) ॥ २१२ ॥ कनासादकुपुं (गवा) नोदकचयमसं ॥ मूर्खः रुरुकपिवातः स्या ॥ शालश्वससलुहंया ॥
 २१३ ॥ सति ॥ ० ॥ दवदावावनावस्यवाक्रजस्रहभोरुवो ॥ मन्तीसरायः सविद्योपनिगालिननाधवा ॥ २१४ ॥
 अथयः ॥ गेलमपाकीश्रालकानाधवाः ॥ रावः सलासलावारिणायवक्ष्मजस्रसू ॥ २१५ ॥ स्यादत्यादरुल १२२
 पथपसवागर्हमाचन ॥ अविश्वामपक्रधपिनिहनावपिनिहव ॥ २१६ ॥ उत्सकामर्षयाचिष्टुपसवमरुत्स
 वः ॥ अनूलावः पलाववसनीचमरिनिश्वय ॥ २१७ ॥ स्याज्जन्तुरुतुः पुरुवस्तानंचायापतश्चय ॥ यजयोविपनन

ता ७ उत्सवध्यायः

ता ४ पमवध्यायः

ता ३ अनूलावध्यायः

ता ३ निहवध्यायः

ता ६ लावध्यायः

ता २ जन्महृदयः

ता ३ पावासवध्यायः

ता ४ मंशुध्यायः

ता ३ नीवीध्यायः

ता ३ ध्रुवध्यायः

ता ४ मिवाध्यायः

ता ७
सुधा
यः
यममुपात्रामवपूमान् ॥ २१८ ॥ कुवाररितदक्रावकुनिश्रुतमाध्वरुतिष्ठ ॥ स्वाहातावात्मनिस्वैतिष्वात्मीयस्वा
 क्रियाधन ॥ २१९ ॥ म्नीकटीवक्रुवंधुनीवीयविप (पिचिच) ॥ मिवा (मे) नीरुलवयाद्वद्वकलरुयुग्मया ॥ २२० ॥
 उद्यासव्यवसायपितृत्वमकुंजुजुषू ॥ श्रीवनपूसकसंरुवाच्यनिगमविक्रम ॥ २२१ ॥ वति ॥ ० ॥ होवि (मे) वेग्य
 मन्तुजोहोवचारिमनोस्य (मे) ॥ होवाभापूजमवाद्योहोवी (मे) कलमसूत्रो ॥ २२२ ॥ वरुः प्रका (मे) वीका (मे) निर्व (मे)
 रुतिरागया ॥ रुतानकपूसिकीनामरुडकर्षकथासुष्ठ ॥ २२३ ॥ पदलक्षनिमिरुस्योपदमः स्यात्कलसूत्रव

ता ३ वरुध्यायः

ता ४ म्यसध्यायः

ता ३ कीनामध्यायः

ता ४ जामीध्यायः

ता ४ सेंठध्यायः

ता ७ कमसः

ता ४ कर्कशधाय १ ता ४ दशधाय १ ता ४ पुकाशधाय १ ता २ वशधाय १ ता २ हृकधाय १

ता ४
रजध
य ३

दशवशाः एकविधायासाहकपित्तयनां ॥ २२४ ॥ वनामुकविशीवर्माहकहान्नज्ञानविशिष्ट ॥ स्यात्कर्कशः सारु
सिकः कर्कशो वा मयुतावपि ॥ २२५ ॥ पुकाः शक्तिपुसिद्धयमिमावहृत्तवोनिमः ॥ १११ ॥ नति ॥ ० ॥ स्रवमस्यव
सिमिरोपवृषावात्ममानवो ॥ २२७ ॥ काकमस्यान्यलोधांकोककोरुहदावीत्रलो ॥ अलीपुपुहृत्तवमोपु १२३
षष्ठपुष्यमदनु ॥ २२८ ॥ पक्षः सहाय्युष्णीषः मित्रावहृत्तकिनीटयाः ॥ शुक्लसमृत्तिक ॥ अष्टसूक्तगदचर
वृषः ॥ २२९ ॥ काषाकोकमसखरूपिधन ॥ धाघदिकाया ॥ यतः कर्कशतिरुक्तकरण्याकर्षाधक्रमित्तिय ॥ २३० ॥

ता १ रुष
धाय १ ता १ पुषधाय २ २ यक्रयानाम १ ता १ काषधाय २ ता ३ उक्षीषधाय १ ता १ काकधाय ३ ता १ आकर्षधाय १

ता ४ नादधाय १ पोत्रुषधाय २ आमिष
युनाम २ ता २ कर्षधाय १ कित्तिषया २ कर्षधाय १ लाकधाउ २ दयानाम २

समर
यानाम

साम्यं तां लोकर्षचकव्यवहाजकसिद्धम ॥ कर्षूर्वात्कनीषाग्निः कर्षूः कृत्याहिधायिनी ॥ २३१ ॥ पूरावतलिर
यायोचपोत्रुषपुषापय ॥ उपादानप्यामिखंस्यादपनाधपिकित्तिष ॥ २३२ ॥ स्याहृष्टोनाकंधात्तवत्तव
वर्षमस्ययी ॥ पुषाहृष्टकलपुषाहिक्कासवार्थवारुति ॥ २३४ ॥ त्विह ॥ आरापित्तिषपयवर्षकास्त्यनिरुष्ट
याः ॥ पुष्यकः धिरुक्तः धक्कयुक्तत्वयम्यविकार ॥ २३५ ॥ नति ॥ ० ॥ नवि ॥ अतदुदोहसासूर्यवक्रिविहायसो ॥
वत्सो ननु कवर्षो दोसान्नाद्यदि वीकसः ॥ २३६ ॥ गृणजाकोविषवीर्यगुणना ॥ गंडवज्रसः ॥ प्रसूतसावर्गसो वा ॥

पिपीहा ॥ गजदव १ २ विकर्मइउ १ प्यात्तवया ३ ता ५ वसधाय १

ता १
सूर्यधाय

धिकांश

वाक्यार्थसंख्यापूर्व

वार्थयानाम

शुवाक्य

लटिवा

सिद्ध्या
अर्थ

वाकोसीमा (वर्धवा) गङ्गा ॥ २४२ ॥ आउरुः सम गोवाक्यं यास्तुत्यान्ता पपीडयाः पापकस्तपदर्थकं धिग्रितं
 ननिश्चयाः ॥ २४३ ॥ वात्मानयसमासावर्तन न च समुच्चय ॥ स्वस्यांगीः क्रमपूर्वकं पुनर्लघनपति ॥ २४४ ॥
 स्तिष्ठति च विनर्कच उर्यद्वयवधाम् ॥ सकृत्सकृदवाचवाप्यानाइव समीपयाः ॥ २४५ ॥ पुनोवाचोवर्तन ॥ १२७ ॥
 पश्चादनाप्यर्थविकल्पाः ॥ पुनःपदार्थयोः संगत्ताकाह ईदु उल्लया ॥ २४६ ॥ खंडानुकंपासंतापविस्मया
 मनुसंवत् ॥ सकृदर्थनूकमाया वाक्कावच विषादया ॥ २४७ ॥ पुनितुतिनिधौ वीसासकस्तदोपयानतः ॥
 वनयां अर्थ १ विकल्प अर्थ २ उया अर्थ ३ वाक्यार्थ १ वार्तवाच अर्थ २ आजाया अर्थ ३ पुनिया अर्थ १

वधवा अर्थ २

क्रिया अर्थ १

अन्या अर्थ ३

संस्तु अर्थ २

अध्या अर्थ २

अगमा अर्थ १

वार्थ अर्थ २

यावत् अर्थ १

पुन्या
अर्थ २

स्तिष्ठति पुनर्लघनपति ॥ २४८ ॥ पायां पुनका लुथमपूना (वर्धवा) गङ्गा ॥ यावत्तावत्ताकस्य नामाया
 वधोमानवधाम् ॥ २४९ ॥ संगत्तानंगवाचकपुनका लुथ (वर्धवा) गङ्गा ॥ यथानिर्वाक्यविधौ नानाकारकयार्थः
 ॥ २५० ॥ नृपक्यो विकल्पयश्चास्मादध्ययनम् ॥ पुनोवाचवाचनान्नानयामनुसंवत् ॥ २५१ ॥ गतां समुच्चय
 पुनोवाचवाचनान्नानयामनुसंवत् ॥ उपमायां विकल्पवासांमिच्छां शुरु सम ॥ २५२ ॥ अमां सरुसमीपवर्तनानिचम
 स्तिष्ठति ॥ स्वेच्छमर्थयावत्तुर्नर्कचतिश्चय ॥ २५३ ॥ हस्तिमर्थसखजावैक्यक्यो शुरु सम ॥ नामपुकायसं
 अमाया अर्थ १ स्वेच्छा अर्थ १ वाया अर्थ २ नर्नया अर्थ १ हस्तिमर्थ अर्थ १ नुमा अर्थ ३ क्रिया अर्थ १ नामया
 अर्थ १

१ उक्तार्थ १ २ कोषार्थ १ ३ निर्यात् १ ४ अज्ञेयार्थ १ ५ प्रत्यायार्थ १ ६ दूयार्थ १

सावकापगुप्तसंन ॥ १५१ ॥ अज्ञेयसंनयार्थे किं वा तदवाचकं ॥ इदं विवर्तय विप्रश्नसमयात् किं सध्वयाः
 ॥ १५२ ॥ पुनर्वैधमरुदनिर्निश्चयनिधधयाः ॥ स्यात्प्रवैधविज्ञानीनिकतामसिखापूर्वा ॥ १५३ ॥ उच्यते
 वाचजीवविज्ञाथहीरुतायै ॥ स्वर्गवपचताकं स्वर्गार्कसंतावयाः किं ॥ १५४ ॥ निधधवाकारिकावजिज्ञा १२७
 सान्नयस्वत् ॥ समीपारुयतमीद्युसाकस्याहिमूर्खहितः ॥ १५५ ॥ नामजाकाध्याः प्रादुर्भिधन्यान्वैवह
 स्पधि ॥ निधार्कैर्द्विर्गार्थे हाविषादसुगर्विषू ॥ १५६ ॥ अरुहत्पुनस्वदहिहो अवधावहा ॥ १५७ ॥ अरुह

जाहावा ता ४ स
 समिधः १ स्वत् २

ता ३ अंगिका विषादार्थ
 वयो ३ सहा १

ता ४ या
 अहितः २

निधयार्थ
 सकित ३

सवग्न संवत् १
 र्थमप्राहः २

वाचवाचार्थ २

वाहीवार्थ ३

मीद्युत् २

ताकावार्थ १ क्रावित ३

तडावाकार्थ २

मत्रसिंरुहो ज्ञेयकार्यवर्ग ॥ १५८ ॥ विद्याय विप्रश्नार्थे विप्रश्नस्याविविधार्थकाः ॥ मरुः पुनः पुनः मन्वदनीक
 मसकत्समा ॥ १५९ ॥ पुनः तिर्गजसाः कायसपदिजघ्नकचर्क ॥ वसवत्सुहकिमूतस्वपनीवचनिर्गर्भ ॥
 १६० ॥ पृथग्वाक्यवर्गहिद्विज्ञानाववर्जनं ॥ यरुद्यतसुताहतावसाकस्युविचनं ॥ १६१ ॥ कदाविज्ञा
 तुसावदुसाकससंमसं ॥ आनूकस्यार्थकं प्राध्वयार्थकं तु वथामुधा ॥ १६२ ॥ आहाउताहा किमनःविकल्पकिं
 किमूतव ॥ उदिवस्मरुवेपादपूजनस्वती ॥ १६३ ॥ दिवाकील्यथदाघाचनकां वाचनारूपि ॥ निर्यग

आध्वयार्थ १

२ नाप २ अर्थ

उदिवस्मरुवेपादपूजनस्वती १ २ अर्थयार्थ

वाकस्यार्थ १

कासासुता १ कजमसुता २ मजनासुता ३ दुस्यसुता ४ सजावाक ५ सवक ६ संवाधनार्थ ७ रति ८ मरुवापुसुता ९

लिधुज
म ३

थसति विधाः यथार्थमवाधनार्थकाः ॥ २१५ ॥ स्यादप्यादपाठः गरुडः १ समाया निकषादिबुक् ॥ अतर्कितुसह
 प्रीत्यासुतः प्रवर्गाः रतः ॥ २१६ ॥ स्वाहादवदु विदो न (अघनूवो घटवघटस्वधा ॥ किंचिदिषद्वनो न स्येपुत्पा
 मरुतवाक ॥ २१७ ॥ नदायथात (थवेवसांम्यः हादी च विस्मय ॥ मोनेनुहृष्टी दुष्टी कीसयः सपदितकृत् ॥ २१८
 ॥ २१९ ॥ दिष्ट्यासमू पयाघं वत्पानदधाकचकचा ॥ अकचतचमध्यः स्यात्पुसकुरुधार्थकी ॥ २२० ॥ युक्त
 कर्षोपनैस्तानः रीक्रीमधदनाचन ॥ अरुवनहिः नानापिमात्ममार्गं च वाच ॥ २२१ ॥ यक्राकचययदिव

रगुनीयाय १ मदिश १ हर्षमान २ मरुतामरुता १ वलाकाव २ पक्राकच १

यथ २ दि १ थहल २ पुका १ मिथ्या ३ अनुमता १ विधाधवचन २ कंकार २ सकलिनै १

उलिम
खडा ३

नखन्वडाजसाद्वर्य ॥ पुका (य अइवाविः स्यादामर्वपचमंमं ॥ २२१ ॥ सुसमकमुपवित १ सुर्वता विषगित्यपि
 ॥ अकामानुमता कामंमसुयायनमः सुत ॥ २२२ ॥ ननचस्यादिवा (धौकौकथिकामपवदन ॥ निःषमैः घर्म
 गक्यथास्वदुयथायथ ॥ २२३ ॥ मृषामिथ्या च विग (थयथार्थदुयधानर्थ ॥ स्रववपुनदधवधवधानवा
 चकाः ॥ २२४ ॥ प्रागणीतार्थक नूनमवर्धनिश्चितीद्वर्य ॥ सम्वतवर्षः वचस्वर्वागोवस्वयमात्मना ॥ २२५ ॥
 अल्पनीचेमरुतुवेः प्रायारुम्यकृतमने ॥ सना निगवहिर्वाकस्मातीरुष्टीरुदर्म ॥ २२६ ॥ अस्मिसत्त्वयु

अवधावत २ ३ गथामारुथ मंता १ निथय २ चिन्ता १ सवा ३ मखडा १ थपीठपुकाव १

सिंघु२ संध्या२ धर्मप्रियाअर्थ१ संध२ सपत्तिक२ नमोवा१ नमस्का२ स्तो६१ ज्ञापा२या२ मलिं६१

थनि३

पाकाहउल्युनूननयउअपि। इतकस्यातु॥ उवात्राउनवसानः नमोनकोपदत्रार्थअर्ग॥ २८॥ निन्दायांइष्टस
पुमसैनः सौर्यसायः प्रगपानः प्रलभः॥ निकषातिककः प्रस्यत्रार्थपमादः पूर्वः पूर्वअयनि॥ २८६॥
अथागात्रिः अथपूर्वक्रीणादोपूर्वोरुत्रापना॥ तथाधवाभ्यामनयननासुर्वयनादयु॥ २८७॥ अपत्रयः
अथयः अत्रयर्हः अवहयः उरुत्रयउरुययः अत्रययु॥ २८८॥ पत्रयक्रिययविज्ञागन॥ अनागनः
क्रियः पत्रयः सुपत्ररुति॥ गदागदानीः युगपदकदासर्वदासदा॥ २८९॥ उमर्हिसेषनीदार्निअधनासाम्युर्गन

कज्ञस३ १२८

निपत्रस२ कज्ञस३ निम्ब१

गडाकृ२ सदान१

सतिकृ२ भिगआदि३

आअधन१

१ निर्गुपयय'रुदन'गद्विग'समास
धर्मसयासिधरसा॥ २

पूर्वादिदम१ धर्मसुनिन३

निगयाविअप, प्रत्ययान्, प्राचीना
संधाज्ञा॥ २

धर्मदिगु
समासध
यमिलि
गमिय३

था॥ २९२॥ दिग्यमकासपूर्वोपाशुदकुलगादयः॥ २९३॥ अत्रयवर्गया॥ २९४॥ सलिंगमासुसदादिरुक्रुद्धि
नसमासकः अत्रकः सैशुरुतिर्हसैकोरुवदिहायन॥ २९५॥ लिङ्गमपविधिर्वाधिविअधेययवादिनः लि
यामीइद्विनामैकासयागिप्रतिनामव॥ २९६॥ नामविष्टुनिर्मावसीवादीदिरुनदीक्रियी॥ अदकेर्दिगुव
काथनसपाशुयुगसदिहिः॥ २९७॥ अत्रययनिकयगावेवसेधनिकादिब्रू॥ क्रीरावापावतिकित्गुगुव
कथायुजहिहिमा॥ २९८॥ उमादिप्रनिबूचीथप्राबूगारुवसेहिब॥ गकीगयीपरुवहीमसायासवसा

धर्मपुपयमुनिन१

उमादिप्रत्ययस
निव.याहमिय१

धर्मिअर्थस
ब्रूपुपय२

धर्मसुनिन१

सावधतयाक एउपयः मुनिग

धर्ममुनिगसिय

दिक ॥ २२१ ॥ घासोत ॥ साक्रिया रसो वे पान पागाहिरा लुती ॥ ॥ धर्म पागावम गयाने से पागा स्ववर्तिदिक ॥ २२४ ॥
मो म्या ला विम सास्या दिवि वक्रा पवय पिच ॥ लका (मरुतिक टी का धान की पक्षि को टीकी ॥ २२२ ॥ सिधका स
विकाहिका पाचि नुका ला पिपी सिका ॥ तिइ की क शिकारु की सनू ग सुविमा धय ॥ ३०० ॥ विवा विग अका १२२
कि न्य धर्मु मानी ऊती द नुग साहिः क न ग धा र स दी तारी वा ज स रा पिच ॥ ३०१ ॥ म स नी व र्व नी पा नी हा ला
र दान सिधारा ॥ साक्रिया व ग युषा ग धु सी च म सी न सी ॥ ३०२ ॥ र्स्व स रु दान नू व वा स पर्यायाः स वा स नाः ॥

धर्मदं द क मुनिग राय ३१

३ धर्म उमादिपुत्रय धाय

धर्मपुत्रय र्स्वनिग ४ धर्म र्स्वनिग ३

धर्म सकसे र्स्वनिगसिय २

स्वर्ग याग दिम घा विरुका ना विम ना वयः ॥ ३०३ ॥ क न ग (उष्ट दार्द न क ० क म नु र व रु नाः ॥ अक्रा हा नाः क्रा द रु
दा ना ज नाः पाय सै र्व का ४ ॥ ३०४ ॥ गी पि हा या ध नि र्या सा अ स न ना अ वा धि नाः ॥ क (म नु ज उ व रु नि हि त्या रु
व वि ज म का ४ ॥ ३०५ ॥ क म रा उ म ना पा ना य य द ना अ मी अ थ ॥ प थ न य स ना पा ना (म ना र्वा धे व ना क याः
॥ ३०६ ॥ ता न्य क रु वि रा व च घ न ज प्र द्वा थ व ॥ लू २ क रु वि म ति ला व का य ४ किः प्रा दि ना र न्य नः ॥ ३०७ ॥
हं द व न द वी अ व न द वान स मा हि ना ॥ का रुः सूर्य इ प र्या य र्स्व ना यः र्स्व का पि च ॥ ३०८ ॥ ग ट क थान

हं द श क र्स्वनिग १

स मा हा न श क र्स्व
निग म रा ३ ॥ १

कां ग म द श क र्स्वनिग १

धर्मपुत्रय र्स्वनिग २

धर्म अ द न
० र्स्वनिग ३

वाक्यत्रयकश्चकईगकःपूर्वान्मृत्वःसमृद्धश्चविटपद्मघटाःखट्वा॥ ३०८ ॥ काकात्रयपट्टहाश्चपितुगोदपि
 विचित्रगःगटःकचलुचगुजवनयुश्चकिष्णपुस॥ ३१० ॥ हतिसीमन्तरुविगात्रामनाजीथवृद्धाः॥
 कासमर्दोर्दनिःकृदरुनरुपसपूयको॥ ३११ ॥ अरुपःकृषिथनारिःकृनपःकृचकंनवा॥ एवकृच॥ १३०
 पुवृकाश्चगमरुर्दिगुसंप्रगताः॥ ३१२ ॥ वतासरुत्तमसाश्चपूवादाःअथपहिस॥ कस्माघाचरुमाश्चैव
 सकटाकृपतं गुरु॥ ३१३ ॥ द्विहिनश्चवृत्ताचत्थपशुश्चउहिमादकं॥ गीगाकृमीसवृधियमरुवाक्रिडवि

धनपुण्यनर्पम
 कर्त्तिगसिय४
 धनमददकंनर्पमकर्त्तिगसिय१
 धनविक
 ल्यसिय३
 धननर्पमकर्त्तिग१
 धर्त्तिग१
 लंबले॥ ३१४ ॥ रुतरुममुत्तसाहसुखइःखंमुतागुरुं॥ जलपूष्याक्षिववहीव्यंजनाचनूत्तपनी॥ ३१५ ॥ रुयाम
 नमरुदसुजागारचतंसांगले॥ दर्वोषधमधपत्तदथादवकाकृदं॥ ३१६ ॥ परुनाजिचगज्ञानदाचवर्हा
 प्रतानिवधार्त्तवाक्ककर्त्तिगस्यरुतितायत्ययुक्तं॥ ३१७ ॥ काद्याःमतादिसंख्यान्यावातकासियुर्नवयत्
 युक्तमसिसुसन्नष्टयदनाकमकर्त्तुवि॥ ३१८ ॥ ह्यजन्मश्रुसकादिः॥ ३१९ ॥ जार्त्तससापधंमिष्टेवायंजाकृत्वा
 याचिर्त्त॥ पाणयदकृत्वाकाथोद्विगुर्ज्ञानसाचरुः॥ ३२० ॥ दंदकल्पावयीतावःपथःसंख्यावायात्यवः॥ षष्ठा

श्यावरुनांचडिवायंसेरुकोसला ॥ ३२१ ॥ मालार्थपिपनाजामनूयार्थदनाजकार ॥ दासीसर्जनपसर्जनकः स
रुमिमादिभिः ॥ ३२२ ॥ उपश्लेषकमानाथनदादित्वपुकाभन ॥ कापहंकापकमदिकंयागीनचनामस ॥ ३२३ ॥
तावनधकचिस्थास्यसमूहतावकर्मसा ॥ क्रियावयामोरुदाकाथकत्वयूहताटको ॥ ३२४ ॥ वाचपिठुगृहं ॥ १३१
सुदीतिघोटीमर्मयाजन ॥ वाजसुर्यवाजपथ्यगद्यपद्यलोकवः ॥ ३२५ ॥ मातिकलाखसिंहचवीचवीचपेज
र्ज ॥ लाकायनरुचितासंविदवैशानवाकृतं ॥ ३२६ ॥ पुनपुंसकयाः ॥ लघाहर्वपित्थकककुकाः ॥ मादकादलुकर्ष

धनपुंगवकर्मिणी १

धननिगासिगसिय १

चमाकटःपर्यटावदः ॥ ३२७ ॥ धातकाद्यागवलकतमानामलकानद ॥ कर्षुसर्पुनीधर्षुसंकातिर्नकमकटिमो
३२८ ॥ संगमंमतमानामर्मगमवावयगावुर्व ॥ कविर्यकर्मकर्णसंपावावाचयुगीधर्व ॥ ३२९ ॥ सुपंपणीव
धातीवयुषंचमसचिकुसो ॥ श्रद्धादोष्टनादीनीरंश्यायंवेदिकधर्व ॥ ३३० ॥ तत्राकमिरुसिं गपितचदस्य
मुगभव ॥ सुपुसयात्रपलाकादिवतुःचद्यदाचम ॥ ३३१ ॥ जातिरुदायष्टिमृष्टिस्वाकपःकीटकवि
को ॥ जातिरुदापुमांत्वाथुकोयागेःसरुमसक ॥ ३३२ ॥ मन्त्रवनाटकः स्वातिवसुकाजातिसिर्मुनिशासपा

धनपुंगवकर्मिणी १

धनपुंगवकर्मिणी १

धनपुंनिगमि
गङ्गा ३॥२

धनपुंनिगमि

धनपुंनिगमि

धनपुंनिगमि
गङ्गा ३॥२

सपाटीककं ध्येयि ॥ ३३३ ॥ मीनपुंसकयार्ताव क्रिययाः चरुचित्रवर्णो विरुधो विनीमेयं
मेजीवूतं पागुजहर्णं ॥ ३३४ ॥ वष्टकः पाकदा ॥ सनाचयाभावा सना निम्न ॥ स्यादो न (न) न स निरी (न) धा
नमि नयचदिक ॥ ३३५ ॥ आवनकारुचपदा द्विगु आरं सिनश्चनूप ॥ विषद्वच विषदीच विनक्रीकनकी
अपि ॥ ३३६ ॥ विषदादीपदीवादीपदीक वलदाडिमो ॥ पत्रनिर्गसुप्रधानद्वेकनसूत्रपदिगं ॥ ३३७ ॥
अथाका ॥ पायनं पाफापत्रपूर्वोपवापमः ॥ विदिता (ध) द्विगुः सर्वो सर्वनामकदकका ॥ ३३८ ॥ बह्वी

१३३

धनपुंनिगमि
नदंमकनिगमि

धनपुंनिगमि
यातिगहय

सर्वो पूर्वशङ्ख
द्विगुसमासधाय

धनपुंनिगमि

धनपुंनिगमि

रुद्रदिग्गमामुन्नयं गङ्गादहर्णं ॥ गुह्यद्वयक्रियाया (न) विधिरिपनिगमिनि ॥ ३३९ ॥ रुद्रककुर्यसंज्ञ
यीरुत्ताककुर्यिकर्मति ॥ अनादीनामननकाय (ध) नाना र्थरुदका ॥ ३४० ॥ पश्यैरुका विपुसमा ॥ युष्म
दस्महि दययं ॥ पश्यै विधा (ध) पश्यै यमिष्टपुयागन ॥ ३४१ ॥ ॥ नाना कवीनी यदि नामका वा
संयवगदार्थविदीपुधाना ॥ गथापिहर्णः ॥ सवसिंरुनामकववकी वपठिनी सनान ॥ ३४३ ॥ पमानिवा
धयैरुका वातिकवृणकवि ॥ रुद्रोत्रं स्वतः सक्तः सक्त रुचं निगहयारु ॥ ३४४ ॥ ॥ एमवसिंरुका

धनपुंनिगमि

धनपुंनिगमि

श्री गुरुकाव्यम् ॥